राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित जन जन की आवाज़

लखनऊ वर्ष : 05 अंक : 163 शनिवार, 25 जुलाई 2026 आषाढ़ माह, शुक्ल पक्ष एकादशी, विक्रम संवत 2083 पृष्ठ-12 मूल्य : 05 रूपया


# छात्र प्रदर्शन : प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े कॉकरॉची

एजेंसी न्यूज

**नई दिल्ली।** नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन जारी है। सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। वह पिछले 26 दिनों से नीट पेपर लीक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। दिल्ली समेत देशभर में विरोध प्रदर्शनों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच आज बैठक हुई सीजेपी ने कहा कि जंतर-मंतर पर उनका विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते।

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, 'सरकार से 10 मिनट बातचीत हुई। हमने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं। मृत छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर हटे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं हुआ। कल सरकार से फिर मुलाकात होगी। सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर कल दोपहर तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सरकार उन्हें जल्द ही हटा देगी। सरकार ने मुआवजे (नीट की तैयारी करने वाले उन छात्रों के परिवारों के लिए जिन्होंने आत्महत्या की) और छात्रों के खिलाफ एफआईआर और कानूनी मामले वापस लेने की दो मांगों पर सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।'

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह और कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच एक बैठक हुई। इस बैठक में सीजेपी नेताओं ने सरकार को अपनी लिखित मांगें सौंप दी हैं।

दिल्ली के वीपी हाउस में कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच बातचीत शुरू हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह शामिल हैं।

नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन अगले निर्देश तक बंद कर दिया गया है। इस स्टेशन पर कोई इंटरचेंज सुविधा नहीं मिल सका। यहां तक कि हम भी उनसे नहीं मिल सके। मुझे बहुत खुशी है कि सोनम सर ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है।'

कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास कुछ ही देर में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सरकार से मिलने के लिए जंतर-मंतर से रवाना हुए।

**सीजेपी प्रतिनिधिमंडल की सरकार के साथ बैठक**

उपलब्ध नहीं होगी।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने कहा, 'हमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। विरोध बंद नहीं किया जाएगा। यह विरोध देश के युवाओं का है और यह किसी सोनम वांगचुक या दीपके तक सीमित नहीं है। यह विरोध देश के युवाओं का है, विपक्षी दलों का नहीं। अगर सरकार विरोध का समाधान चाहती है, तो यह केवल धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है। मुझे लगता है कि सरकार ने सोनम वांगचुक को हिरासत में रखा था। जेपी नड्डा उनसे मिल सकते थे, लेकिन कोई भी विपक्षी सांसद उनसे

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी, डॉ. गीतांजलि अंगमो ने कहा, "आधी रात को, हमें सरकार से स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स के खिलाफ कोई एफआईआर न करने, नीट विक्टिम्स के लिए मुआवजा और संसद में शैक्षिक सुधारों पर चर्चा की हमारी मांग मान लेने का लिखित आश्वासन मिला। सरकार की तरफ से जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह कल यहां आए थे। उससे पहले, 16 सांसद यहां आए थे, और विपक्ष के 65 सांसदों ने लिखित भरोसा दिया है कि इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होगी। सरकार और विपक्ष ने तय किया है कि इस मॉनसून सेशन में शैक्षिक सुधारों पर चर्चा होगी। इससे पूरा देश जाग गया है। नीट पेपर लीक एक सिस्टम था, लेकिन सिस्टम में इसके कारण मौजूद हैं। हमें उम्मीद है कि यह सरकार के लिए एक वेक-अप कॉल होगा। यह एक सफल आंदोलन रहा है, और इसीलिए सोनम ने अपना अनशन खत्म किया है। कल से, वह सेमी-सॉलिड डाइट पर चले जाएंगे।"

दिल्ली के जंतर मंतर पर कॉकरोज जनता पार्टी का आंदोलन जारी है। जिसे देखते हुए पुलिस-प्रशासन की टीम पूरी तरह से मुस्तैद है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में अगले आदेश तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टी को रद्द कर दिया गया है। यह आदेश सभी रैंक के अधिकारियों के लिए जारी किया गया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से जारी आदेश में लिखा है कि मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक कोई भी सामान्य छुट्टी आदि नहीं दी जाएगी।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेवारत कर्मियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जेएनयू ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'जेएनयू के सभी सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें और अपनी पर्सनल सेफ्टी को प्रायोरिटी दें। पब्लिक डेमोंस्ट्रेशन पर भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, आपसे रिक्वेस्ट है कि आप नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर या उसके आस-पास होने वाली गैदरिंग में हिस्सा लेने या जाने से बचें।

कृपया सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से काम लें। उल्लंघन करने पर लागू कानूनों के तहत कानूनी नतीजे हो सकते हैं और यूनिवर्सिटी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत डिसिप्लिनरी एक्शन भी हो सकता है। आपको एकेडमिक जिम्मेदारी और जिम्मेदार नागरिकता के मूल्यों को बनाए रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।' कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध पर आरएलएसपी नेता इंद्रेश कुमार ने कहा, 'मैं वहां आने वाले युवाओं से कहना चाहता हूं कि एक बात साफ नजर आ गई होगी कि इन आंदोलनों के पीछे देश की और विश्व की वो ताकतें हैं जो चाहती हैं कि भारत विकसित भारत ना बने, समर्थ भारत ना बने, शिक्षित भारत ना बने।'

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कल रात को 12 बजे प्रधानमंत्री जी ने ऐलान किया कि पेपर लीक के लिए सोमवार को संसद में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए कानून लाया जाएगा।

## केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिया इस्तीफा

### राष्ट्रपति ने किया मंजूर, पंजाब में मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी?

एजेंसी न्यूज

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर लिया। बिट्टू केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री थे। उनके इस्तीफे के बाद पंजाब की राजनीति से लेकर मोदी सरकार के संभावित कैबिनेट फेरबदल तक कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि इस इस्तीफे के क्या मायने हैं।

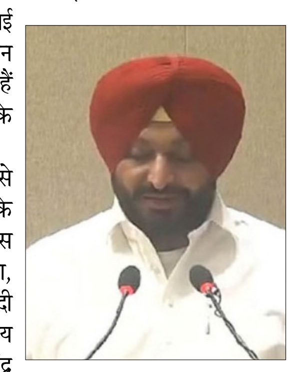

मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बिट्टू ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे भारत सरकार में राज्य मंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर दिया। भारत की जनता, खासकर मेरे प्रिय पंजाब की सेवा करना मेरे लिए सम्मान और गर्व की बात रही है। मैं सेवा, राष्ट्रहित और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के प्रति पूरी निष्ठा के साथ आगे भी काम करता रहूंगा। जनसेवा की मेरी यात्रा नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगी।'

रवनीत सिंह बिट्टू पहले ही कह चुके हैं कि अब वह पंजाब की राजनीति पर पूरा ध्यान देना चाहते हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा उन्हें राज्य में बड़ा चेहरा बना सकती है। माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें चुनाव लड़ाकर पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है।

जून 2026 में रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो गया था। भाजपा ने उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा। संविधान के मुताबिक, अगर कोई मंत्री सांसद नहीं है तो वह केवल छह महीने तक ही मंत्री रह सकता है। यही वजह है कि उनका इस्तीफा लगभग तय माना जा रहा था।

रवनीत सिंह बिट्टू से पहले केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन भी राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद इस्तीफा दे चुके हैं। अब दो मंत्री पद खाली होने के बाद चर्चा है कि मोदी सरकार जल्द ही कैबिनेट में बड़ा फेरबदल कर सकती है। मानसून सत्र और कई राज्यों के चुनाव से पहले नए नेताओं को जिम्मेदारी मिल सकती है।

भाजपा आने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर संगठन और सरकार दोनों में बदलाव कर रही है। पार्टी 'एक व्यक्ति, एक पद' की नीति पर भी काम कर रही है। ऐसे में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में नए चेहरों को आगे लाने की तैयारी मानी जा रही है।

रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। एक तरफ यह संवैधानिक नियमों के कारण जरूरी था, वहीं दूसरी तरफ इसे भाजपा की चुनावी रणनीति और मोदी सरकार में संभावित कैबिनेट फेरबदल की तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है।

## सार संक्षेप

### चीन को भी दिया स्पष्ट संदेश

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने दोहराया कि चीन ने 1963 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के भारतीय क्षेत्रों पर अवैध कब्जा कर रखा है। भारत इन इलाकों पर अपना कानूनी दावा रखता है और वहां चीन की ओर से किए जा रहे किसी भी निर्माण या परियोजना का लगातार विरोध करता रहा है।

### सिंधु जल समझौते पर देश का रुख?

आसियान मंच पर पाकिस्तान की ओर से दिए गए बयानों को भी भारत ने खारिज किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सिंधु जल समझौते पर भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं है। जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह और स्थायी रूप से बंद नहीं करता, तब तक यह समझौता स्थगित रहेगा।

### अमेरिकी टैरिफ पर जायसवाल ने क्या कहा?

अमेरिका की ओर से भारत पर प्रस्तावित 12.5% शुल्क को घटाकर 10% किए जाने के सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने अमेरिकी घोषणा पर ध्यान दिया है। उन्होंने बताया कि यह सेक्शन 301 के तहत लागू की गई कार्रवाई है, जिसकी शुरुआत अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ संबंधी फैसले के बाद हुई थी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भारत पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए बातचीत जारी है।

### अजीत डोभाल का रियाद दौरा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की सऊदी अरब यात्रा पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने साझेदार देशों के साथ नियमित संवाद करता रहता है। रियाद की यात्रा भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा थी। रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच विभिन्न क्षेत्रीय और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत भविष्य में भी सऊदी अरब के साथ संवाद और सहयोग को मजबूत करता रहेगा।

### छात्र आंदोलन पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार के सवाल पर जवाब

भारतीय छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स की ओर से कथित दुष्प्रचार फैलाए जाने के सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय एजेंसियां सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए हैं और सभी गतिविधियों की निगरानी कर रही हैं।

### 'गोल्डन लियो' जहाज पर भारतीयों की मौत

विदेश मंत्रालय ने 'गोल्डन लियो' नामक जहाज पर चार भारतीय नागरिकों की मौत पर भी दुख जताया। मंत्रालय के अनुसार, समुद्री प्रशासन महानिदेशक से मिली जानकारी के मुताबिक जहाज ने 19 जुलाई को यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से अनाज लादकर यात्रा शुरू की थी। भारत ने यह भी कहा कि किसी भी परिस्थिति में व्यावसायिक जहाजों और नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह रुख हाल ही में ईस्ट एशिया समिट, आसियान रीजनल फोरम और मनीला में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत के दौरान भी स्पष्ट किया था।

## 'भारत की वजह से नहीं आई बाढ़': पाकिस्तान के आरोपों को भारत ने बताया झूठ

एजेंसी न्यूज

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान की ओर से चिनाब नदी में आई बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के दावे पूरी तरह बेबुनियाद हैं और तथ्यों से मेल नहीं खाते। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिनाब नदी का जलस्तर जम्मू क्षेत्र में हुई भारी मानसूनी बारिश के कारण बढ़ा था, न कि भारत की किसी कार्रवाई की वजह से। साथ ही चीन के अवैध कब्जे और सिंधु जल समझौते पर भी भारत ने अपना रुख दोहराया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक 20 से 23 जुलाई 2026 के बीच जम्मू और आसपास के इलाकों में भारी बारिश हुई थी। इसी कारण चिनाब नदी में पानी का स्तर बढ़ा। मंत्रालय ने कहा कि यह पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया थी और इसे भारत से जोड़ना गलत है। भारत ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के लाहौर स्थित फ्लड फोरकास्टिंग डिवीजन ने 22 जुलाई 2026 को जारी अपनी चेतावनी में खुद स्वीकार किया था कि ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण मराला हेडवर्क्स में पानी बढ़ा है। चेतावनी में यह भी कहा गया था कि बारिश कम होने के साथ जलस्तर घट जाएगा।

## पेपर लीक विवाद: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के 47 अफसर बर्खास्त, कुछ पर होगी कानूनी कार्रवाई

एजेंसी न्यूज

**नई दिल्ली।** 2026 नीट पेपर लीक विवाद के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में बड़े बदलाव की तैयारी तेज हो गई है। इसी बीच एनटीए ने 47 अफसरों को भी बर्खास्त कर दिया। सरकार की एनटीए पर ये अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इनमें से कुछ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। एनटीए के अधिकारियों का कहना है कि एनटीए का पूरा कायाकल्प किया जाएगा और इसके बाद सुधारात्मक कदम लागू किए जाएंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि एजेंसी की कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। यह कार्रवाई उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी के पंचायती राज मंत्रालय में तबादले के एक दिन बाद सामने आई है।

संभावना है कि एनटीए के कामकाज में भी व्यापक बदलाव किए जा सकते हैं। एजेंसी की आउटसोर्सिंग व्यवस्था में भी बड़ा सुधार किया जा सकता है। परीक्षा संचालन से जुड़े निजी वेंडर्स और सेवा प्रदाताओं के चयन के नियम सख्त किए जा सकते हैं। पेपर लीक रोकने के लिए लीक-प्रूफ परीक्षा प्रणाली विकसित की जा सकती है। परीक्षा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए निगरानी और तकनीकी व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

माना जा रहा है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा सकता है। परीक्षा केंद्रों के चयन और उनकी निगरानी के नियमों में बदलाव हो सकता है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और वितरण प्रक्रिया को और सख्त बनाया जा सकता है। एनटीए की जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए प्रावधान किए जा सकते हैं। परीक्षा

प्रक्रिया की नियमित समीक्षा और निगरानी के लिए नई व्यवस्था लागू की जा सकती है।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में रही है। खासकर 2026 नीट पेपर लीक के कथित मामले के बाद एजेंसी की परीक्षा प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठे और परीक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार की मांग तेज हो गई। इस मुद्दे को लेकर छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन भी किया। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने की मांग उठाई। छात्रों के आंदोलन के बाद मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में रहा। विभिन्न स्तरों पर यह कहा गया कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए NTA की कार्यप्रणाली में बदलाव जरूरी है।

## दोहरे हत्याकांड में सजा-ए-मौत, पत्नी और सौतेली बेटी को बके से ताबड़तोड़ हमला कर उतारा था मौत के घाट

एजेंसी न्यूज

**जबलपुर।** जबलपुर के बरगी क्षेत्र में पत्नी और सौतेली बेटी की निर्मम हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई है। प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार यादव की अदालत ने आरोपी रामजी भूमिया को दोहरे हत्याकांड का दोषी मानते हुए मृत्युदंड और तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार, बसंत नगर निवासी रामजी भूमिया ने लगभग 12 वर्ष पहले राधा भूमिया उर्फ अंजुम बानो से विवाह किया था। राधा का पहले पति से अलगाव हो चुका था और उसके तीन बच्चे थे। विवाह के बाद वह अपने बेटे आशीष भूमिया उर्फ आसिफ खान और बेटी महक के साथ रामजी के घर रहने लगी थी।

## सीएम योगी बोले: कांवड़ यात्रा पर न लापरवाही बर्दाश्त और न ही साजिश, झूठी सूचना देने वाले जाएंगे जेल

एजेंसी न्यूज

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी श्रावण मास, कांवड़ यात्रा और अन्य पर्वों के दृष्टिगत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात, स्वास्थ्य, सफाई और खाद्य सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। आस्था के इस महापर्व में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही अफवाह फैलाने, खाद्य पदार्थों में मिलावट करने, ओवररेटिंग या शांति बिगाड़ने का प्रयास करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा अब पूरे प्रदेश का व्यापक आयोजन बन चुकी है, इसलिए मेरठ जोन की सफल कार्ययोजना और कांवड़ यात्रा प्रबंधन के मॉडल को राज्य के सभी पुलिस जोनों में समान रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ की निर्धारित ऊंचाई का पालन कराने के लिए पड़ोसी राज्यों–हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड के अधिकारियों व कांवड़ संघों के साथ निरंतर समन्वय बनाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन को समय रहते कांवड़ संघों से संवाद करने और शिविर संचालकों का सत्यापन पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांवड़ यात्रा मार्गों को पूरी तरह गड्ढा मुक्त और सुगम बनाया जाएगा, जहां पर्याप्त रोशनी, पीने का पानी, शौचालय और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य विभाग को

चिकित्सा शिविरों में एंटी-वेनम और एंटी-रेबीज इंजेक्शन सहित आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रमुख घाटों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। यात्रा मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी, वहीं खाद्य सामग्री बेचने वाली प्रत्येक दुकान पर संचालक का नाम स्पष्ट रूप से लिखा होना अनिवार्य होगा और डीजे का बजाना तय ध्वनि मानकों के भीतर ही स्वीकार्य होगा।

संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर फैलने वाली फर्जी खबरों और अफवाहों का तुरंत खंडन कर माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा, नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन सतर्क रहेगा ताकि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं की आवाजाही प्रभावित न हो। प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाते हुए मुख्यमंत्री ने राजस्व और चकबंदी से जुड़े विवादों को पूरी निष्पक्षता और मेरिट के आधार पर तय समय में सुलझाने के निर्देश दिए हैं ताकि वे सामाजिक सौहार्द को प्रभावित न करें।

## छात्र आंदोलन: मीडिया रिपोर्टिंग पर सीजेआई ने उठाए सवाल

### कहा- याचिका ही नहीं आई; फिर सुनवाई से इनकार की खबर कैसे?

एजेंसी न्यूज

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी खबरों की रिपोर्टिंग को लेकर मीडिया पर सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों ने यह खबर चला दी कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई से इनकार कर दिया, जबकि सच्चाई यह है कि अदालत में इस मामले से जुड़ी कोई याचिका दायर ही नहीं हुई थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में मामलों की सुनवाई शुरू होने से पहले चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस मुद्दे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से इस

मामले में गलत खबरें चलाई जा रही हैं। सीजेआई ने कहा, 'आज सुबह 10 बजे तक इस मामले में कोर्ट के पास एक भी याचिका नहीं आई थी। हमारे पास सिर्फ एक चिट्ठी आई थी।

## गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर डी एम सख्त, मिल मालिकान को कड़े निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। क्षेत्रीय गन्ना किसानों के बकाया करोड़ों के भुगतान मामले में मिल को लेकर प्रशासन कोई भी रियायत अब बरतने को तैयार नहीं दिखता। इस मुद्दे को लेकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा शुक्रवार को मिल प्रबंधन तथा गन्ना विभाग की एक संयुक्त बैठक बुलाई गई जिसमें केसर शुगर मिल की सम्पत्ति की नीलामी कराकर उससे प्राप्त धनराशि से किसानों के भुगतान के निर्देश दिए गए। डी एम की बैठक से लौटे गन्ना विकास समिति के सचिव राजीव सेठ ने बताया कि, मुंडिया मुकर्रमपुर, मोहल्ला जाजूनागर तथा टांडा में केसर मिल की जो आराजी है उसकी जल्द से जल्द नीलामी करा दिए जाने की बात कहने के साथ ही भुगतान शेष रह जाने पर मिल मालिकान द्वारा मिल को बेचकर रकम अदायगी करने के निर्देश डी एम ने दिए। डी एम के निर्देश के बाद अब उम्मीद जताई जा सकती है कि भुगतान पाने के लिए किसानों को अब अधिक समय तक भटकना नहीं पड़ेगा।

# बरेली मंडल में अवैध बसों पर बड़ी कार्रवाई, 51 के चालान, 42 बसें सीज; 10.50 लाख रुपये का जुर्माना

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बरेली मंडल में अवैध और अनधिकृत रूप से संचालित बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने तीन दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में कुल 51 बसों के चालान किए गए, जबकि 42 बसों को निरुद्ध (सीज) कर दिया गया। इन वाहनों पर करीब 10.50 लाख रुपये का जुर्माना भी अधिरोपित किया गया है।

यह अभियान परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देश पर संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) बरेली प्रणव झा के निर्देशन में 22 से 24 जुलाई तक चलाया गया। अभियान का उद्देश्य बिना वैध दस्तावेजों, परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाले और अन्य अनियमितताओं के साथ संचालित बसों के खिलाफ कार्रवाई कर सुरक्षित एवं नियमसम्मत परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना था।

विभाग के अनुसार, कार्रवाई के दौरान बरेली में 15 बसों के चालान और 15 बसें निरुद्ध, बदायूं में छह चालान और तीन बसें निरुद्ध, पीलीभीत में नौ चालान और नौ बसें निरुद्ध तथा शाहजहांपुर में 21 चालान और 15 बसें निरुद्ध की गईं। इस प्रकार पूरे मंडल में कुल 51 चालान और 42 बसों को सीज किया गया।

अभियान के बाद निरुद्ध बसों के परमिट और राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआर) डाटाबेस की जांच में सामने आया कि कोई भी बस संबंधित मार्ग पर स्थायी स्टेज कैरिज परमिट से संचालित नहीं हो रही थी। अधिकांश बसें ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट या ऑल यूपी कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट पर संचालित थीं और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान जैसे राज्यों के लिए यात्रियों का परिवहन कर रही थीं। जहां-जहां परमिट की शर्तों का उल्लंघन, वैध अभिलेखों की कमी अथवा मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन मिला, वहां नियमानुसार चालान और निरुद्धीकरण की कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग अब निरुद्ध बसों की तकनीकी जांच भी कराएगा। इसके लिए सभी जिलों में तकनीकी अधिकारियों को नामित किया गया है और जिलाधिकारियों से मजिस्ट्रेट नामित करने का अनुरोध किया गया है। परिवहन विभाग और नामित मजिस्ट्रेट की संयुक्त टीम प्रत्येक बस की बॉडी संरचना, सीटों की स्वीकृत क्षमता, चेसिस व बॉडी में किए गए बदलाव, फिटनेस, कर, बीमा, पंजीकरण और परमिट संबंधी दस्तावेजों की विस्तार से जांच करेगी। जांच पूरी होने के बाद ही वाहनों को छोड़ा जाएगा। यदि किसी बस में अनधिकृत संरचनात्मक परिवर्तन या गंभीर अनियमितता पाई जाती है तो उसके फिटनेस प्रमाणपत्र के निलंबन, परमिट और पंजीकरण पर भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रणव झा ने गुरुवार को बताया कि अभियान के दौरान अधिकांश बसों में यात्रियों की संख्या स्वीकृत क्षमता के अनुरूप मिली और वे सड़क सुरक्षा मानकों के अनुसार संचालित हो रही थीं। केवल एक-दो बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने या दस्तावेजों में कमी मिलने पर तत्काल कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी बस को निरुद्ध करने से पहले उसमें सवार यात्रियों को सुरक्षित रूप से निकटतम रोडवेज डिपो या बस अड्डे तक पहुंचाया गया, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग का उद्देश्य वैध रूप से संचालित वाहनों को परेशान करना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा, यात्री सुरक्षा और मोटरयान अधिनियम के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करना है। भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे।

## तालाब में उतराता मिला युवक का शव, परिवार में मचा कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

- गुरुवार रात घर से निकला था युवक, सुबह तालाब में मिला शव
- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा शव

आंवला। गुरुवार की रात घर से लापता हुए एक युवक का शव शुक्रवार सुबह गांव के बाहर सड़क किनारे बने तालाब में उतराता मिला। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव तालाब में फेंके जाने की आशंका जताई है। मनौना गांव निवासी अमन (22) पुत्र बिजेंद्र वाल्मीकि गुरुवार रात करीब नौ बजे घर से कहीं चला गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण टहलने के लिए निकले तो सड़क किनारे बने तालाब में एक शव उतराता दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया, जिसकी पहचान अमन के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तालाब में युवक का केवल चेहरा दिखाई दे रहा था। शव बाहर निकालने पर उसके चेहरे और शरीर पर कई स्थानों पर घाव जैसे निशान दिखाई दिए। आशंका जताई जा रही है कि ये निशान पानी में रहने के दौरान मछलियों द्वारा किए गए हो सकते हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। परिजनों ने बताया कि अमन अविवाहित था और मजदूरी करता था। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था।

## संक्षेप

### 25 लीटर कच्ची शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

बहेड़ी। कच्ची शराब के अवैध धंधे के खिलाफ पुलिस द्वारा छेड़े गए अभियान के क्रम में बीती रात अलग अलग दो धंधेबाजों को गिरफ्त में लिया गया। उनके पास से प्लास्टिक की कैनों में भरी 25 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रूड़की रोड पर जी टी आई कालेज के निकट मोहल्ला टांडा निवासी तारिक पुत्र अशफाक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। उसके पास से कैन में भरी 15 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। इसी रात एक अन्य घटना में रतनगढ़- हथमना मार्ग पर चेकिंग के दौरान नाला पुलिया के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा तो पुलिस कर्मियों ने उसे दोड़कर दबोच लिया। उसके पास से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रेम पाल पुत्र बांधू राम बताया। शराब अपने कब्जे में लेकर पुलिस दोनों धंधेबाजों को थाने ले आई और आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत मुकदमे में निरूद्ध कर दिया।

### पशुओं के साथ तैरकर नदी पार रहे अधेड़ की डूबकर हुई मौत

जागरण मोर्चा

फरीदपुर (बरेली)। अपनी पालतू भैंसों को नदी के दूसरे तरफ चराने ले जा रहा किसान नदी में डूबा। सूचना पर गांव के सभी तैराक लड़कों ने नदी में काफी खोजने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। शुक्रवार की सुबह लगभग 10 बजे थाना क्षेत्र के ग्राम ढकनी निवासी 65 वर्षीय मोहम्मद साबिर अली पुत्र मोहम्मद सद्दीक घर से बहगुल नदी के दूसरी तरफ अपने खेतों पर जानवर को लेकर जा रहे थे। रोजाना की तरह वह नदी में जानवरों की पूंछ पकड़कर तैरते हुए नदी पार करते हुए जा रहे थे। नदी पार करते समय वह अचानक नदी के बीच में गोता खाकर डूब गए। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को तलाश करने के लिए रेस्क्यू टीम को बुलाया जब तक टीम नहीं पहुंची तब तक ग्रामीणों ने काफी देर नदी में तलाश की लेकिन शव बरामद नहीं हो सका बाद में पाक की रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को खोजने के प्रयास किए खबर लिखे जाने तक शव बरामद नहीं हो सका।

नदी में ग्रामीणों ने देखे तीन मगरमच्छ ग्रामीणों ने बताया कि बहगुल नदी में तीन मगरमच्छ देखे गए हैं। मगरमच्छ दिखाई देने के बाद से लोग नदी में उतरने से घबरा रहा है। वहीं ग्रामीण आशंका जता रहे हैं कि साबिर को कहीं मगरमच्छ ने तो अपना निवाला नहीं बना लिया। फिलहाल घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत है। वहीं पुलिस व आठवीं वाहिनी पीएसी की टीम के कई घंटे तक रेस्क्यू के प्रयास के बाद भी देर शाम तक साबिर का कोई पता नहीं लग सका

## खारा से पूरे लोकई तक संपर्क मार्ग निर्माण को मिली मंजूरी

एजेंसी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। विकासखंड धनपतगंज की ग्राम पंचायत खारा के ग्राम प्रधान दिव्यराज सिंह लकी के निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। लंबे समय से जर्जर और दुर्घटनाओं का कारण बने खारा संपर्क मार्ग बुद्धि दूबे का पुरवा होते हुए लोकई का पुरवा तक सड़क निर्माण प्रस्ताव को शासन स्तर पर स्वीकृति की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। लोक निर्माण विभाग, अयोध्या क्षेत्र द्वारा भेजे गए प्रारंभिक आगणन के अनुसार 1.480 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण लगभग 104.40 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। यह मार्ग वर्षों से गड्ढों और बदहाल स्थिति के कारण आमजन, स्कूली छात्र-छात्राओं, किसानों तथा राहगीरों के लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बना हुआ था। बरसात के दिनों में इस सड़क पर आवागमन बेहद कठिन हो जाता था, जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान दिव्यराज सिंह लकी ने इस सड़क के निर्माण के लिए जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष लगातार पैरवी की। उनके सतत प्रयासों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के चलते सड़क निर्माण प्रस्ताव को आगे बढ़ाया गया, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने के बाद वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा। इससे छात्रों को सुरक्षित आवागमन, किसानों को कृषि उपज के परिवहन में सुविधा तथा स्थानीय लोगों को बेहतर संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा। क्षेत्र के लोगों ने इसे ग्राम प्रधान की विकासोन्मुख कार्यशैली का महत्वपूर्ण परिणाम बताते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह सड़क क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

# एसडीएम से मिले व्यापारी, व्यवस्था में सुधार की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

एसडीएम को सम्मानित करते व्यापार मंडल पदाधिकारी

बहेड़ी। व्यापार मंडल के पदाधिकारी शुक्रवार को एसडीएम गोपाल शर्मा से मिले और नगर में जल भराव तथा सफाई व्यवस्था में सुधार की मांग की। तहसील अध्यक्ष अतुल गर्ग की अगुवाई में गये व्यापारियों ने कहा कि जलभराव का असर सबसे ज्यादा मीना बाजार के दुकानदारों पर आर्थिक नुकसान के रूप में पड़ता है इसलिए जल निकासी तथा नियमित सफाई की प्रभावी व्यवस्था की जाए। इसके लिए नगरपालिका , व्यापार मंडल तथा नहर विभाग की संयुक्त बैठक में जल निकासी पर व्यवस्था बनाई जाए। मुंडिया नबी बक्श व्यापार मंडल अध्यक्ष शानू अंसारी ने मुंडिया नबी बक्श से बहेड़ी तक जर्जर हो चुके मार्ग के पुनर्निर्माण तथा चौडीकरण कराए जाने की मांग की। बैठक में अतुल गर्ग के साथ सलीम रहवर, कमल जीत सिंह, वसीम आइडिया, हरवंश गुप्ता आदि ने एसडीएम को शाल ओढ़ाकर व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया।

## चादरों के जुलूस में न लाए डीजे :अहसन मियां

जागरण मोर्चा कार्यालय

दरगाह पर उसकी तैयारी को लेकर बैठक को संबोधित करते एहसान मियां

बरेली। उर्स-ए-रज़वी की तैयारियां बड़े पैमाने की जा रही है। ज़ायरीन की सहूलियत के लिए बैठकों का दौर जारी है। सभी तैयारिया दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान(सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती व सज्जादानशीन मुफ्ती बदरूशरिया मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी(अहसन मियां) व सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में चल रही है। उर्स की सभी रस्में दरगाह आला हज़रत समेत इस्लामिया मैदान में अदा की जायेगी। उर्स के दौरान देश-विदेश से आए अकीदतमंद दरगाह पर चादर व अकीदत के फूल पेश कर दुनिया भर में अमन ओ सुकून की दुआ करते है। बरेली जिले के अलावा आसपास के जिलों से भी लोग पैदल जुलूस की शक्ल में चादर लेकर दरगाह आते है। उर्स के सम्बद्ध में आज दरगाह पर हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने सभी जुलूस कमेटियों से कहा है कि दरगाह पर चादर जुलूस में डीजे का इस्तेमाल न करे। डीजे शोर-शराबे के साथ फिजूलखर्ची को बढ़ावा देते है। डीजे की जगह एक या दो सुराही का ही इस्तेमाल करे। लंबी-लंबी कपड़े की चादर की जगह फूल की डली लेकर अपने तय शुदा रास्तों से दरगाह आए। बेहतर हो कि नबी-ए-करीम द्वारा दी गई तालीमात(शिक्षा) लिखी तख्तियां लेकर जुलूस में शामिल हो। अल्लाह की रज़ा के लिए कपड़े की चादर और डीजे पर खर्च होने वाली रकम उन जरूरतमंद मदरसों व स्कूली छात्रों की फीस और किताबों में खर्च कर दे। बीमारों को दवा,बेसहारा लोगो के लिए राशन का इंतेज़ाम करा दे। दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि बैठक में सभी वालंटियर्स व लंगर कमेटियों ने उर्स में बेहतर व्यवस्था करने के लिए अपनी राय रखी। शाहिद नूरी ने संचालन करते हुए जिले भर से आई सभी लंगर कमेटियों का शुक्रिया अदा किया।

मौलाना बशीर उल क़ादरी,मास्टर कमाल,औररंग.ज़ेब नूरी,परवेज़ नूरी,अब्दुल माजिद व इशरत नूरी ने अपनी राय रखी। आखिर में खुसूसी दुआ के बाद सबको लंगर तकसीम किया गया।

## मानस स्थली की छात्राओं ने स्वर्ण व कांस्य पदक पर किया कब्जा

जागरण मोर्चा कार्यालय

फरीदपुर बरेली। फरीदपुर स्थित आवासीय विद्यालय मानस स्थली की छात्राओं ने सीबीएसई नॉर्थ ज़ोन आर्चरी टूर्नामेंट-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, जनपद और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। जनपद बिजनौर के बलूनी पब्लिक स्कूल आयोजित अंडर-19 इंडियन राउंड गर्ल्स टारगेट प्रतियोगिता में

विद्यालय की छात्राओं भाग्यश्री पांडे, हरमन कौर एवं नयन रस्तोगी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 797 अंक प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इसी प्रतियोगिता के राउंड गर्ल्स व्यक्तिगत टारगेट वर्ग में विद्यालय की छात्रा नयन रस्तोगी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी ने विजेता छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए कहा, ''हमारी छात्राओं की यह उपलब्धि कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिणाम है।

विद्यालय प्रबंधन ने विजयी छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय छात्राओं की लगन, प्रशिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया। और कहा कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों को खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध कराता रहेगा।

# मानसिक मंदित किशोरी के साथ पड़ोस के युवकों ने किया दुष्कर्म

### 50 रुपए देकर मंद बुद्धि के साथ करते थे यौनाचार

जागरण मोर्चा कार्यालय

पुल पर मौजूद ग्रामीण व युवक की खोजबीन कराती पुलिस की टीम

फरीदपुर (बरेली)। घर में अकेली मानसिक मंदित किशोरी के साथ पड़ोस में ही रहने वाले युवकों ने किया बलात्कार। परिजनों के पहुंचने पर आरोपी छत से कूद कर भाग गये। जब घटना की शिकायत करने किशोरी के परिजन घटना की शिकायत करने आरोपी के घर पहुंचे तो उसके घरवालों ने गालियां देते हुए उनके साथ मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। नगर के एक मोहल्ले निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी 15 वर्षीय ननद मानसिक रूप से कमजोर है। वह पड़ोस में रहने वाले जफर के यहां कारचोभ के काम में फैले पड़े मोती, सितारे बीनने जाती थी। गुरुवार को किशोरी की भाभी दरवाजा बंद करके पड़ोस में कहीं चली गई थी तभी पीछे से मोहल्ले का जफर दरवाजा खोलकर घर में घुस आया और छत पर बने उस कमरे में पहुंच गया जहां उसकी ननद मौजूद थी उसने किशोरी के साथ कमरे में बलात्कार किया वहीं पीछे से उसके साथ मोहल्ले का ही अयान भी पहुंच गया उसने भी मानसिक मंदित किशोरी के साथ बलात्कार किया। इसी बीच जब किशोरी की भाभी लौट के घर पर आ गई दोनों को किशोरी के साथ आपत्तिजनक अवस्था में देखा तो किशोरी को बाहर निकाल कर कपड़े पहनाए ओर दोनों कमरे में ही बंद कर दिया। किशोरी ने परिजनों को बताया कि 50 रुपए का लालच देकर पिछले 15 दिनों से दोनों उसके साथ कर रहे थे गलत काम। परिजनों से आसपास के लोगों को बुलाया तब तक दोनों छत से कूद कर भाग गए। फिर किशोरी के परिजन जाफर के घर पहुंचे तो वहां कोई नहीं मिला। बाद में अयान के घर पहुंचे तो उसकी मां बहनों ने किशोरी के भाई व पिता के साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगे और कहीं भी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मानसिक मंदित की भाभी की ओर से फरीदपुर कोतवाली पहुंचकर लिखित रूप से तहरीर दी गई। पुलिस आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

## विकलांग दंपति की रोजी-रोटी पर चोरों का वार, ई-रिक्शा की 4 बैटरियां चोरी

एजेंसी

सुल्तानपुर। थाना बल्दीराय क्षेत्र में चोरी की एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अज्ञात चोरों ने एक विकलांग दंपति की आजीविका का एकमात्र सहारा बने ई-रिक्शा की चार बैटरियां चोरी कर लीं। इस घटना के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित शिवसागर यादव पुत्र सीताराम यादव, निवासी ग्राम लहुरेपुर, चौकी वलीपुर, थाना बल्दीराय, दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। उनकी पत्नी भी विकलांग हैं। परिवार का पालन-पोषण दोनों मिलकर ई-रिक्शा चलाकर करते हैं। इसी आय से उनके घर का खर्च चलता है। पीड़ित के अनुसार 23 जुलाई की रात बंधवां महमूदपुर स्थित पहलवान वीर बाबा के पास खड़े उनके ई-रिक्शा से अज्ञात चोरों ने चार बैटरियां चोरी कर लीं। सुबह जब वह रिक्शा लेकर निकलने पहुंचे तो बैटरियां गायब थीं। इससे उनका ई-रिक्शा पूरी तरह बंद हो गया और परिवार की आय का एकमात्र साधन छिन गया। शिवसागर ने बताया कि हम दोनों विकलांग हैं। मेहनत करके किसी तरह जीवनयापन करते हैं। अब बैटरियां चोरी हो गई हैं, तो परिवार के सामने दो वक्त की रोटी का भी संकट खड़ा हो गया है। घटना के बाद पीड़ित ने चौकी वलीपुर एवं थाना बल्दीराय में लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर चोरी का खुलासा करने तथा बैटरियां बरामद कराने की मांग की है।

जागरण मोर्चा
www.jagranmorcha.com
बरेली
3
लखनऊ, शनिवार 25 जुलाई 2026

# नीट पेपर लीक के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

### उच्च स्तरीय जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग, प्रदर्शन के दौरान लगे सरकार विरोधी नारे

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (आरएएम) के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नीट (गक्क्ठ) एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और विद्यार्थियों को न्याय दिलाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में नारेबाजी भी की। ज्ञापन में कहा गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से लाखों

नीट पेपर लेक्स के विरोध में राष्ट्रपति

विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का वर्षों का परिश्रम प्रभावित होता है। इससे युवाओं का परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा भी कमजोर पड़ रहा है। संगठन ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जवाबदेह और सुरक्षित परीक्षा व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने मांग की कि नीट सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं की जांच सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराई जाए। साथ ही पेपर लीक में शामिल सभी आरोपियों, अधिकारियों और कथित परीक्षा माफियाओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई कर मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। ज्ञापन में शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने की मांग भी की गई। इसके अलावा पेपर लीक से प्रभावित विद्यार्थियों के लिए पुनर्परीक्षा, स्थायी राष्ट्रीय परीक्षा सुरक्षा तंत्र के गठन, मानसिक स्वास्थ्य सहायता केंद्र स्थापित करने तथा दिल्ली में छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज की न्यायिक जांच कराने की मांग भी शामिल रही। संगठन ने राष्ट्रपति से विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की।

# रवीन्द्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज में गुरुदेव की प्रतिमा का अनावरण

### एस्ट्रोनॉमी लैब का भी हुआ शुभारंभ, विद्यार्थियों को मिलेगी आधुनिक खगोल विज्ञान की शिक्षा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। छावनी परिषद बरेली के रवीन्द्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को महान साहित्यकार एवं नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अत्याधुनिक एस्ट्रोनॉमी लैब का भी उद्घाटन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को खगोल विज्ञान की व्यवहारिक एवं आधुनिक शिक्षा मिल सकेगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महानिदेशक रक्षा संपदा, नई दिल्ली श्रीमती शोभा गुप्ता तथा प्रधान निदेशक रक्षा संपदा, मध्य कमान लखनऊ श्रीमती भावना सिंह मौजूद रहीं। दोनों अधिकारियों ने प्रतिमा का अनावरण करने के साथ एस्ट्रोनॉमी लैब का शुभारंभ किया और विद्यार्थियों से विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

रविंद्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज में

अपने संबोधन में अतिथियों ने छावनी परिषद बरेली की मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. तनु जैन के नेतृत्व में शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल नवाचार और जनहित से जुड़े कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बरेली छावनी में किए जा रहे विकासात्मक प्रयास अन्य छावनी परिषदों के लिए भी प्रेरणादायक हैं। इस मौके पर रक्षा संपदा, मध्य कमान के निदेशक पुष्पेन्द्र, महेश चन्द्र सैनी, छावनी परिषद के नामित सदस्य डॉ. वैभव जायसवाल, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, परिषद के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्र निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैज्ञानिक सोच की भूमिका पर विशेष जोर दिया।

## विकलांग दंपति की रोजी-रोटी पर चोरों का वार

सुल्तानपुर। थाना बल्दीराय क्षेत्र में चोरी की एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अज्ञात चोरों ने एक विकलांग दंपति की आजीविका का एकमात्र सहारा बने ई-रिक्शा की चार बैटरियां चोरी कर लीं। इस घटना के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित शिवसागर यादव पुत्र सीताराम यादव, निवासी ग्राम लहुरेपुर, चौकी वलीपुर, थाना बल्दीराय, दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। उनकी पत्नी भी विकलांग हैं। परिवार का पालन-पोषण दोनों मिलकर ई-रिक्शा चलाकर करते हैं। इसी आय से उनके घर का खर्च चलता है। पीड़ित के अनुसार 23 जुलाई की रात बंधवां महमूदपुर स्थित पहलवान वीर बाबा के पास खड़े उनके ई-रिक्शा से अज्ञात चोरों ने चार बैटरियां चोरी कर लीं। सुबह जब वह रिक्शा लेकर निकलने पहुंचे तो बैटरियां गायब थीं। इससे उनका ई-रिक्शा पूरी तरह बंद हो गया और परिवार की आय का एकमात्र साधन छिन गया। शिवसागर ने बताया कि हम दोनों विकलांग हैं।

## संक्षेप

### कालेज प्रबंधन ने प्रोफ़ेसर पर जड़े गंभीर आरोप

बहेड़ी जागरण मोर्चा कार्यालय।, स्थानीय गन्ना उत्पादक डिग्री कालेज में तैनात कामर्स के प्रोफ़ेसर डा मोहित भारद्वाज द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बगैर जंतर मंतर पर चल रहे धरने में शामिल होने का आरोप लगाकर प्रबंधन द्वारा सेवा समाप्ति का पत्र दिए जाने के मामले में डी एम से हस्तक्षेप की मांग करने के बाद कालेज प्रबंधक का भी जबाब आया है जिसमें प्रोफ़ेसर पर तमाम आरोप मढ़े गये हैं। प्रबंधक राजेन्द्र गंगवार का कहना है कि प्रोफ़ेसर डा मोहित कालेज में कभी भी समय से नहीं आते थे। उनके न आने का कोई समय था और न जाने का। अनुपस्थित होने पर क ई क ई दिनों की उपस्थिति ओवर राइटिंग करके लगा देते थे।उन्होंने आरोप लगाया कि, लापरवाही का आलम यह था कि इस शैक्षणिक सत्र में बी काम छात्रों के एक सेमेस्टर के अंक भी प्रोफ़ेसर ने विश्वविद्यालय को नहीं भेजे। जानकारी होने पर जब छात्रों ने हंगामा किया तो अंक भिजवाने के बाद प्रोफ़ेसर को कड़ा चेतावनी पत्र दिया गया। प्रबंधक गंगवार ने कहा कि हर व्यक्ति का जुड़ाव किसी न किसी राजनीतिक दल से रहता है और इसमें कोई बुराई भी नहीं है पर कालेज में तो अपने दायित्व के इतर राजनीति नहीं होनी चाहिए। आरोप है कि प्रोफ़ेसर ने तो कालेज गेट पर ही एक राजनीतिक दल के पक्ष में सदस्यता अभियान तक चलाया। पानी जब सिर से ऊंचा चला गया और प्रबंधन पर ही लोग सवाल उठाने लगे तो उचित फैसला लिया गया। प्रबंधक का कहना है कि, जिलाधिकारी कालेज कमेटी के पदेन अध्यक्ष हैं। प्रोफ़ेसर ने उनके समक्ष अपनी बात कही है तो प्रबंध कमेटी की ओर से उनके खिलाफ भी मजबूत साक्ष्य रखे जाएंगे।

### नौकरी पर जाते समय स्कूटी सवार युवक ने की अश्लील हरकत, प्रेमनगर पुलिस से कार्रवाई की मांग

# युवती से छेड़छाड़, पीछा कर उठाने की धमकी देने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। नौकरी पर जा रही एक युवती ने स्कूटी सवार अज्ञात युवक पर पीछा करने, अश्लील हरकतें करने और अगवा करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। किला थाना क्षेत्र के बाकरगंज निवासी युवती ने प्रेमनगर पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह घर से नौकरी के लिए निकली थीं। सिलेक्शन प्वाइंट से शील चौराहा की ओर जाते समय फिलेशबैक रेस्टोरेंट के सामने एक अज्ञात युवक पहले से खड़ा था। आरोप है कि युवक ने उन्हें देखकर स्कूटी से पीछा करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि युवक रास्ते भर अश्लील हरकतें करता रहा और अभद्र टिप्पणियां करने के साथ ही जबरन उठाकर ले जाने की धमकी भी दी। घटना से घबराई युवती किसी तरह वहां से बचकर निकली। जल्दबाजी और भय के कारण वह स्कूटी का नंबर भी नोट नहीं कर सकी। युवती ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए प्रेमनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

युक्ति से छेड़छाड़ पीछा कर उठने

# मॉर्निंग वॉक पर निकले किराना व्यापारी की चाकू से गोदकर हत्या

### संपत्ति विवाद समेत कई बिंदुओं पर जांच, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के धौरा टांडा में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले 65 वर्षीय किराना व्यापारी की अज्ञात बदमाशों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। कुछ देर बाद उनका शव विवियापुर रोड किनारे खून से लथपथ हालत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, धौरा टांडा वार्ड-1 निवासी सियाराम श्रीवास्तव (65) रोजाना की तरह सुबह करीब छह बजे टहलने के लिए घर से निकले थे। करीब सात बजे विवियापुर रोड से गुजर रहे एक ई-रिक्शा चालक ने सड़क किनारे उनका शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। शव पर चाकुओं के कई गहरे घाव मिले, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हमलावर हत्या की नीयत से ही आए थे। परिजनों ने बताया कि सियाराम श्रीवास्तव किराना व्यापार करते थे और अपने पीछे पांच शादीशुदा बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। घटना की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में संपत्ति विवाद का पहलू भी सामने आया है। परिजनों के अनुसार, हाल ही में मकान से जुड़े एक पुराने मुकदमे का फैसला उनके पक्ष में आया था। इसी आधार पर पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम तो नहीं दिया गया। भोजीपुरा पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।.सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या के कारणों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

संपत्ति विवाद समेत कई बिंदुओं पर जांच, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

# 9 साल से चौंक में खड़ी मोबाइल ट्रॉली ने खोली बिजली विभाग की पोल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए तैयार की गई मोबाइल ट्रांसफार्मर ट्रॉलियां अब बिजली विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। विभागीय नियमों के अनुसार किसी भी खराब ट्रांसफार्मर के स्थान पर मोबाइल ट्रॉली अधिकतम 48 घंटे के लिए लगाई जाती है, लेकिन बरेली में कई ट्रॉलियां महीनों ही नहीं, बल्कि वर्षों से सड़कों पर स्थायी रूप से खड़ी हैं। सबसे चौंकाने वाला मामला कोहड़ापीर के गुड्डड़बाग मंदिर चौंक का है, जहां करीब नौ वर्ष पहले लगाई गई मोबाइल ट्रॉली आज तक नहीं हटाई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार उस समय ट्रांसफार्मर लगाने का विरोध होने पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पिलर खड़े कर ट्रॉली लगाई गई थी। इसके बाद न तो स्थायी समाधान हुआ और न ही ट्रॉली हटाई गई। इसी तरह गुलाब नगर स्थित गौरी शंकर मंदिर, चाहबाई हनुमान मंदिर और पूर्व पार्षद विपुल लाला वाली सड़क पर भी कई सप्ताह और महीनों से ट्रॉलियां खड़ी हैं। विपुल लाला वाली गई सहित कुछ स्थानों पर तो सड़क इतनी संकरी हो गई है कि लोगों का निकलना तक मुश्किल हो रहा है। लापरवाही यहीं तक सीमित नहीं है। सीबीगंज रोड स्थित बंद पड़ी चटकारा सोया फैक्ट्री के पास, सिटी श्मशान भूमि फाटक तथा कोहड़ापीर स्थित केडीएमई कॉलेज के नजदीक कई ट्रांसफार्मर बेल, झाड़ियों और पेड़-पौधों से पूरी तरह ढके मिले। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद समय पर सफाई नहीं होती, जबकि यह स्थिति कभी भी शॉर्ट सर्किट या आग लगने जैसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इतना ही नहीं, अधिकांश मोबाइल ट्रॉलियों पर रात में दिखाई देने वाली रेडियम पट्टियां भी नहीं लगी हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ गई है। मामले की जानकारी मिलने पर मुख्य अभियंता अखिलेश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि मोबाइल ट्रॉली केवल आपातकालीन व्यवस्था है और सामान्य परिस्थितियों में 48 घंटे के भीतर हट जानी चाहिए। उन्होंने तत्काल पीआरओ को निर्देश देकर जिले की सभी मोबाइल ट्रॉलियों का ब्यौरा, लंबे समय से खड़ी ट्रॉलियों के कारण तथा ट्रांसफार्मरों की सफाई व्यवस्था पर विस्तृत रिपोर्ट तलब कर ली। मुख्य अभियंता की इस कार्रवाई के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है।

9 साल से चौक में खड़ी मोबाइल

# लूट पीड़िता ने दरोगा पर अभद्रता का आरोप लगाया, एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

### कॉल रिकॉर्डिंग होने का दावा, विवेचक बोले- आरोप पूरी तरह निराधार

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। किला थाना क्षेत्र की सराय चौकी में तैनात एक दरोगा पर लूट पीड़िता से अभद्र व्यवहार करने और कार्रवाई के बजाय दबाव बनाने का आरोप लगा है। पीड़िता प्रिंसी यादव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच और संबंधित दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

केला बाग निवासी प्रिंसी यादव का कहना है कि लूट की घटना का मुकदमा काफी प्रयासों के बाद दर्ज हुआ, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। मामले की विवेचना सराय चौकी प्रभारी पीयूष कर रहे हैं। उनका आरोप है कि कई बार संपर्क करने पर भी केवल आश्वासन मिलता रहा।

पीड़िता

पीड़िता के अनुसार, मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के बाद उन्हें चौकी बुलाकर फोटो ली गई, लेकिन इसका कारण नहीं बताया गया। उनका आरोप है कि केस की प्रगति पूछने पर दरोगा ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। महिला ने दावा किया कि पूरी बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग उनके पास मौजूद है और उसकी जांच कराई जाए।

वहीं, विवेचक दरोगा पीयूष ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह मामले के सिलसिले में हाईकोर्ट गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि बातचीत के दौरान आवाज ऊंची हो सकती है, लेकिन किसी तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया गया। मामले में जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

# पार्क की जमीन पर बनी कामधेनु गौशाला पर नहीं चला बुलडोजर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। मौलाना नगर क्षेत्र में पार्क के लिए आरक्षित सरकारी भूमि पर निर्मित कामधेनु गौशाला के खिलाफ प्रस्तावित ध्वस्तीकरण कार्रवाई शुक्रवार को अंतिम समय में टल गई। प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई को लेकर पूरी तैयारी कर ली थी तथा सुबह से ही क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी, लेकिन बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम मौके पर नहीं पहुंची। इसके चलते बुलडोजर अभियान शुरू नहीं हो सका और कार्रवाई स्थगित कर दी गई। शुक्रवार सुबह से ही मौलाना नगर में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती कर दी गई थी। किसी भी संभावित विरोध या कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। क्षेत्र के लोगों को भी उम्मीद थी कि तय कार्यक्रम के अनुसार बुलडोजर कार्रवाई होगी, लेकिन काफी देर तक इंतजार के बावजूद बीडीए का अमला मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद अधिकारियों ने कार्रवाई को फिलहाल स्थगित कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्क के लिए आरक्षित सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कामधेनु गौशाला का निर्माण कर कब्जा किया गया है। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद बीडीए ने मामले की जांच कराई थी। सूत्रों के अनुसार जांच के बाद ध्वस्तीकरण की तैयारी भी पूरी कर ली गई थी और शुक्रवार को कार्रवाई प्रस्तावित थी, लेकिन किसी कारणवश बीडीए की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। जानकारी के अनुसार करीब 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बनी इस गौशाला में लगभग 10 से 12 गोवंश रखे जाते हैं। परिसर के बाहर कामधेनु सेवा ट्रस्ट का बोर्ड लगा हुआ है, जिस पर संजीव गौड़ का फोटो भी प्रदर्शित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौशाला के संचालन के लिए समय-समय पर क्षेत्रवासियों द्वारा आर्थिक सहयोग भी दिया जाता रहा है। फिलहाल बीडीए की ओर से कार्रवाई टलने के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि माना जा रहा है कि जल्द ही नई तिथि निर्धारित कर दोबारा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जा सकता है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पार्क की जमीन पर बनी कामधेनु

# दवा कारोबारी महिला से पांच लाख की हेराफ़ेरी, मैनेजर के खिलाफ मुकदमा

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में एक दवा कारोबारी महिला के साथ उसके ही मैनेजर द्वारा करीब पांच लाख रुपये की कथित हेराफ़ेरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि मेडिकल स्टोरों से नकद भुगतान वसूलने के बाद आरोपी ने रकम फर्म में जमा नहीं की और बाद में कार्यालय में ताला लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आशीष रॉयल पार्क निवासी प्रिया गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह श्री जी फार्मा एंड सर्जिकल नाम से दवा कारोबार संचालित करती हैं। उनकी फर्म में रामगंगा नगर निवासी अभय सक्सेना मैनेजर के पद पर कार्यरत था। दवा सप्लाई, भुगतान की वसूली और खातों की जिम्मेदारी उसी के पास थी।

दवा करो वाली महिला से 5 लाख की

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने श्रीराम मेडिकल, कृष्णा मेडिकल, विकास मेडिकल, गौरी फार्मा, अजहरी फार्मा, इंडियन मेडिकल, लाइफ केयर, अर्पित मेडिकल और एलके फार्मा सहित कई प्रतिष्ठानों से करीब पांच लाख रुपये नकद वसूले, लेकिन वह रकम फर्म के खाते में जमा नहीं की। कई बार हिसाब मांगने पर वह लगातार टालमटोल करता रहा। पीड़िता का आरोप है कि 23 जून 2026 को अभय सक्सेना बिना किसी सूचना के कार्यालय में ताला लगाकर गायब हो गया। उसका मोबाइल फोन भी बंद है, जिससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। काफी प्रयासों के बाद भी जब आरोपी का पता नहीं चला तो मामले की शिकायत बारादरी थाने में दर्ज कराई गई। बारादरी पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जागरण मोर्चा
www.jagranmorcha.com



# डीएम ने बिना अनुमति संचालित 102 सेंटर बंद कराने के दिए निर्देश

जागरण मोर्चा

शाहजहांपुर। जनपद के नगर निकाय क्षेत्रों में बिना अनुमति संचालित हो रहे वाहन धुलाई सेंटरों पर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर कराए गए सर्वेक्षण में नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में कुल 102 वाहन धुलाई सेंटर बिना वैध अनुमति के संचालित पाए गए हैं। प्रशासन ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 की धारा-5 के तहत गठित नगर पालिका जल प्रबंधन समिति को इन अवैध वाहन धुलाई सेंटरों को बंद कराने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में नगर आयुक्त, नगर निगम शाहजहांपुर के साथ ही जनपद की सभी नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति संचालित वाहन धुलाई सेंटर भूगर्भ जल के अनियंत्रित दोहन के साथ पर्यावरणीय मानकों का भी उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# शाहजहांपुर में दो मीडिया कर्मियों को उठाने पर पत्रकारों में उबाल

**दोषी एसओजी कर्मियों को तत्काल सस्पेंड करने की मांग,**

**दोशाहजहांपुर में दो मीडिया कर्मियों को उठाने पर पत्रकारों में उबालऔर मांग रखी कि जब तक एसपी खुद आकर बात नहीं करेंगे तब तक कोई भी बाहर नहीं जाएगा**

जागरण मोर्चा

पत्रकारों केविरोध प्रदर्शन के फोटो सभी लगने हैं

शाहजहांपुर - पत्रकारों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस बल मौके पर पहुंचा और एसपी सौरभ दीक्षित विकास भवन के मीटिंग हॉल पहुंचे,जिसके बाद कलेक्ट्रेट स्थित मीटिंग हॉल में एसपी और पत्रकारों के बीच कई घंटों तक वार्ता चली। जिसके बाद एसपी सौरभ दीक्षित ने सभी पत्रकारों को आश्वस्त किया कि पत्रकारों और पुलिस के बीच जो भी कमी के कारण ऐसी स्थिति सामने आयीं आगे से ऐसा मौका नहीं आएगा। कार्यवाही की मांग पर एसपी सौरभ दीक्षित ने कहा कि ज्ञापन में एसओजी प्रभारी व टीम के सस्पेंड की मांग की जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

## संक्षेप

### युवक की सड़क हादसे में मौत, भाई समेत दो घायल

शाहजहांपुर। जलालाबाद थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई और दूसरी बाइक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार तीन युवक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए

भेजकर फरार युवकों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा बहादुरपुर निवासी 19 वर्षीय सुनील अपने बड़े भाई सुरजीत के साथ बाइक से खाइखेड़ा बाजार सब्जी खरीदने जा रहा था। खाइखेड़ा के निकट पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे में सुनील की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई सुरजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी बाइक चला रहा खाइखेड़ा निवासी बुधपाल भी घायल हो गया। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सुरजीत ने बताया कि दूसरी बाइक पर तीन युवक सवार थे, जो तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहे थे। दुर्घटना के बाद तीनों युवक मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची जलालाबाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार युवकों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है। परिजनों के अनुसार, सुनील पांच भाइयों में सबसे छोटा था और खेती-बाड़ी में पिता का हाथ बंटाता था। उसकी असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा फरार आरोपितों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# पूरे जिले के पत्रकारों में फैल रहा आक्रोश, एसओजी पर अभद्रता का आरोप, जलालाबाद के पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

**24 घंटे में कार्रवाई न होने पर आंदोलन और पुलिस खबरों के बहिष्कार की चेतावनी**

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। जलालाबाद तहसील के पत्रकारों ने शुक्रवार को एसओजी प्रभारी एवं उनकी टीम पर पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि 23 जुलाई की शाम पत्रकार प्रभाकर मिश्रा और विशेक मिश्रा को एसओजी टीम ने बिना किसी स्पष्ट कारण के रोक लिया। आरोप है कि दोनों को जबरन वाहन में बैठाया गया, उनके मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिए गए और उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया। पत्रकारों का कहना है कि करीब तीन घंटे तक दोनों के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी, जिससे परिजनों और साथी पत्रकारों में चिंता का माहौल बना रहा। पत्रकारों ने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित किया जाए। साथ ही दोनों पत्रकारों से लिखित रूप से माफी मांगी जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि भविष्य में किसी भी पत्रकार के खिलाफ कार्रवाई से पहले संबंधित पत्रकार समिति को सूचित किया जाए। इसके अलावा पत्रकार कमल सिंह के साथ कथित अभद्र व्यवहार के मामले में भी सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की गई। पत्रकारों ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन शुरू करेंगे। साथ ही पुलिस प्रशासन से संबंधित समाचारों के बहिष्कार सहित अन्य लोकतांत्रिक कदम उठाने पर भी विचार किया जाएगा।

# सूअर निकालने तालाब में उतरा किशोर डूबा, मौत से परिवार में मचा कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। खुटार थाना क्षेत्र के पिपरिया बीरसिंहपुर गांव में गुरुवार शाम सूअर को तालाब से निकालने के प्रयास में 15 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पिपरिया बीरसिंहपुर निवासी सर्वेश कुमार वाल्मीकि सूअर पालन का कार्य करते हैं। गुरुवार शाम उनका एक सूअर बाड़े से निकलकर खेतों की ओर भाग गया। उसे पकड़ने के लिए उनका 15 वर्षीय बेटा विजय कुमार भी पीछे-पीछे दौड़ा। भागते-भागते सूअर घर के पीछे स्थित तालाब में घुस गया। विजय उसे बाहर निकालने के लिए तालाब में उतर गया। बताया जाता है कि तालाब में उतरते ही उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने किशोर को डूबते देखा तो तत्काल तालाब में कूदकर उसे बाहर निकाला। आनन-फानन में उसे एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर डायल-112 और खुटार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से घटना की जानकारी ली। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव उनके सुपुर्द कर दिया। विजय कुमार की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे पिता सर्वेश कुमार, मां प्रेमवती, बड़े भाई रोहित कुमार, अजय कुमार और बहन नेहा को छोड़ गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

## नए अधिवक्ताओं का माल्यार्पण कर किया स्वागत

**तिलहर शाहजहांपुर ।** बार एसोसिएशन तिलहर के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एआईवीई परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 26 नए अधिवक्ताओं का माल्यार्पण करके और बैण्ड बांधकर स्वागत किया गया ।इस दौरान सुरेश चन्द्र गुप्ता , जितेन्द्र सिंह गंगवार व श्रीश चन्द्र मिश्रा सहित अध्यक्ष राजेश्वर सिंह यादव देवेन्द्र कुमार गुप्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह राजीव कुमार सिंह देवेन्द्र सिंह यादव सुशांत मिश्रा सत्यपाल निगोही सतीश पाल सिंह महेश कुमार भारती कन्हैया लाल रस्तोगी जय ओम गंगवार कुलदीप कुमार गुप्ता अचित द्विवेदी संजय यादव रीमा यादव जितेन्द्र प्रताप सिंह देवेन्द्र सिंह कुलेंद्र यादव संजय यादव सहित सतीश पाल सिंह रीमा यादव राजीव सिंह चौहान जितेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता तथा संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता हीरालाल कुशवाहा ने किया ।आभार राजेश्वर सिंह यादव एड. अध्यक्ष बार एसोसिएशन तिलहर ने व्यक्त किया ।

# एसडीएम व सीओ से वार्ता विफल, दूसरे दिन भी धरना जारी बाजार बंद

जागरण मोर्चा कार्यालय

धरना स्थल पर वार्ता करते एसडीएम तिलहर नीलिमा सिंह

उखरी खुदागंज - रामलीला ग्राउंड की बाउंड्री तोड़े जाने के विरोध में व्यापारियों का दूसरे दिन भी धरना जारी रहा मौके पर पहुंचे एसडीएम नीलिमा सिंह पुलिस क्षेत्राधिकारी से हुई वार्ता के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकल सका इस दौरान खुदागंज का बाजार भी बंद रहा बुधवार को एक पूर्व प्रधान द्वारा बड़ी संख्या में ट्रैक्टर ट्राली ब लोगों के साथ पहुंचकर रामलीला मेले की बाउंड्री बाल तोड़े जाने का लोगों ने आरोप लगाया था बताया जाता है की बाउंड्री की दीवार की ईंट व मलवा भी कई ट्रैक्टर ट्रालियों में भरकर उक्त लोग दिनदहाड़े लेकर चले गए थे और पुलिस प्रशासन भी मूकदर्शक बना रहा जिससे आक्रोशित रामलीला कमेटी के पदाधिकारी व व्यापारियों में रोष फैल गया तमाम लोगों ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए धरना शुरू कर दिया उन्होंने टूटी हुई बाउंड्री बाल का पुनर्निर्माण करने व दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की इस दौरान धरना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे एसडीएम नीलिमा सिंह पुलिस क्षेत्राधिकार नायब तहसीलदार आदि पदाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर व्यापारियों से वार्ता की परंतु कोई बात नहीं बनी और अधिकारी बैरंग लौट गए भाजपा नेता सत्यभान सिंह की पत्नी सुरभी सिंह एडवोकेट धरना स्थल पर पहुंची और व्यापारियों को आश्वत किया व्यापारियों का कहना है कि जब तक बाउंड्री का निर्माण नहीं होता और दोषियो के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती तब तक धरना जारी रहेगा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में माननीयमुख्यमंत्री व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना जी को पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की इस दौरान पूर्व चेयरमैन सुधीर सिंह कमेटी के अध्यक्ष संजय गुप्ता व्यापारी नेता कृपा शंकर रस्तोगी बलिस्टर सिंह सौरभ गुप्ता राजीव गुप्ता राजेश सिंह चौहान संजीव गुप्ता जसवीर सिंह विश्व मोहन बंसल सियाराम नायक बालकृष्ण राठौड़ प्रकाश राठौड़ शिवम सिंह गुरपाल सिंह राजीव कश्यप अंशु जैन आदि लोग उपस्थित रहे

## बदहाल सड़कों पर चलना जोखिम भरा

तिलहर/शाहजहांपुर ।नगर पालिका क्षेत्र की प्रमुख और व्यस्त सड़कों की बदहाल स्थिति आम लोगों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए हादसों का सबब बन रहे हैं। बरसात के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है।
खबर के साथ प्रकाशित दो तस्वीरें नगर की जर्जर सड़कों की हकीकत बयां करने के लिए काफी हैं। पहली तस्वीर मौजपुर पुलिस चौकी के पास पीरगाह तालाब किनारे की सड़क की है, जहां सड़क पर बने गहरे गड्ढे साफ दिखाई दे रहे हैं। वहीं वेलकम मैरिज लॉन के सामने स्ट्रीट लाइट के पोल की तार जमीन पर पड़ी हुई है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। दूसरी तस्वीर बिरियागंज स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के पास की सड़क की है। यहां सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त है, जिससे वाहन चालकों को बेहद सावधानी के साथ गुजरना पड़ रहा है। इसके अलावा लाल बुलाकीदास इंटर कॉलेज के सामने, मोहल्ला हिंदूपट्टी सहित नगर के कई प्रमुख मार्ग वर्षों से टूटे पड़े हैं और मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई। लगातार बढ़ते यातायात और जर्जर सड़कें नगर की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही हैं। नागरिकों ने संबंधित विभाग और नगर पालिका प्रशासन से जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने तथा खुले पड़े बिजली के तारों को सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

## छात्रों पर बल प्रयोग के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा

शाहजहाँपुर, 24 जुलाई। मानवतावादी समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राम रघुवीर प्रजापति के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आंदोलनरत छात्रों पर कथित पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी तिलहर को सौंपा।
ज्ञापन में कहा गया कि छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। पार्टी ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।
ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि घायल छात्रों को समुचित एवं नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाए। साथ ही छात्रों की मांगों पर लोकतांत्रिक तरीके से संवाद स्थापित कर शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाए।
मानवतावादी समाज पार्टी ने भविष्य में शांतिपूर्ण आंदोलनों के दौरान अनावश्यक बल प्रयोग रोकने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की भी मांग की। पार्टी ने उम्मीद जताई कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के अनुरूप मामले में उचित एवं न्यायोचित कार्रवाई की जाएगी।
इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राम रघुवीर प्रजापति सहित अन्य कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर भी मौजूद रहे।

# श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया पी. राजगोपालाचारी का 99वां जन्मोत्सव

जागरण मोर्चा कार्यालय

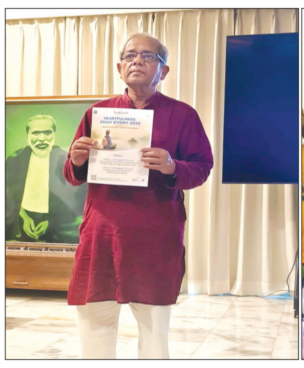

शाहजहांपुर। श्री रामचन्द्र मिशन की गुरु परंपरा के तीसरे गुरुदेव पूज्य पार्थसारथी राजगोपालाचारी (चारी जी महाराज) का 99वां जन्मोत्सव शुक्रवार को मिश्रीपुर स्थित आश्रम में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मिशन के अनुयायियों ने ध्यान-साधना कर आत्मोत्थान, मानव कल्याण और विश्व बंधुत्व की कामना की तथा महात्मा रामचन्द्र जी महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित कर गुरुसत्ता को नमन किया। जन्मोत्सव के दौरान आश्रम का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र प्रभारी सर्वेश चंद्रा ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद सामूहिक ध्यान-साधना का आयोजन हुआ। चारी जी महाराज के भौतिक सानिध्य की स्मृतियों को साझा करते हुए कई अभ्यासी भावुक हो गए। प्रशिक्षक ए.के. गर्ग ने कहा कि रामचन्द्र जी महाराज द्वारा दी गई राजयोग की सहज साधना पद्धति विश्व में अद्वितीय है। उन्होंने मिशन की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली निबंध लेखन प्रतियोगिता का पोस्टर भी जारी किया और प्रतियोगिता के विषयों की जानकारी दी।

आश्रम प्रबंधक एवं प्रशिक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि गृहस्थ जीवन में रहकर ईश्वर प्राप्ति का सहज मार्ग सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि आज विश्व के 164 से अधिक देशों में लाखों लोग हार्टफुलनेस मेडिटेशन के माध्यम से आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूज्य पार्थसारथी राजगोपालाचारी के महासमाधि के बाद मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडिटेशन के ग्लोबल गाइड कमलेश डी. पटेल (दाजी) इस साधना पद्धति को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।प्रशिक्षक राजगोपाल अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में सक्षम गुरु के मार्गदर्शन के बिना शांतिमय जीवन की कल्पना कठिन है। उन्होंने मिशन के अभ्यासियों से मिशन के उत्थान के लिए तन, मन और धन से समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चारी जी महाराज के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन हर्षवर्धन अग्रवाल ने किया, जबकि आभार प्रबंधक प्रमोद कुमार सिंह ने व्यक्त किया। आयोजन में गोपाल अग्रवाल, ममता सिंह, सुयश सिन्हा, कृष्णा भारद्वाज, सुनील अग्रवाल, आनंद मिश्रा, संजय सक्सेना, प्रवीण बाजपेई, आकाश श्रीवास्तव और सुरेंद्र सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। इस अवसर पर अमिता सक्सेना, राजेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुशील श्रीवास्तव समेत मिशन के सैकड़ों अनुयायी उपस्थित रहे।

## सपनों की दुनिया और उनका रहस्य

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

सपनों के पाँच प्रकार होते हैं। पहला प्रकार उन सपनों का है, जो हमारे बीते हुए अनुभवों से बनते हैं। मन पर जो संस्कार अंकित हो जाते हैं, वही सक्रिय होकर सपनों का रूप ले लेती हैं। यह सपनों का पहला प्रकार है। दूसरा प्रकार हमारी इच्छाओं और भय से जुड़ा होता है। जिन इच्छाओं की पूर्ति अभी तक नहीं हुई है या जो डर हमारे भीतर छिपे हुए हैं, वे सपनों के रूप में प्रकट होते हैं। यदि आपको प्यास लगी है, लेकिन आलस्य के कारण आप पानी पीने नहीं उठे और विश्राम करते रहे, तो सपने में आप स्वयं को पानी पीते हुए देख सकते हैं। इसी प्रकार, यदि किसी बात का भय मन में है, तो वही भय सपने के रूप में दिखाई देता है। तीसरा प्रकार उन सपनों का है, जिनमें भविष्य की झलक मिलती है। जो घटनाएँ अभी घटी नहीं हैं और जिनके बारे में हमें कोई जानकारी भी नहीं है, वे कभी-कभी सपनों में दिखाई दे सकती हैं। यह एक प्रकार की दूरदृष्टि होती है। चौथा प्रकार उन सपनों का है, जिनका संबंध आपसे नहीं, बल्कि उस स्थान से होता है जहाँ आप सो रहे होते हैं। किसी नए स्थान पर सोने से वहाँ के वातावरण, ऊर्जा या प्रभाव के कारण अनजान चेहरे, अनजानी भाषाएँ या अपरिचित दृश्य सपनों में दिखाई दे सकते हैं। पाँचवाँ प्रकार इन सभी का मिश्रण होता है। जैसे आप सपने में देखते हैं कि आप ट्रेन में बैठे हैं, फिर वही ट्रेन पानी में तैरने लगती है और नाव बन जाती है। ऐसे सपने कई तत्वों का सम्मिश्रण होते हैं। अधिकांश सपने पाँचवें प्रकार के होते हैं। लगभग 90% सपने मिश्रित प्रकृति के होते हैं। अत: उनके बारे में अधिक सोचने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई सुंदर सपना आया तो अच्छा है, प्रसन्न हो जाइए। यह पूरा संसार एक सपना है। कल जो कुछ भी आपने अनुभव किया, वह उस समय आपको बहुत वास्तविक लगा होगा, लेकिन आज वह सब एक सपने जैसा प्रतीत होता है , आप स्कूल गए, कॉलेज गए, क्या वह सब अभी इस क्षण मौजूद है? क्या वह किसी सपने से अधिक है? जब तुम सच में जागते हो, तब समझ में आता है कि सब कुछ सपने जैसा ही था। जो समाप्त हो चुका। जो भी क्षण बीत गया, वह सपना है। यह वर्तमान क्षण भी एक सपना है। भविष्य के बारे में जो कल्पनाएँ हैं- कल या परसों की – वे भी सपने ही हैं। ज्ञान यह है कि पूरे जीवन को एक सपने की तरह देखा जाए।

**यह पूरा संसार एक सपना है। कल जो कुछ भी आपने अनुभव किया, वह उस समय आपको बहुत वास्तविक लगा होगा, लेकिन आज वह सब एक सपने जैसा प्रतीत होता है , आप स्कूल गए, कॉलेज गए, क्या वह सब अभी इस क्षण मौजूद है? क्या वह किसी सपने से अधिक है? जब तुम सच में जागते हो, तब समझ में आता है कि सब कुछ सपने जैसा ही था। जो समाप्त हो चुका। जो भी क्षण बीत गया, वह सपना है। यह वर्तमान क्षण भी एक सपना है।**

## केवलादेव पार्क का रहस्यमयी मंदिर

### गाय की चमत्कारी लीला देखकर महाराजा सूरजमल ने करवाया था निर्माण

भरतपुर का विश्व प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान न सिर्फ पक्षियों के लिए जाना जाता है। बल्कि अपनी ऐतिहास के कारण भी विशेष पहचान रखता है. इसी पार्क के भीतर एक अनोखा और प्राचीन मंदिर स्थित है। जिसका इतिहास करीब 270 से 300 वर्ष पुराना बताया जाता है। यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं बल्कि भरतपुर के इतिहास और संस्कृति से भी गहराई से जुड़ा हुआ है. इतिहासकार ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण भरतपुर के महाराजा सूरजमल के समय में करवाया गया था। उस दौर में केवलादेव का पूरा क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था और यह स्थान राजाओं के शिकारगाह के रूप में जाना जाता था। महाराजा सूरजमल जब भी शिकार के लिए इस क्षेत्र में आते थे, तो यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और रहस्यमयी वातावरण से प्रभावित होते थे.इसी दौरान एक दिन महाराजा सूरजमल ने एक अद्भुत और चमत्कारी दृश्य देखा जिसने इस स्थान को धार्मिक आस्था का केंद्र बना दिया बताया जाता है कि उन्होंने देखा कि एक गाय स्वयं ही एक स्थान पर खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा अर्पित कर रही थी। यह दृश्य अत्यंत आश्चर्यजनक था और उस स्थान पर एक शिवलिंग की उपस्थिति पाई गई इस चमत्कारी घटना से प्रभावित होकर महाराजा सूरजमल ने वहीं पर मंदिर निर्माण का निर्णय लिया.इतिहास की जानकारी रखने वाले ने बताया कि केवलादेव का यह मंदिर भरतपुर की आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि जब भरतपुर नगर की स्थापना की जा रही थी उसी समय इस मंदिर का निर्माण भी करवाया गया था। उस समय यह पूरा क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था और शिकारगाह के रूप में उपयोग में आता था। ऐसे वातावरण में इस तरह की चमत्कारी घटना का होना अपने आप में अद्वितीय था, जिसने इस स्थान को विशेष धार्मिक महत्व प्रदान किया।

## धरती की वो जगह जहां गधे पहनते हैं पजामा

दुनियाभर में जानवरों की अनोखी आदतों और इंसानों द्वारा उनके लिए बनाए गए अनूठे रिवाजों की कोई कमी नहीं है। लेकिन क्या आप कभी सोच सकते हैं कि किसी जगह पर गधे बाकायदा इंसान जैसी पैंट या पजामा पहनकर घूमते हों? आज हम आपको धरती की ऐसी ही अनोखी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। फ्रांस के पश्चिमी तट पर ला रोशेल के पास स्थित इल-दे-रे नाम का एक बेहद खूबसूरत आइलैंड मौजूद है। यह टापू अपने रेतीले समुद्र तटों, शांत माहौल और ठंडी हवाओं के लिए पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है, लेकिन इस टापू की सबसे अनोखी पहचान यहां रहने वाले गधे हैं, जो किसी आम जानवर की तरह नहीं, बल्कि रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर सड़कों व पार्कों में घूमते हुए दिखाई देते हैं। इन गधों को एन्स एन कुलोट यानी पैंट पहने हुए गधे कहा जाता है.ये कोई आम गधे नहीं हैं, बल्कि यह गधों की सबसे बड़ी और दुर्लभ प्रजातियों में से एक पॉइटौ नस्ल के गधे हैं। फ्रांस के पॉइटौ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इन गधों की सबसे बड़ी खासियत इनका भारी-भरकम शरीर और उस पर लटकते हुए लंबे, उलझे और घने बाल होते हैं, जिन्हें कादानेत कहा जाता है।

## पौष्टिक भोजनका खर्च नहीं उठा सकता हर तीसरा व्यक्ति

**दुनिया के २६९ करोड़ लोग यानी हर तीसरा व्यक्ति ऐसा पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकता, जो उनकी ऊर्जा-पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा कर सके। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूख के मामलों में तीसरे साल भी कमी आई है, पर पौष्टिक भोजन चुनौती बनी हुई है।**

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 'स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2026' रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 269 करोड़ लोग यानी हर तीसरा व्यक्ति ऐसा पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकता, जो उनकी ऊर्जा-पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा कर सके। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूख के मामलों में तीसरे साल भी कमी आई है, पर पौष्टिक भोजन चुनौती बनी हुई है। लगातार तीन वर्षों से घट रही भूख से प्रभावितों की आबादी- 2023 - 8.5 प्रतिशत, 2024 - 8.1 प्रतिशत, 2025 - 7.8 प्रतिशत, अफ्रीका में भूखे लोग ज्यादा, भूख से प्रभावित आबादी- अफ्रीका - 30.9 करोड़, एशिया - 29.2 करोड़, नीति बदलने की जरूरत - ज्यादातर सरकारी सब्सिडी अनाज और स्टार्च वाले खाद्य पदार्थों पर केंद्रित है। फल, सब्जियां, डेयरी व मांस जैसे पोषणयुक्त खाद्य पदार्थ महंगे हैं। इनपर सब्सिडी जरूरी है। सप्लाई चेन में निवेश की जरूरत - रिपोर्ट में फल, सब्जियों, डेयरी और मांस जैसे खाद्य पदार्थों की कीमत कम करने के लिए सप्लाई चेन मजबूत करने, बुनियादी ढांचे में निवेश की जरूरत सुझाई है। पश्चिमी एशिया में फैले तनाव से बढ़ सकता है खाद्य संकट - संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष व होर्मुज में शिपिंग प्रतिबंध जैसी स्थितियां आने वाले वर्षों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं।

## जमीन से २८० फीट नीचे बसा है २५०० साल पुराना यह रहस्यमयी शहर

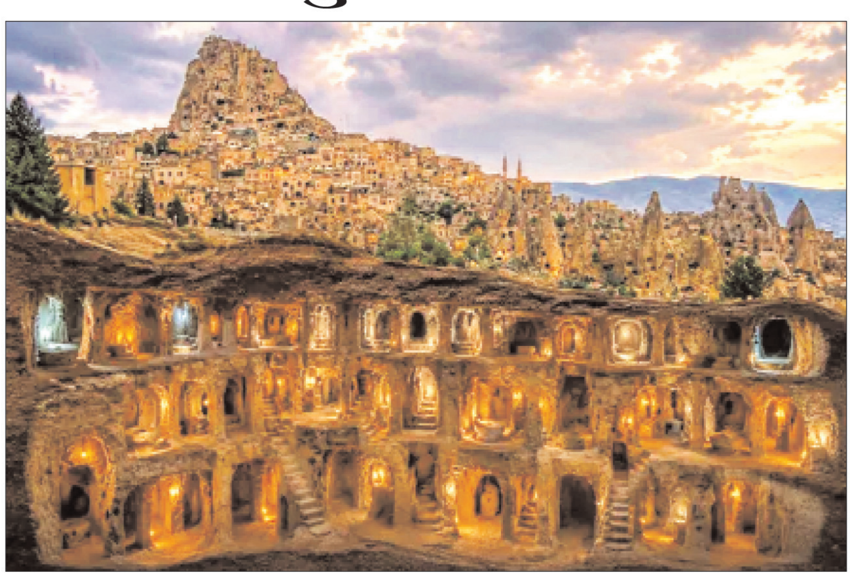

तुर्किए में एक ऐसा शहर है जो जमीन के नीचे बसा हुआ है, यह बात सुनने पर थोड़ी अटपटी जरूर लग सकती है पर वाकई में यह शहर अपने आप में एक अजूबा है। हम बात कर रहे हैं डेरिनकुयु शहर की। तुर्किए के कापाडोसिया क्षेत्र के नेवेशीर प्रांत में स्थित डेरिनकुयू शहर जमीन के ऊपर होने के साथ-साथ नीचे भी है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह शहर अंडरग्राउंड भी है, जो सभी को हैरान-परेशान कर सकता है। डेरिनकुयू का तुर्की में मतलब ही 'गहरा कुआं' होता है। बताते चलें कि यह शहर करीब 280 फीट की गहराई में बसा है। 1960 के दशक में इस शहर को खोजा गया था और माना जाता है कि 8वीं से 7वीं ईसा पूर्व के बीच फ्रिन्जियस साम्राज्य के समय इसे बनाया गया था जिसका विस्तार बीजान्टिन साम्राज्य के समय तक देखा गया। बताते चलें कि फ्रिजियंस साम्राज्य का पतन रोमन के तुर्किए में आने से खत्म हो गया था। लेकिन शहर का विस्तार बीजान्टिन साम्राज्य तक हुआ। शांति इस जगह के लिए कभी आसान नहीं रही क्योंकि 7वीं से 10वीं शताब्दी के बीच यहां भयंकर युद्ध देखे गए। ऐसे में स्थानीय ईसाई निवासियों ने इस भूमिगत शहर को बहुत बड़ा बनाया और इसे सुरक्षित पनाहगाह का रूप दिया। इस तरह डेरिनकुयू शहर 2500 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह अंडरग्राउन्ड सिटी 18 मंजिलों तक नीचे फैली हुई है लेकिन सुरक्षा वजहों से शुरुआती 8 मंजिले ही आम लोगों के लिए खुली हैं। डेरिनकुयू लगभग 4,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला शहर है जिसमें अनुमान के मुताबिक 20,000 लोग रह सकते हैं। शहर में रहने के लिए कमरे, स्कूल, चर्च, अनाज रखने के गोदाम और जेल तक बनाई गई हैं। तुर्किए का यह भूमिगत शहर साल 1985 में गोरेमे नेशनल पार्क एंड द रॉक साइट्स ऑफ कप्पाडोसिया के एक हिस्से के रूप में यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल गया था। जमीन के नीचे शहर इसलिए बन गया क्योंकि इस पूरे क्षेत्र की जमीन ज्वालामुखी की राख से बनी थी, और इन चट्टानों को आसानी से काटा और तराशा जा सकता था। इसी वजह से लोगों ने बचने के लिए अपने घर ऊपर बनाने के बजाय जमीन के नीचे बनाना शुरू कर दिया।

## मरकर दोबारा जिंदा हुई महिला, फिर स्वर्ग को लेकर बताई चौंकाने वाली बात

मौत के बाद इंसान का क्या होता है? क्या स्वर्ग और नर्क सच में अस्तित्व में हैं या यह सिर्फ हमारी कल्पनाओं का एक हिस्सा हैं? इस सवाल का जवाब सदियों से इंसान ढूंढने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, स्कॉटलैंड की रहने वाली जेन डॉसन नाम की महिला ने मौत के बाद की दुनिया को लेकर एक ऐसा सनसनीखेज दावा किया है, जिसने पूरी दुनिया के लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। जेन का दावा है कि 24 साल पहले जब वे अपने बेटे को जन्म दे रही थीं, तब जटिल प्रेग्नेंसी के कारण कुछ पलों के लिए उनकी सांसें रुक गई थीं और वे पूरी तरह से 'मृत' हो चुकी थीं। इस दौरान उनकी आत्मा ने शरीर छोड़ दिया और वे इस दुनिया से परे एक दूसरी दुनिया में पहुंच गईं, जहां उनकी मुलाकात अपने मरे हुए पिता से हुई.जेन ने बताया कि जब वे अस्पताल के बेड पर बच्चे को जन्म देने के लिए संघर्ष कर रही थीं, तब वे शारीरिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थीं। तभी अचानक उनके शरीर का सारा दर्द गायब हो गया और उन्हें महसूस हुआ कि उनकी आत्मा शरीर से बाहर निकलकर हवा में तैर रही है। इस बीच उन्हें एक जानी-पहचानी ऊर्जा का अहसास हुआ। यह ऊर्जा उनके पिता की थी, जिनका निधन जेन के गर्भवती होने के दौरान महज तीन महीने पहले ही हुआ था। जेन के मुताबिक, दोनों की आत्माओं का आपस में मिलन हुआ। पिता ने बिना कुछ बोले अपने विचारों, प्यार और ज्ञान को जेन की आत्मा में ट्रांसफर कर दिया और बताया कि अभी उनका मरने का समय नहीं आया है और उन्हें वापस जाकर अपने बच्चे को जन्म देना है। इस दौरान उनके पिता ने स्वर्ग को लेकर एक सच्चाई बताई। उन्होंने कहा कि धर्मग्रंथों में जैसा होता है, 'स्वर्ग' नाम की वैसी कोई असल में नहीं होती है। जेन के अनुसार, स्वर्ग कोई जगह नहीं, बल्कि एक अनुभूति या चेतना की स्थिति है।

## अकेलापन रोज १५ सिगरेट पीने के बराबर

इस डिजिटल एज में लोगों के पास एक-दूसरे से जुड़ने के कई साधन हैं। फोन कॉल, मैसेज, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के जरिए हम कभी भी किसी से भी संपर्क कर सकते हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग अकेलेपन का शिकार हैं। अकेलापन वह अनुभव है, जब व्यक्ति को लगता है कि उसे सुनने, समझने या इमोशनली सपोर्ट करने वाला कोई नहीं है। एक स्टडी के मुताबिक, अकेलापन रोज 15 सिगरेट पीने जितना नुकसानदायक है। इसका शरीर पर बुरा असर पड़ता है। यही वजह है कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने अकेलेपन को पब्लिक हेल्थ इश्यू माना है। यह एक मानसिक अवस्था है। इसमें व्यक्ति को लगता है कि उसकी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को समझने, शेयर करने या स्वीकार करने वाला कोई नहीं है। साइकोलॉजी के मुताबिक, अकेलेपन में व्यक्ति- जीवन में गहरे रिश्तों की कमी महसूस करता है। भावनाओं को अनसुना या अनदेखा महसूस करता है। अपनेपन और एक्सेप्टेंस (स्वीकार्यता) की कमी महसूस करता है। यह एक फिजिकल स्टेट है, जिसमें व्यक्ति कुछ समय या लंबे समय तक खुद के साथ रहता है। यह स्थिति कई लोगों के लिए सुखद, शांतिपूर्ण और सेल्फ ग्रोथ का मौका होती है। यह एक इमोशनल स्टेट है, जिसमें व्यक्ति दूसरों के बीच रहते हुए भी खुद को अनसुना या डिसकनेक्टेड महसूस करता है। यह इमोशनल कनेक्शन की क्वालिटी से तय होता है। इसे उदाहरण से समझिए- किसी व्यक्ति के पास बहुत सारे दोस्त हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद अगर उसे यह महसूस हो कि उनमें से कोई उसके सबसे आंतरिक कोनों और भावनाओं को नहीं समझता, तो वह भीतर से अकेला महसूस कर सकता है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक अकेलापन महसूस करता है, तो ब्रेन इसे सोशल इनसिक्योरिटी या खतरा समझता है। इससे बॉडी का फाइट-एंड-फ्लाइट रिस्पॉन्स बार-बार एक्टिव होता है। इसके कारण स्ट्रेस लेवल बढ़ जाता है, जिससे- नींद की क्वालिटी खराब होती है। डिप्रेशन और एंग्जाइटी का रिस्क बढ़ता है। ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ता है। लगातार अकेलेपन से प्री-मेच्योर डेथ का रिस्क बढ़ जाता है। अकेलापन ब्रेन को सोशल थ्रेट का सिग्नल देता है। इसके जवाब में शरीर का स्ट्रेस सिस्टम एक्टिव होता है। इससे कॉर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हॉर्मोन बढ़ सकते हैं। लगातार स्ट्रेस इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकता है। अकेलापन शरीर में क्रॉनिक लो-ग्रेड इंफ्लेमेशन बढ़ाता है। लंबे समय में यह स्थिति हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, टाइप 2 डायबिटीज और अन्य क्रॉनिक बीमारियों का रिस्क बढ़ाती है। लंबे समय तक अकेलेपन से इमोशनल बैलेंस और सोचने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। लंबे समय तक अकेला रहने से व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और टीवी पर डिपेंड हो जाता है। इससे उसका स्क्रीन टाइम बढ़ जाता है। ज्यादा स्क्रीन टाइम अकेलेपन की भावना को बढ़ा सकता है। जब व्यक्ति अपना ज्यादातर समय सोशल मीडिया पर बिताता है, तो आमने-सामने की बातचीत कम हो जाती है।

## भारतमें बढ़ी उम्र, लेकिन बीमारियोंका दायरा भी फैला

इंसान की उम्र तो लंबी हो रही है, लेकिन सेहत की डोर कमजोर पड़ती जा रही है। विज्ञान और तकनीक की तरक्की ने हमें जीवन के कुछ अतिरिक्त साल तो दिए हैं, मगर ये साल खुशहाली के बजाय बीमारियों और लाचारी के साये में बीत रहे हैं। मेडिकल जर्नल द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज 2023 के अध्ययन में यह कड़वी सच्चाई सामने आई है कि 1990 के बाद से दुनिया भर में मार्बिडिटी गैप यानी कुल जीवन प्रत्याशा और स्वस्थ जीवन प्रत्याशा के बीच का अंतर तेजी से बढ़ा है। साल 2023 में दुनिया भर में लोग अपनी कुल जिंदगी का औसतन 14.5 प्रतिशत हिस्सा अस्वस्थता में बिता रहे हैं, जो 1990 में 13.6 प्रतिशत था। यह अंतर केवल जीवन के आखिरी पड़ाव में ही नहीं, बल्कि पूरी वयस्कता के दौरान भी देखा जा रहा है। अध्ययन से पता चला है कि 2023 में स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और कुल जीवन प्रत्याशा के बीच 10.7 साल का अंतर था, जो 1990 में 8.8 साल था। इससे पता चलता है कि दुनिया भर में लोग ज्यादा समय तक जी तो रहे हैं, लेकिन खराब सेहत के साथ ज्यादा साल बिता रहे हैं। 1990 में भारत में कुल जीवन प्रत्याशा 58.5 साल और स्वस्थ जीवन प्रत्याशा 50.1 साल थी, यानी अस्वस्थता का अंतर 8.4 साल था। 2023 तक आते-आते भारत की औसतन जीवन प्रत्याशा तो बढ़कर 71.6 साल हो गई, लेकिन स्वस्थ जीवन प्रत्याशा केवल 61.0 साल तक ही पहुंच सकी। इसका मतलब यह है कि आज भारतीय जीवन के औसतन 10.6 साल बीमारियों व शारीरिक अक्षमताओं के बीच गुजारने पर मजबूर है।

## कैफे हुए पुराने, अब कब्रिस्तान बन रहे हैं डेट स्पॉट

कैफे हुए पुराने, अब कब्रिस्तान बन रहे हैं डेट स्पॉट! क्यों युवाओं को पसंद आ रहा बात जब भी डेटिंग की आती है, तो सबसे पहले दिमाग में कैफे या रेस्टोरेंट की तस्वीर आती है। आजकल डेट पर जाने का मतलब सिर्फ कहीं जाकर डिनर या लंच करना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताना भी है। एक साथ समय बिताने का सिंपल-सा का मतलब है, एक-दूसरे को समझना। इसी क्वालिटी टाइम की तलाश करते हुए अब नई पीढ़ी, खासकर त्द्धठ्ठ-´ ने एक ऐसा अजीब, लेकिन दिलचस्प तरीका चुना है, जिसे सुनकर शायद आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। जी हां, क्वालिटी टाइम की तलाश में अब नई पीढ़ी ग्रेवयार्ड डेटिंग यानी कब्रिस्तान में डेट करने का रास्ता चुन रही है। आइए जानते हैं नई पीढ़ी के इस नए डेटिंग ट्रेंड के बारे में-सुनने में यह कॉन्सेप्ट थोड़ा डरावना या अजीब जरूर लग सकता है, लेकिन यह असल में इसका मकसद शांति और सुकून की तलाश करना है। रेस्टोरेंट के शोर-शराबे, पार्क की भीड़ और अजनबियों की घूरती नजरों से दूर, अब कपल्स कब्रिस्तान के शांत माहौल में एक-दूसरे के साथ समय बिताना पसंद कर रहे हैं। यह जगह कपल्स को इसलिए भी पसंद आ रही है, क्योंकि यहां न कोई तेज आवाजें हैं और न ही परफेक्ट दिखने का कोई प्रेशर। डेटिंग के इस तरीके में दो लोग बस सुकून के साथ एक-दूसरे से अपनी भावनाएं जाहिर कर सकते हैं। यह ट्रेंड कोई आम ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह युवाओं के पीछे की साइकोलॉजी को भी दर्शाता है। असल में यह ट्रेंड सिर्फ कुछ अलग दिखने या कूल बनने की कोशिश नहीं है। आसान शब्दों में कहें, तो यह ट्रेडिशनल डेटिंग कल्चर और शोर-शराबे वाली डिजिटल दुनिया के खिलाफ एक तरह की बगावत है, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से। साइकोलॉजी के मुताबिक डर, रहस्य और सन्नाटे का माहौल इंसान की भावनाओं को अचानक गहरा कर देता है, जिससे दो लोगों को एक-दूसरे को ज्यादा बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है।

## मुझे अपने देशके युवाओं पर गर्व है -ट्विंकल खन्ना

देशभर में चल रहे छात्र आंदोलन पर अब अक्षय कुमार की पत्नी और पूर्व एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना का रिएक्शन सामने आया है. राइटर ट्विंकल खन्ना ने स्टूडेंट प्रोटेस्ट को सपोर्ट करते हुए अपना स्टैंड क्लियर किया. ट्विंकल खन्ना से पहले आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा व सलमान खान ने भी नीट पेपर लीक मामले में छात्रों का सपोर्ट किया. सभी ने सरकार से अपील की कि छात्रों की आवाज सुनी जानी चाहिए. ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया. जहां उन्होंने इंस्टाग्राम पर युवाओं की तस्वीरें पोस्ट की और अपनी बात भी रखी। उन्होंने बताया कि उन्हें छात्रों पर गर्व है जो अपने हक की लड़ाई में डटे हुए हैं। ट्विंकल खन्ना ने कहा, 'मुझे अपने देश के युवाओं पर गर्व है कि वे आज भी गलत के खिलाफ डटकर खड़े हैं. इन युवाओं को सलाम हैं जो अपनी बात रखने की हिम्मत रखते हैं। इसी के साथ ट्विंकल खन्ना ने लाठीचार्ज पर नाराजगी भी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'इस बात का बहुत दुख है कि जो युवा अपनी बात रखने की हिम्मत रखते हैं उन्हें लाठीचार्ज का सामना करना पड़ा। बहुत ही अफसोस इस बात का है कि अपनी आवाज उठाने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।' वहीं ट्विंकल खन्ना के पोस्ट पर कई यूजर्स ने अक्षय कुमार की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। जंतर मंतर से शुरू हुए छात्र आंदोलन को अबतक बॉलीवुड से खूब सपोर्ट मिला. सलमान खान, आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा, राजकुमार राव, हुमा कुरैशी, आदिति राव हैदरी से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, शबाना आजमी व प्रकाश झा ने समर्थन दिया। वहीं ईशा कोप्पिकर ने बॉलीवुड के चुप रहने वाले सितारों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सबको अपनी राय रखने और न रखने की आजादी है। सिर्फ नारे लगाने से बदलाव नहीं आता है।

## एक नजर

### करंट की चपेट में आकर विवाहिता की मौत

**बदायूं।** करंट की चपेट में आने से एक विवाहिता की मौत हो गई। विवाहिता कूलर के पास रखे अपने सैंडिल लेने गई थी। तभी उसे तेज करंट लगा। आनन फानन में परिजन उसे सीएचसी दातागंज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव भगौतीपुर निवासी नेमवती (22) पत्नी कमल अपनी बहन के गांव सिमरिया जाने के लिए कूलर के पास रखे अपने सैंडिल लेने गई थी। इसी दौरान कूलर में दौड़ रहे करंट की वह चपेट में आ गई। जिससे वह जमीन पर गिर गई। नेमवती की चीखपुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी दातागंज ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विवाहिता की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि दो साल पहले ही नेमवती की शादी हुई थी। उसकी तीन महीने की एक बेटी है।

# स्पष्टीकरण न देने पर चेयरमैन ने शासन से की अधिशासी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति

## तीन साल में एक भी विकास कार्य नहीं कराया गया, डीएम द्वारा पास की गई कार्ययोजनाओ के बाद भी नहीं पूरी हुई टेंडर प्रक्रिया

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** नगर पंचायत अलापुर के अधिशासी अधिकारी त्रिवेन्द्र कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति शासन ने की है। अध्यक्ष द्वारा जारी स्पष्टीकरण नोटिस का निर्धारित अवधि में जवाब न देने, वैधानिक निर्देशों की अवहेलना करने और प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में यह कदम उठाया गया है।

ईओ त्रिवेंद्र कुमार।

नगर पंचायत में बंद पड़ा अधिशासी अधिकारी का कमरा। -जागरण मोर्चा

नगर पंचायत अलापुर के ईओ त्रिवेंद्र कुमार की लापरवाही की वजह से नगर में विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। इन तमाम समस्याओं को उजागर करते हुए जागरण मोर्चा समाचार पत्र ने सभी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जिसका संज्ञान अब शासन ने ले लिया है। शासन ने डीएम से जांच कर आख्या तलब की है। वही ईओ के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष ने भी संस्तुति पत्र शासन को भेजा है। भेजे गए पत्र में बताया है कि नगर पंचायत अध्यक्ष ने 30 जून 2026 को अधिशासी अधिकारी को विस्तृत नोटिस जारी किया था। यह नोटिस स्पीड पोस्ट, ई-मेल और व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजा गया, जिसमें 15 गंभीर प्रशासनिक, वित्तीय और कार्यालयीय अनियमितताओं पर सात कार्यदिवस के भीतर बिंदुवार स्पष्टीकरण मांगा गया था। लेकिन निर्धारित समयावधि बीत जाने के बावजूद अधिशासी अधिकारी की ओर से कोई जवाब नहीं

**शासन ने डीएम को दिए ईओ की जांच के निर्देश, आख्या मांगी**

दिया गया और न ही समय बढ़ाने का अनुरोध किया गया।

नोटिस में कार्यालय में अनुपस्थिति, विकास कार्यों की निविदा प्रक्रिया में देरी, विभिन्न योजनाओं की डीपीआर समय से तैयार न करना, ठेकों की नीलामी न कराना, आउटसोर्स कर्मियों का वेतन रोकना, ठेकेदारों के भुगतान लंबित रखना और सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण न हटाने जैसे गंभीर आरोप शामिल थे। इसके अलावा उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन न करने का भी उल्लेख किया गया था।

अध्यक्ष का कहना है कि अधिशासी अधिकारी का यह रवैया प्रशासनिक शिथिलता और कर्तव्यहीनता को दर्शाता है। नोटिस में पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि समय पर जवाब न मिलने की स्थिति में मामला शासन को भेजा जाएगा। इसी क्रम में अब पूरा प्रकरण निदेशक, स्थानीय निकाय उत्तर प्रदेश शासन को भेजते हुए अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध सेवा नियमों के तहत विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने की संस्तुति की गई है। साथ ही शासन स्तर से आवश्यक प्रशासनिक निर्णय लेने का अनुरोध भी किया गया है। निदेशक ने डीएम अवनीश राय को पत्र भेजकर जांच कर आख्या तलब की है। इससे साफ है कि ईओ की लापरवाही के चलते विभागीय कार्रवाई तय है।

## संक्षेप समाचार

### कांवड़ यात्रा को लेकर अटैना घाट का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व यातायात व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

गंगा घाट पर निरीक्षा करती है एसपी अंकिता शर्मा व डीएम अवनीश राय।

**बदायूं।** श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी अवनीश राय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने थाना उसहैत क्षेत्र के अटैना घाट का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं के आवागमन, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी तैयारियां समयबद्ध व प्रभावी ढंग से पूर्ण की जाएं। डीएम ने विशेष रूप से घाट पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने, भीड़ प्रबंधन और यातायात सुचारू रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। इस दौरान क्षेत्राधिकारी दातागंज आशेषनाथ सिंह, थाना प्रभारी उसहैत देवेन्द्र कुमार सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

### अनाधिकृत बसों पर चला परिवहन विभाग का डंडा, 8 बसें सीज

अवैध वाहनों के संचालन चेक करते एआरटीओ। -जागरण मोर्चा

**बदायूं।** जनपद में अनाधिकृत रूप से संचालित यात्री वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष चेकिंग अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को चलाए गए इस अभियान के दौरान 8 बसों के विरुद्ध चालान करते हुए उन्हें सीज कर दिया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) श्री हरिओम तथा यात्री/मालकर अधिकारी श्री अभिनव कुमार चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि पकड़ी गई सभी बसों को फिलहाल सीज कर दिया गया है और उन्हें तभी मुक्त किया जाएगा जब एआरटीओ एवं मजिस्ट्रेट की संयुक्त जांच में सभी दस्तावेज सही पाए जाएंगे। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्ती बरती गई। विभाग की ओर से 32 बिना हेलमेट वाहन चालकों, 19 बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों, 9 रॉन्ग साइड ड्राइविंग करने वालों तथा 10 मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें और तेज गति से वाहन न चलाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान लगातार चलाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

### गंगा एक्सप्रेस-वे अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

**बदायूं।** गंगा एक्सप्रेस-वे किनारे खड़े युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हादसा बिनावर थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर भैंसामई गांव के सामने शुक्रवार शाम करीब चार बजे हुआ। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव फकीराबाद निवासी 22 वर्षीय विनोद पुत्र राजपाल गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे खड़े थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलते ही गंगा एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल घटपुरी अस्पताल ले गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद विनोद को मृत घोषित कर दिया।

### हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से भैंस की मौत

बदायूं। क्षेत्र के गांव कंडेला में हाईटेंशन लाइन के नीचे लटक रहे तार की चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्युत निगम की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिलाने की मांग की है। गांव निवासी सत्यपाल अपनी भैंस को तालाब पर पानी पिलाने के लिए ले गए थे। इसी दौरान भैंस बिदककर तालाब किनारे से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के खंभे के पास पहुंच गई। बताया जाता है कि लाइन का तार काफी नीचे लटक रहा था। तार की चपेट में आते ही भैंस को करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि हाईटेंशन लाइन के तार लंबे समय से नीचे लटक रहे हैं। इसकी शिकायत कई बार विद्युत निगम से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि समय रहते तारों की मरम्मत करा दी जाती तो यह हादसा टल सकता था। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है और उन्होंने विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

## दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास, सामान सुरक्षित

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव द्वंदपुर स्थित आसफपुर-चंदौसी मार्ग पर मुख्य बाजार में गुरुवार रात अज्ञात लोगों ने एक मोटरसाइकिल मरम्मत की दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि शटर मजबूत होने के कारण चोर अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके और दुकान के अंदर रखा सामान सुरक्षित बच गया।

द्वंदपुर निवासी अरविंद पुत्र लालता प्रसाद मुख्य बाजार में मोटरसाइकिल मरम्मत की दुकान चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार देर रात कुछ अज्ञात लोग उनकी दुकान पर पहुंचे और शटर तोड़ने की कोशिश की। शटर में छेड़छाड़ के निशान मिलने से घटना का पता चला। सुबह जब दुकानदार दुकान पर पहुंचे तो शटर क्षतिग्रस्त देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## गंगा एक्सप्रेस-वे पर कंटेनर ने डबल डेकर बस में पीछे से मारी टक्कर

**बदायूं।** गंगा एक्सप्रेस-वे पर गांव हसनपुर के पास गुरुवार देर रात सड़क हादसा हो गया। रात करीब डेढ़ बजे एक डबल डेकर प्राइवेट बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे में कंटेनर का परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। कंटेनर में 36 भैंस लदी थीं, जिनमें से आठ की इस मौत हो गई। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। सुल्तानपुर से भैंस लेकर कंटेनर संभल जा रहा था। हसनपुर गांव के पास कंटेनर अनियंत्रित होकर आगे चल रही डबल डेकर बस में पीछे से जा घुसा। बस में सवार यात्रियों ने सुरक्षित बाहर निकलकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कंटेनर के परिचालक मुकीम पुत्र नन्हे, निवासी मुरादाबाद को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा। हादसे के बाद बस को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया।

# महिला अस्पताल में चार माह से अल्ट्रासाउंड सेवा ठप, मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** जिले के महिला अस्पताल में पिछले चार माह से अल्ट्रासाउंड सेवा पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग अब तक रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं कर सका है, जिसके चलते मरीजों को निजी जांच केंद्रों की ओर रुख करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. इंदु कुमार के तबादले के बाद से अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सुविधा बंद हो गई। इसके बाद से विभाग ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की, जिससे स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। अस्पताल में प्रतिदिन सौ से अधिक मरीज अल्ट्रासाउंड जांच के लिए पहुंचते हैं, लेकिन सुविधा न मिलने के कारण मायूस होकर लौटना पड़ता है।

सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं को हो रही है, जिन्हें समय-समय पर अल्ट्रासाउंड जांच की आवश्यकता होती है। मजबूरी में उन्हें निजी केंद्रों पर जाना पड़ रहा है, जहां 500 से 600 रुपये तक खर्च करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए यह अतिरिक्त खर्च बोझ बनता जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में मुफ्त या कम शुल्क पर मिलने वाली सुविधा बंद होने से निजी केंद्रों की मनमानी बढ़ गई है। मरीजों ने स्वास्थ्य विभाग से जल्द से जल्द रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती कर सेवा बहाल कराने की मांग की है।

# कांग्रेस जिलाध्यक्ष की शिकायत : एसएचओ पर पत्नी को धमकाने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने सिविल लाइंस थाने के एसएचओ हरेंद्र सिंह तोमर के खिलाफ पुलिस महानिदेशक व प्रमुख सचिव गृह को ईमेल के जरिए शिकायत भेजी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनकी गैर मौजूदगी में पुलिस अधिकारी उनके नेकपुर स्थित आवास पर पहुंचे और उनकी पत्नी प्रियंका यादव को धमकाया तथा अनुचित दबाव बनाया।

अजीत यादव के अनुसार 23 जुलाई की सुबह करीब साढ़े सात बजे एसएचओ हरेंद्र उनके घर पहुंचे। उस समय वे दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में मौजूद थे। आरोप है कि एसएचओ ने उनकी पत्नी से पूछताछ करते हुए उन्हें तुरंत बुलाने का दबाव बनाया और कथित तौर पर आत्महत्या की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि बिना महिला पुलिस कर्मी के एक महिला से पूछताछ कर महिला अधिकारों का उल्लंघन किया गया।

शिकायत में यह भी आरोप है कि फोन पर बात के दौरान एसएचओ ने उन्हें दिल्ली से वापस आने और आंदोलन से दूर रहने के लिए कहा, अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। इस घटना से उनकी पत्नी को मानसिक आघात पहुंचने की बात कही गई है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने इसे नागरिक अधिकारों, निजता के अधिकार और मानवाधिकारों

**जंतर-मंतर गए अजीत यादव, घर पहुंचकर पत्नी से पूछताछ का आरोप; महिला आयोग जाने की तैयारी**

का उल्लंघन बताते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें देश में कहीं भी आने-जाने और शांतिपूर्ण विरोध में शामिल होने का संवैधानिक अधिकार है।

अजीत यादव ने बताया कि उनकी पत्नी प्रियंका यादव इस मामले को लेकर महिला आयोग में याचिका दायर करेंगी। वहीं, उन्होंने कहा कि वे दिल्ली में रहकर छात्र आंदोलन का समर्थन जारी रखेंगे और किसी भी दबाव में पीछे नहीं हटेंगे।

## संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से युवक की मौत, परिवार में कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** बिसौली कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों को आरोप है कि ससुराल पक्ष के व्यवहार से आहत होकर युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी है। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव ततारपुर निवासी बबलू (26) पुत्र वेदराम की शादी करीब डेढ़ साल पहले बरेली जिले के थाना अलीगंज के गांव राजपुर गौटिया निवासी हरेंद्र की पुत्री शिवानी से हुई थी। शादी के करीब 10 महीने बाद शिवानी ने एक बेटी को जन्म दिया था। लेकिन प्रसव के बाद उसकी मौत हो गई। जिससे बबलू अवसाद में आ गया। परिजनों का आरोप है कि शिवानी की मौत के बाद ससुराल वाले बबलू पर एक अन्य लड़की से शादी करने का दबाब बनाने लगे। साथ ही बबलू के हिस्से की जमीन बेटी के नाम करने की मांग करने लगे। इससे बबलू मानसिक रुप से परेशान रहने लगा। परिजनों ने बताया कि दो दिन पहले ससुराल वालों ने बबलू को अपने घर बुलाया और दूसरी शादी व जमीन नाम करने की शर्त रखी। इसके बाद तनाव में वह अपने घर लौट आया और 22 जुलाई को जंगल में जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां से उसे बरेली रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर बरेली के एक निजी अस्पताल पहुंचे और उसे भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

## नहाते समय गंगा में डूबी 15 वर्षीय किशोरी, गोताखोर तलाश में जुटे

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** गंगास्नान के दौरान एक किशोरी गहरे पानी में चल गई। जिससे वह तेज बहाव के कारण गंगा में डूब गई। सूचना पर प्रशासन ने गोताखोरों को गंगा नदी में उतारकर किशोरी की तलाश कराई, लेकिन शाम तक उसका पता नहीं लग सका।

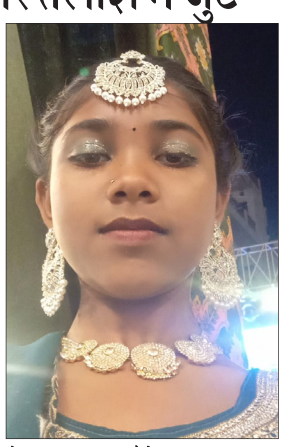

बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव करखेड़ी निवासी सविता (15) पुत्री कृपाल अपनी बुआ के घर नगला बरन गांव आई थी। गुरुवार शाम वह गांव के पास बह रही गंगानदी में नहाने चली गई। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चली गई। इन दिनों गंगा में तेज बहाव चल रहा है। जिसके कारण वह बहाव में बह गई और लापता हो गई। घाट पर मौजूद लोगों के शोर मचाने पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और गोताखोरों को बुलाकर नदी में उतार दिया। किशोरी की तलाश में गोताखोर लगे रहे, लेकिन किशोरी का पता नहीं चला। कोतवाल धनंजय सिंह ने बताया कि किशोरी की तलाश जारी है। जब तक उसका पता नहीं चल जाता, रेस्क्यू अभियान चलता रहेगा।

**अनदेखी** राजकीय मेडिकल कॉलेज के बाहर खड़ी संदिग्ध एंबुलेंस, नियमों को ताक पर रखकर हो रहा संचालन

# जिले में फर्जी एंबुलेंस का खेल, प्रशासन की लापरवाही से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** जिले में एंबुलेंस के नाम पर बड़ा खेल सामने आ रहा है, जहां फर्जी तरीके से बाहर के नंबर की सीएनजी एंबुलेंस संचालित की जा रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ये संदिग्ध एंबुलेंस राजकीय मेडिकल कॉलेज के सामने खुलेआम खड़ी रहती हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नियमों के अनुसार, किसी भी एंबुलेंस का पंजीकरण संबंधित अस्पताल या अधिकृत संस्था के नाम पर होना अनिवार्य होता है। निजी नाम पर एंबुलेंस संचालन की अनुमति नहीं है, फिर भी जिले में कई एंबुलेंस इस नियम

का उल्लंघन करते हुए सड़कों पर दौड़ रही हैं। इससे न केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ये एंबुलेंस बिना किसी वैध दस्तावेज और मानकों के मरीजों को ढोने का काम कर रही हैं। कई बार हादसे की स्थिति में ये वाहन मौके से गायब हो जाते हैं, जिससे पीड़ितों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना भी मुश्किल हो जाता है।

स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। अगर समय रहते इन फर्जी एंबुलेंस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक ऐसे अवैध संचालन पर रोक लगाई जाती है।

## पशु क्रूरता अधिनियम के आरोपी की अग्रिम जमानत खारिज

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या छह व गैंगेस्टर कोर्ट के न्यायाधीश ऋषि कुमार ने पशुक्रूरता अधिनियम के मामले में एक आरोपी की अग्रिम जमानत को खारिज कर दी। अपर शासकीय अधिवक्ता ओमप्रकाश कश्यप के अनुसार सहसवान पुलिस ने मोहम्मद मियां पुत्र जमील कुरैशी उर्फ बड़े लल्ला, प्यारे मियां उर्फ लटूरी पुत्र अब्दुल शकूर व नसीब निवासीगण सहसवान कोतवाली इलाके के खिलाफ पशुक्रूरता व गोवध निवारण अधिनियम का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस तीनों आरोपियों में किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी। इसी बीच एक आरोपी मोहम्मद मियां पुत्र जमील कुरैशी उर्फ बड़े लल्ला निवासी कुरैशियान मछली बाजार के पास थाना इस्लामनगर की ओर से उनके पशुक्रूरता व गोवध निवारण अधिनियम में अग्रिम जमानत की याचिका डाली गई। बताया, दर्ज मुकदमा में सहसवान कोतवाली पुलिस किसी भी समय पुलिस उनकी गिरफ्तारी कर सकती है। उनके अधिवक्ता ने अदालत में तर्क दिया आरोपी पूर्णतः उसको इस मुकदमे में फंसाया गया है। मुख्य आरोपी प्यारे मियां उर्फ लटूरी पुत्र अब्दुल शकूर निवासी पठान टोला के पास पट्टी यकीन थाना सहसवान के बयान में उसका नाम प्रकाश में आया है। जिस आधार पर उसे अग्रिम जमानत दे दी जाए, ताकि पुलिस उसे निर्दोष को गिरफ्तार न कर सके। विद्वान न्यायाधीश ऋषि कुमार ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। दलीलों को सुनने के बाद अग्रिम जमानत का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

## एक नजर

### सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बाइक ने मारी टक्कर ,मौत

**बदायूं।** उसावां थाना क्षेत्र में मक्का बेंचने जा रहे एक बुजुर्ग को बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। उसावां थाना क्षेत्र के गांव उदैया नगला निवासी भीम यादव (76) अपनी मक्का की फसल बेंचने के लिए उसावां जा रहे थे। इसी दौरान वह सड़क पार कर रहे थे,तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनको टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत गई। आसपास के लोगों ने बुजुर्ग को एंबूलेंस से सीएचसी भिजवाया,जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बुजुर्ग की मौत की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते सीएचसी पर पहुंच गए। एसओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

# 14 साल बाद भी अधूरा राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्थायी मान्यता के सहारे चल रही पढ़ाई

## 546 करोड़ की परियोजना पर सवाल, निर्माण निगम की लापरवाही और प्रशासनिक सुस्ती से छात्रों का भविष्य अधर में

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और स्थानीय छात्रों को उच्च चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 546 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य 14 वर्षों बाद भी अधूरा पड़ा है। लंबे समय से चल रही यह परियोजना अब न केवल प्रशासनिक उदासीनता की प्रतीक बन गई है, बल्कि इसकी अस्थायी मान्यता पर भी लगातार संकट मंडरा रहा है।

मेडिकल कॉलेज फिलहाल अस्थायी मान्यता के सहारे संचालित हो रहा है, जिससे यहां अध्ययनरत छात्रों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

नियमानुसार मेडिकल कॉलेज में सभी आवश्यक भवन, उपकरण और सुविधाएं पूर्ण रूप से उपलब्ध होनी चाहिए, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण कई विभाग अभी तक पूरी तरह स्थापित नहीं हो सके हैं। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित हो रही है, बल्कि मान्यता निरस्त होने का खतरा भी बना रहता है।

> निर्माण कार्य अधूरा रहने से व्यवस्थाएं खराब है। कोशिश की जा रही है कि जल्द से जल्द व्यवस्था को ठीक कराया जाए। निर्माण निगम ने पूरी तरह से काम बंद कर दिया है। शासन स्तर पर पत्राचार किया गया है। शासन स्तर से ही इसमें कोई कार्रवाई की जा सकेगी।
>
> -डॉ. शिवकुमार, प्राचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज

सूत्रों के अनुसार, निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे निर्माण निगम की लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली के चलते परियोजना लगातार विलंब का शिकार हो रही है। कई बार समय सीमा तय होने के बावजूद कार्य पूरा नहीं हो सका। वहीं, कॉलेज प्रशासन पर भी समयबद्ध कार्य कराने में सुस्ती बरतने के आरोप लग रहे हैं। जिम्मेदार विभागों के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा सीधे तौर पर छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे छात्र और उनके अभिभावक इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि अधूरी सुविधाओं के बीच पढ़ाई करना मजबूरी बन गया है। प्रयोगशालाओं, हॉस्टल और अन्य आवश्यक संसाधनों की कमी के कारण छात्रों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो भविष्य में उनकी डिग्री और करियर पर भी असर पड़ सकता है।

स्थानीय लोगों का भी मानना है कि इतनी बड़ी लागत से बन रहे इस मेडिकल कॉलेज का समय पर पूरा न होना सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए यह कॉलेज बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी धीमी प्रगति से क्षेत्रवासियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर प्रगति अभी भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं दिख रही है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस गंभीर मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक यह मेडिकल कॉलेज पूर्ण रूप से तैयार होकर छात्रों और आमजन को बेहतर सुविधाएं प्रदान कर पाता है। फिलहाल, 14 साल बाद भी अधूरा पड़ा यह प्रोजेक्ट व्यवस्था की धीमी रफ्तार की कहानी बयां कर रहा है।

## संक्षेप समाचार

### मां के सामने बेटी से किया दुष्कर्म, दोषी को आजीवन करावास

**बदायूं।** पहले मां को बहला-फुसलाकर करा लिया धर्म परिवर्तन उसके बाद मां के सामने ही नाबालिक बेटी से किया दुष्कर्म के आरोपी को पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश दिनेश तिवारी ने आरोपी को दोषी करार दिया है। आरोपी को आजीवन कारावास की सजा देने के साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली महिला ने 4 अगस्त 2023 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। उसके पति का कुछ समय पहले देहांत हो गया था। वह अपने बच्चों की परिवरिश के लिए काम की तलाश में थी। इसी दौरान अरशद अली से मुलाकात हुई,उसने अपने आप को लेबर ठेकेदार बताकर उसको काम दिलाने व वेतन दिलाने का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लिया और उसको अपने साथ ले जाकर जबरन बलात्कार किया तथा धर्म परिवर्तन करने के बाद उसका नाम रेशमा रख दिया। बताया कि झांसा देकर उसके साथ बार-बार बलात्कार किया गया। जबरन कलमा पढ़वाया गया और उसको नमाज पढ़वाने पर विवश किया गया। अभियुक्त अरशद हरियाणा ले गया और वहां वह अपनी नाबालिक बेटी के साथ काम करने लगी। 3 जून 2023 को वह अपनी नाबालिक बेटी को छोड़कर काम पर गई तो शाम करीब 8 :00 बजे अरशद जबरन उसके के घर में घुस गया।उसकी बेटी को जनरन कमरे में खींचकर चाकू की नौक पर डरा धमकाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद घटना से संबंधित सभी साक्ष्य संकलन करते हुए आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। तब से मामला कोर्ट में चल रहा था।शुक्रवार को न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपस्थित साक्ष्यों का अवलोकन करते हुए अधिवक्ताओं की दलीलों को सुनने के बाद आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

### 12 घंटे में लूट का खुलासा, कैन्टर समेत दो आरोपी गिरफ्तार

**बदायूं।** थाना मूसाझाग क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर कैन्टर लूट की घटना का पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने लूटे गए कैन्टर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना 24 जुलाई की सुबह की है, जब बिहार से आ रहे कैन्टर संख्या UP37BT3121 को ग्राम मैरी मजर के पास बोलेरो सवार 3-4 अज्ञात बदमाशों ने रुकवा लिया। बदमाशों ने चालक और हेल्पर के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल फोन छीन लिए और कैन्टर लेकर फरार हो गए। बाद में दोनों को जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। पीड़ित चालक जराफत निवासी हापुड़ की तहरीर पर थाना मूसाझाग में मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रामपुर के थाना गंज पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की। पुलिस ने कैन्टर बरामद करते हुए दो आरोपियों हसीन निवासी रामपुर और हारून निवासी इटावा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

### राजेश सिंह को एक मामले में हाईकोर्ट तो दूसरे मामले में जेएम प्रथम ने दी जमानत

**बदायूं।** सैजनी गांव में सरकारी जमीन पर बाजार लगाकर तहबाजारी करने और बिजलीघर के सामने फार्म हाउस पर कब्जा के दर्ज मुकदमे में हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह के पिता राजेश सिंह को अलग अलग कोर्ट से जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। दोहरे हत्याकांड के बाद अजय सिंह व उसके व उसके ताऊ राकेश सिंह के परिवार पर पुलिस ने एक के बाद एक कई मुकदमे दर्ज किये। दोहरे हत्याकांड के बाद सैजनी गाव में सरकारी जमीन पर साप्ताहिक बाजार लगाने व तहबाजारी वसूलने के मामले में राजेश सिंह व राकेश सिंह व परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। राजेश सिंह के अधिवक्ता के सोमेंद्र सिंह सोलंकी के मुताबिक इस मामले में राजेश सिंह की जमानत याचिका डकैती कोर्ट की न्यायाधीश रेखा शर्मा ने खारिज कर दी थी। इसके बाद वे इस मामले में हाईकोर्ट गये। हाईकोर्ट ने राजेश सिंह को जमानत दे दी। एक अन्य मामले फार्म हाउस पर कब्जे में जेएम प्रथम सागर तायल ने राजेश सिंह को जमानत दे दी। दोनों मामलों में जमानत मिलने के बाद राजेश सिंह को जेल से रिहा कर दिया गया।

### एचपीसीएल हत्याकांड के पांच आरोपियों पर आरोप तय

**बदायूं।** सैजनी स्थित एचपीसीएच के सीबीजी प्लांट में हुई डीजीएम सुधीर गुप्ता व डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या के मामले में हत्यारोपी व चार सहआरोपियों पर जिला जज विवेक संगल की कोर्ट ने आरोप तय कर दिये। कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह सहित पांचों आरोपियों के विरुद्ध आरोप तय किये। इस मामले की अगली सुनवाई तीन अगस्त तय की गई है। विदित हो 12 मार्च को एचपीसीएल के सैजनी स्थित सीबीजी प्लांट में हुये दोहरे हत्याकांड के 83वें दिन पुलिस ने अदालत में तीन जून को चार्जशीट दाखिल कर दी थी। करीब 200 से अधिक पन्नों की चार्जशीट में मुख्य आरोपी अजय प्रताप समेत पांच लोगों को नामजद किया था। पुलिस ने चार्जशीट में फोरेंसिक जांच, इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, चश्मदीद गवाहों के बयान तथा पूर्व में दर्ज मामलों से जुड़े तथ्यों को शामिल करते हुये चार्जशीट दाखिल की थी। दोहरे हत्याकांड में पुलिस जांच में सामने आया कि इस वारदात को सैजनी निवासी अजय प्रताप ने अंजाम दिया था। उसी रात हथियार बरामदगी के दौरान पुलिस पर गोली चलाने के दौरान हुई मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार किया था। चार्जशीट में अजय प्रताप के सगे भाई केशव, ताऊ के बेटे अभय, बोलेरो चालक धर्मेंद्र और प्लांट कर्मचारी मुनेंद्र विक्रम को भी आरोपी बनाया गया है। जांच में पाया गया कि अभय ने हथियार उपलब्ध कराए थे। धर्मेंद्र और मुनेंद्र ने वारदात को अंजाम देने में सहयोग किया। पुलिस का दावा था, सभी आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से घटना की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण इलेक्ट्रानिक साक्ष्य प्राप्त हुए। इनमें मोबाइल फोन की लोकेशन, कॉल डिटेल, डिजिटल संवाद और अन्य तकनीकी प्रमाण शामिल हैं। इसके अलावा घटना के पांच चश्मदीद गवाहों के बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराए गए थे, जिन्हें चार्जशीट का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया था। पुलिस की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट के बाद इस मामले में नौ जुलाई को सीजेएम मोहम्मद तौसीफ रजा की कोर्ट ने हत्याकांड की चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए केस फाइल जमा कर ली। इसके बाद दोहरे हत्याकांड का केस कोर्ट के रिकॉर्ड में आ गया था। आरोपी के अधिवक्ता सोमेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया, गुरुवार का जिला जज विवेक संगल की कोर्ट में इस मामले में आरोपियों पर आरोप ( चार्ज ) तय किये गये।

# शांतिपूर्ण कांवड़ यात्रा को लेकर फैजगंज बेहटा थाने में पीस कमेटी बैठक

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बिसौली।** आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को थाना फैजगंज बेहटा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, ग्राम प्रधानों, कांवड़ यात्रा से जुड़े युवाओं तथा डीजे संचालकों ने भाग लिया।

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद एसडीम बिसौली। -जागरण मोर्चा

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप जिलाधिकारी प्रियंका कुमारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे पूरी पवित्रता, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि यात्रा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें। एसडीएम ने विशेष रूप से डीजे संचालकों को निर्देशित किया कि वाहनों पर निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई तक साउंड बॉक्स न लगाए जाएं और ध्वनि की तय सीमा का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में एसडीएम प्रियंका कुमारी ने सभी से आपसी सौहार्द बनाए रखने, प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने तथा कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। इस दौरान कस्बे एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# हत्यारोपी अजय व उसके भाइयों को तीन मामले में जमानत, पिता जेल से बाहर

जागरण मोर्चा कार्यालय

**एचपीसीएल हत्याकांड**

**बदायूं।** एचपीसीएल के सीबीजी प्लांट में हुये दोहरे हत्याकांड के हत्यारोपी अजय प्रताप व उसके तीन भाइयों पर दर्ज अन्य तीन अलग- अलग मामलों में जमानत मिल गई है। फिलहाल दोहरे हत्याकांड के आरोपी होने के कारण जेल में ही हैं। इधर, तहबाजारी और फार्म हाउस पर कब्जा के मामले में आरोपी बनाये गये अजय प्रताप सिंह के पिता राजेश सिंह को जमानत देकर जेल से रिहा कर दिया गया।

विदित हो मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैजनी गांव स्थित एचपीसीलए के सीबीजी प्लांट में 12 मार्च को डीजीएम सुधीर गुप्ता व डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोहरे हत्याकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को गंभीरता को देखते हुये एसआईटी कमिश्नर, डीआईजी व खाद्य उपायुक्त की अगुवाई में बनाते हुये जांच रिपोर्ट देने को कहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस ने अजय प्रताप सिंह, केशव सिंह, अभय प्रताप सिंह व चंद्रशेखर सहित ताऊ व उनके भाई राजेश सिंह, राजेश सिंह की कोटेदार पत्नी के खिलाफ की गई शिकायतों को खंगालना शुरू किया। इसके बाद पिछले साल अक्टूबर में सैजनी में महिला पीएचसी बटालियन में जबरिया घुसने से रोकने पर सुरक्षा गार्ड सुल्तानपुर निवासी जगवरन सिंह यादव के साथ गई मारपीट की। इस मामले की सुरक्षा सुपरवाइजर आकाश कुमार की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी प्रकार सैजनी स्थित फार्म हाउस पर कब्जा करने का अलग मुकदमा दर्ज किया गया था। तीसरा मुकदमा प्लांट के कर्मचारी राहुल मिश्रा के साथ मारपीट के मामले में दी गई तहरीर के एक साल बाद यानी दोहरे हत्याकांड के बाद मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों के अधिवक्ता सोमेंद्र सिंह सोलंकी के मुताबिक तीनों ही मामालों में आरोपी अजय प्रताप सिंह, उसके भाई केशव सिंह, अभय प्रताप सिंह व चंद्रशेखर को जमानत मिल चुकी है। फिलहाल अभी तीनों को जेल में ही रहना होगा। चंद्रशेखर एक अन्य मामले में भी नामजद है। इसलिये उसे भी अन्य मामलों में जमानत होने तक जेल में रहना होगा।

# राहुल गांधी व उदित राज के खिलाफ दायर वाद कोर्ट ने किया खारिज

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अनीता प्रथम ने कांग्रेस के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के पूर्व सांसद व प्रवक्ता डॉ. उदित राज के खिलाफ दायर वाद को अदालत ने खारिज कर दिया है। इससे पहले एमपी-एमएलए कोर्ट ने घटना दिल्ली की बताकर उस समय अधिवक्ता की याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद अधिवक्ता ने 25 अगस्त 2025 को जिला जज की अदालत में फौजदारी निगरानी याचिका दायर की थी।

इस मामले को जिला जज ने अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) कोर्ट को भेजा था। तब से इस मामला विचाराधीन था। 16 फरवरी 2025 को कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद डॉ. उदित राज ने बसपा प्रमुख मायावती के बारे में बयान दिये थे। 17 फरवरी को एक्स पर बयान जारी किया। इसे लेकर अधिवक्ता जय सिंह सागर एमपी-एमएलए कोर्ट में तीन मार्च 2025 को याचिका दायर की गई थी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले को दिल्ली का बताकर उसे खारिज कर दिया था। इसके बाद अधिवक्ता ने 25 अगस्त 2025 को जिला जज की अदालत में फौजदारी निगरानी याचिका दायर की थी। इस मामले को जिला जज ने अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) कोर्ट अनीता को भेजा था। तब से इस मामले में सुनवाई चल रही थी। इस मामले में अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट-प्रथम) ने राहुल गांधी और उदित राज को बीती आठ जनवरी को नोटिस जारी किया था। इसमें कहा था कि दोनों नेता 29 जनवरी को अपना पक्ष रखने को स्वयं मौजूद रहें या फिर उनके अधिवक्ता। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हेमंत मिश्रा और डॉ. उदित राज की ओर से प्रांशु अग्रवाल न्यायालय में उपस्थित हुए और अपना प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठता अधिवक्ता हेमंत मिश्रा, डॉ उदित राज की ओर से प्रांशु अग्रवाल ने न्यायालय के समक्ष बहस की। कहा, इस संबंध में कोई भी साक्षी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया। न्यायालय को उपरोक्त मामले की सुनवाई का क्षेत्राधिकार प्राप्त नहीं था और मजिस्ट्रेट न्यायालय द्वारा पारित आदेश में कोई अनियमितता नहीं है। लिहाजा निगरानी निरस्त किए जाने योग्य है। निगरानीकर्ता की ओर से अधिवक्ता संदीप मिश्रा ने तर्क प्रस्तुत किया। उदित राज की ओर से प्रांशु अग्रवाल ने तर्क प्रस्तुत किया। अपर जिला जज अनीता प्रथम ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायालय ने अपने फैसला सुनाते हुए कहा कि जो आदेश पारित किया था, वह सही था आदेश में कोई त्रुटि या अनियमितता नही थी।

# कांवड़ यात्रा को लेकर बिसौली पालिका सतर्क, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बिसौली।** आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए नगर पालिका परिषद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष अबरार अहमद ने सफाई नायकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान नगर की साफ-सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। पालिका अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख स्थानों पर नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने सफाई कर्मियों को कांवड़ यात्रा मार्गों पर झाड़ियों की कटाई-छंटाई कराने, नालों और नालियों की नियमित सफाई करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि यात्रा के दौरान सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में नगर की स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखना पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संबंधित कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

# घरेलू हिंसा मामले में अदालत का फैसला, महिला को राहत

जागरण मोर्चा कार्यालय

> **पति को प्रताड़ना से रोका, हर माह 20 हजार रुपये देने के आदेश**
> **तीन लाख रुपये प्रतिकर देने के साथ पुलिस को कार्रवाई के निर्देश**

**सहसवान।** घरेलू हिंसा के एक मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट सहसवान की अदालत ने पीड़िता के पक्ष में एकपक्षीय आदेश पारित करते हुए पति को प्रताड़ना से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने भरण-पोषण, किराया और प्रतिकर राशि देने के साथ संबंधित थाना पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश भी दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट हरेंद्र सिंह की अदालत ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत दायर वाद की सुनवाई के बाद मोहल्ला बजरिया निवासी सृष्टि माहेश्वरी के पक्ष में निर्णय सुनाया। अदालत ने पति अंकुश माहेश्वरी, निवासी तुलसीवन देवी अट्टा रोड, वृंदावन (मथुरा) को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के मायके जाकर किसी प्रकार की प्रताड़ना या घरेलू हिंसा नहीं करेंगे। साथ ही अदालत ने पीड़िता को किराए के लिए प्रतिमाह पांच हजार रुपये तथा भरण-पोषण के लिए 15 हजार रुपये देने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त तीन लाख रुपये प्रतिकर के रूप में एकमुश्त अदा करने के भी निर्देश दिए गए। वाद में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि विवाह के बाद ससुराल पहुंचने पर उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया गया। रिश्तेदारों को मिलाई के रुपये न देने का आरोप लगाकर प्रताड़ित किया गया तथा उसके गहने उतरवा लिए गए। शिकायत में यह भी कहा गया कि उसे कमरे में बंद कर दिया गया था। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने सहसवान और वृंदावन थाना प्रभारियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि हर माह की दस तारीख तक 20 हजार रुपये का भुगतान किया जाए। यदि पति भुगतान नहीं करता है तो ससुर नीरज माहेश्वरी और सास उपदेश माहेश्वरी इस राशि के भुगतान के लिए उत्तरदायी होंगे।

### जन्मदिन बना सेवा का पर्व, एसएसपी अंकिता शर्मा की पहल सराही

**बदायूं।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के जन्मदिवस पर सोरो कासगंज लहरा रोड स्थित कुष्ठाश्रम एवं 'अपना घर' में रह रहे असहाय और जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन, वस्त्र, फल, मिठाई व खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। पुलिस लाइन इंचार्ज इन्द्रजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर जरूरतमंदों को अपने हाथों से भोजन कराया। कोतवाली प्रभारी लोकेश भाटी ने वितरण व्यवस्था संभाली। इस सेवा कार्य की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

कुष्ठ आश्रम में भोजन कराती एसएसपी बदायूं। -जागरण मोर्चा

**तैयारी** बाढ़ की आशंका को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों में सख्ती, अधिकारियों को 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश

# डीएम ने किया अटेना पुल व गंगा-रामगंगा तट का निरीक्षण

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बदायूं।** जनपद में नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी अवनीश राय ने दातागंज तहसील क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ की संभावित स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), उप जिलाधिकारी दातागंज तथा बाढ़ खंड के अधिकारियों के साथ गंगा नदी पर स्थित अटेना पुल के समीप संवेदनशील क्षेत्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नदी के जलस्तर, तटबंधों की स्थिति

और आसपास के गांवों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का आकलन किया। इसके बाद अधिकारियों की टीम ने रामगंगा नदी के किनारे बसे ग्राम गोटिया के पास जलभराव और कटाव की स्थिति का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने इस दौरान बाढ़ से बचाव के सभी जरूरी इंतजाम समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखी जाए और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित संभावित गांवों में ग्रामीणों की सुरक्षा, राहत सामग्री की उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं को लेकर सभी विभाग 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें। जलस्तर बढ़ने की स्थिति में बिना देरी के राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जाएं, ताकि जन-धन की हानि को रोका जा सके।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी दातागंज, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
www.jagranmorchadaily.com



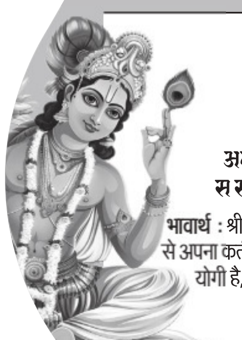

## गीता सार

अनाश्रितः कर्मफलं कार्यं कर्म करोति यः।
स सन्न्यासी च योगी च न निरग्निर्न चाक्रियः॥

**भावार्थ :** श्री भगवान ने कहा – जो मनुष्य बिना किसी फ़ल की इच्छा से अपना कर्तव्य समझ कर कार्य करता है, वही संन्यासी है और वही योगी है, न तो अग्नि को त्यागने वाला ही सन्यासी होता है, और न ही कार्यों को त्यागने वाला ही योगी होता है।

# मास्टर स्ट्रोक

नीट पेपर लीक को लेकर सड़क से संसद तक हंगामा मचा है। छात्र आंदोलन से शुरू हुए प्रदर्शन ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का फैसला लिया है। इसके बाद जहां विपक्ष इस फैसले के खिलाफ सदन में नारेबाजी कर रहा है, वहीं अब एनडीए के घटक दलों ने भी मोर्चा खोल दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता समेत कई नेताओं ने प्रधानमंत्री निवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच गुरुवार को भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में चर्चा से बचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस युवाओं को धोखा देने, उकसाने और गुमराह करने के अपने 50-60

वर्षों के लंबे इतिहास के कारण चर्चा के लिए आगे नहीं आएंगे। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि वे आगे आकर संसद में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करें। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर वे बहस में भाग लेते हैं तो उनका दोहरापन उजागर हो जाएगा। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की ये टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कागजात लीक में शामिल लोगों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने त्वरित अदालतों की स्थापना की बात कही थी। उन्होंने आगे कहा, 'हम खुली चुनौती देते हैं। आइए, हम संसद में नीट समेत हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी की राजनीतिक छवि एक भगोड़े की रही है। भाजपा सांसद और एडीए सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए के सांसद यहां कह रहे हैं कि संसद में नीट और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस नहीं चाहती कि सदन में इस पर चर्चा हो। भारतीय जनता पार्टी और एनडीए सरकार इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि छात्रों के हितों से बढ़कर कुछ नहीं है। वे इस बात को लेकर पक्के हैं कि दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इसलिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया गया ताकि तेजी से न्याय मिल सके और दोषियों को तुरंत सजा दी जा सके। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि गिरफ्तार किए गए 13 लोगों के खिलाफ बड़े वकील रखे जाएंगे। उन्हें सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभी माता-पिता अपने बच्चों को अच्छे संस्थानों में भेजना चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वे पढ़ाई में अच्छे हैं। लेकिन कुछ बच्चे पेपर लीक का बहाना बनाकर अपने माता-पिता को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि वे पढ़ाई में तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सिर्फ पेपर लीक होने की वजह से मुकाबला नहीं कर पाए।

### तीन भाषा फॉर्मूला

# कक्षा 9 नहीं 3 से लागू करना बेहतर

**डॉ. अनिता राठौर**

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि कक्षा 9 से तीन भाषा फॉर्मूला लागू करने से छात्र अनावश्यक तनाव में आ जाएंगे। अगर यह फॉर्मूला लागू भी करना है, तो इसे कक्षा 6 से लागू किया जाना चाहिए। न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना और न्यायाधीश आर. माधवन की खंडपीठ 16 जुलाई को मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील पर सुनवाई कर रही थी। मद्रास हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित किए जाएं, जो तीन भाषा नीति का पालन करते हैं। गौरतलब है कि तीन भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाएं भारत के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व वाली खंडपीठ के समक्ष विचाराधीन हैं।

तमिलनाडु सरकार का कहना था कि मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर राज्य की आपत्ति का संबंध तीन भाषा नीति से है। इससे उसे लगता है कि हिंदी को थोपा जा रहा है। लेकिन न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना और न्यायाधीश आर माधवन की खंडपीठ ने कहा कि नीति में कहीं नहीं कहा गया है कि हिंदी आवश्यक है। खंडपीठ के अनुसार, "राज्य की भाषा को पढ़ाया जाना है। अंग्रेजी को पढ़ाया जाना है और कोई तीसरी भाषा पढ़ानी है। इसमें हिंदी की कोई बाध्यता नहीं है।" इस दावे पर प्रतिक्रिया करते हुए कि तीसरी भाषा कक्षा 9 से लाजमी हो जाती है, न्यायाधीश नागरत्ना ने कहा, "नहीं, यह तो बहुत खराब है। नवीं कक्षा तो तनावपूर्ण होती है। आप नवीं कक्षा में नई भाषा क्यों थोपना चाहते हैं? इसे छठी कक्षा से लागू करें, यही बेहतर होगा।" सीबीएसई स्कूलों में कक्षा 9 से तीसरी भाषा लागू करने पर गहरी चिंता व्यक्त करके सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों, पैरेंट्स और टीचर्स के लिए आवाज उठाई है। दरअसल, तीन भाषा नीति कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जिसे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना चाहिए था, लेकिन वह पहुंचा। इस नीति के प्रभावों ने नए मुद्दों को जन्म दिया है और वह भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे हैं। खंडपीठ की टिप्पणी पूर्णतः समझदारी भरी है, जिसे नीति निर्माताओं और शिक्षा मंत्रालय को ख़ुद ही समझ लेना चाहिए था। यह तो मुमकिन ही न था कि मई 2026 में जल्दबाजी में लाए गए सर्कुलर-सेशन के बीच में तीन भाषा फ्रेमवर्क को लाजमी बनाना- पर आपत्ति न होती। सुप्रीम कोर्ट को छोड़िये, छात्रों व स्कूलों को ही सत्ता को बता देना चाहिए था कि इस किस्म की नीति छात्रों व संसाधनों पर अनुचित दबाव डालेगी। तीन भाषा फ्रेमवर्क- जिसमें अंग्रेजी को 'विदेशी' भाषा बना दिया गया है व इसके अतिरिक्त दो क्षेत्रीय भाषाएं- कारणहीन भय प्रतीत हो रहा है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी ने भी यह बहस नहीं की है कि स्कूल पाठ्क्रम के रूप में अनेक भाषाएं नहीं पढ़ानी चाहिएं। बच्चा तो जितनी अधिक भाषाएं सीखेगा, उतना ही अच्छा होगा। स्कूली शिक्षा का उद्देश्य ही यही होता है कि बच्चे को विश्व साहित्य, संस्कृति, विज्ञान

इमेज

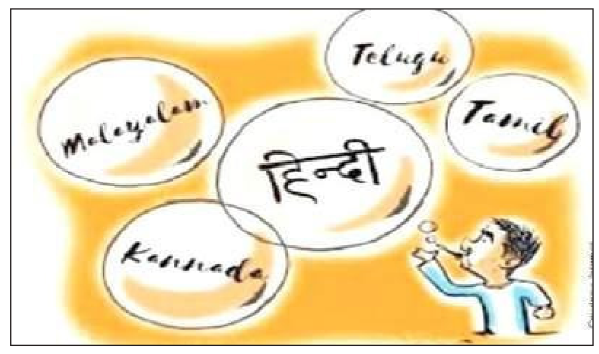


आदि से परिचित कराकर उसकी सोच का विस्तार किया जाए। लेकिन क्या यह संभव है कि सभी स्कूल, सभी आर्थिक व सामाजिक वर्ग, क्षेत्र और समुदाय बच्चों को शिक्षा के ये साधन उपलब्ध करा सकेंगे? नहीं। सीबीएसई का नया आदेश कि कक्षा 9 के छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी पड़ेंगी, जिनमें से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिएं, सुनने में बहुत अच्छा लगता है कि इसमें राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की संभावना है और वह छात्र अतिरिक्त बुद्धिमान हो जाता है, जो एक से अधिक भाषा जानता है। इसके अलावा अगर वह कोई विदेशी भाषा भी सीख लेता है, तो उसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ जाते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में 3-भाषा फार्मूला अराजकता व भ्रम को ही आमंत्रित करेगा, क्योंकि ट्रेंड टीचर्स की कमी है, आवश्यक पाठ्पुस्तकों का अभाव है और छात्र अपनी पसंद की भाषाएं नहीं पढ़ सकेंगे। इसका अर्थ है कि सरकार अपनी मर्जी की भाषाएं उन पर थोपेगी। इसलिए यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जो 3-भाषा फार्मूला की वैधता की जांच करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में 27 मई को शिक्षा मंत्रालय, सीबीएसई और एनसीईआरटी को नोटिस जारी किए थे। हालांकि अनेक विख्यात वकीलों ने 1 जुलाई से लागू हुए सीबीएसई के आदेश पर स्टे लगाने की मांग की थी, लेकिन भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने आग्रह को टाल दिया। खंडपीठ इस बात से सहमत नहीं थी कि 3-भाषा फार्मूला संघवाद में हस्तक्षेप करता है, लेकिन उसने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर व ट्रेंड टीचर्स की कमी के कारण छात्रों को मुश्किलें आएंगी, इस आधार पर इसकी समीक्षा की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस सिलसिले में अनेक याचिकाओं को स्वीकार किया हुआ है। दूसरी ओर एक नजरिया दो भाषा फॉर्मूला के पक्ष में है, जिसमें एक भाषा अंग्रेजी हो और दूसरी क्षेत्रीय भाषा हो। इस नजरिये के पक्षधरों का कहना है कि अंग्रेजी में प्रवीणता दोनों भारत व विदेशों के कार्य क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है और क्षेत्रीय भाषा बच्चों में न सिर्फ शुरुआती शिक्षा को प्रोत्साहित करती है बल्कि उन्हें अन्य भाषाएं सीखने के लिए भी प्रेरित करती है। इस नजरिये के पक्षधर क्षेत्रीय भाषा को 'मातृभाषा' की श्रेणी में नहीं रखते हैं; क्योंकि उनका मानना है कि आधुनिक समाज बहुआयामी-देशज पृष्ठभूमियों से बना हुआ है। तीसरी भाषा के संदर्भ में इन लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि बच्चे इससे परिचित नहीं हैं, चाहे विदेशी हो या भारत की क्षेत्रीय भाषा। जिन स्कूलों में इसे पढ़ाने के संसाधन हैं और दिलचस्पी रखने वाले पर्याप्त छात्र भी, उनमें तीसरी भाषा पढ़ाई जा रही है। तीसरी भाषा का पढ़ाया जाना पूर्णतः स्कूल की क्षमता व छात्रों की इच्छा पर छोड़ देना चाहिए। यह राजनेताओं व नीति-निर्माताओं का संकीर्ण दृष्टिकोण और संकुचित वृत्ति है, जो शिक्षा को शोकगीत बनाये हुए है। तीसरी भाषा के लिए सबसे अच्छी नीति यह है कि कोई नीति न हो। बहरहाल, दो भाषा फॉर्मूले के इस नजरिये से हर कोई सहमत नहीं है। तीन भाषा फ्रेमवर्क को लेकर समस्या कुछ और है। सीबीएसई का आदेश इस साल मई के मध्य में आया, यह कहते हुए कि जुलाई से 3-भाषा फार्मूला कक्षा 9 के छात्रों के लिए अनिवार्य होगा।

## श्रीरामचरितमानस

बहुरि बिलोकेउ नयन उघारी।
कछु न दीख तहं दच्छकुमारी॥
पुनि पुनि नाइ राम पद सीसा।
चलीं तहां जहं रहे गिरीसा॥

**भावार्थ :** फिर आंख खोलकर देखा, तो वहां दक्षकुमारी (सतीजी) को कुछ भी न दिख पड़ा। तब वे बार-बार श्री रामचंद्रजी के चरणों में सिर नवाकर वहां चलीं, जहां श्री शिवजी थे॥

### बाल कथा

# कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

**विजयपाल सिंह 'बालमन'**

दो एथलीट थे- सोनू और मोनू। वह आपस में बहुत अच्छे दोस्त थे। वह अपने स्कूल के लिए ट्रैक रनिंग किया करते थे। जब वह लगभग 14 साल के हुए तो उन्हें जिला स्तर के खेलों में भाग लेना था।

दोनों लड़के बहुत अच्छे एथलीट थे और एक ही मैदान में साथ प्रैक्टिस भी किया करते थे। एक दिन जब वह अपनी रोजाना की प्रैक्टिस से घर लौट रहे थे तो उनका स्कूटर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों के गंभीर चोटें आईं।

किस्मत से उन्हें सही समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया और उनकी जान बच गई। लेकिन उनकी चोटें ऐसी थीं कि ठीक होने के बाद भी उनके लिए सही से चलना मुश्किल था। इस बात से सोनू बहुत कुंठित हो गया और उसने तय किया कि वह अब कभी न दौड़ेगा व न किसी खेल में भाग लेगा। वह बहुत चिड़चिड़ा हो गया। उसे हर चीज व हर व्यक्ति से शिकायत होने लगी। वह हरदम गुस्से में रहता। उसने फिजियोथेरेपी भी नहीं कराई। इसलिए वह बेंत या बैसाखी के सहारे ही चल पाता था। गंभीर चोटें तो मोनू के भी आई थीं और शुरू में उसे भी सहारा लेकर ही चलना पड़ता था। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। वह अपनी आंटी के पास गया जो फिजियोथेरेपिस्ट थीं। उन्होंने मोनू को सरल एक्सरसाइज करने का तरीका सिखाया। एक्सरसाइज का शुरू में कोई असर नहीं पड़ा। लेकिन उसने प्रक्रिया पर विश्वास जारी रखा। वह फिजिकल थेरपी एक्सरसाइज नियमित करता। एक दिन भी एक्सरसाइज करना न छोड़ता। धीरे-धीरे उसके हाथ पैरों में ताकत बढ़ने लगी। लगभग दो वर्ष बाद वह बिना बेंत या सहारे के चलने लगा। आहिस्ता-आहिस्ता वह अपने शरीर के निचले हिस्से की स्ट्रेंथ पर काम करने लगा और जोगिंग करने के लायक भी हो गया। जब वह 17 साल का हुआ और स्कूल के अंतिम वर्ष में था तो वह अपने जिले के लिए दौड़ने लगा। अगले कुछ वर्ष तक उसने प्रतियोगिताओं में भाग लेना जारी रखा और वह राष्ट्रीय स्तर पर भी दौड़ा। दरअसल, चोटों से उबरने के लिए उसने जो अतिरिक्त एक्सरसाइज की थी उससे वह अपने अधिकतर समकालीनों से अधिक फिट हो गया। दोनों सोनू व मोनू को जीवन में गहरी चोटें मिली थीं। सोनू ने हार मान ली, जबकि मोनू ने हारने से इंकार कर दिया। मोनू ने कड़ी मेहनत का फैसला किया ताकि वह विपरीत स्थिति से बाहर निकल जाए।

## तिथि विशेष

## मनोज कुमार

भारतीय सिनेमा में जब भी देशभक्ति पर आधारित फिल्मों की चर्चा होती है, तो सबसे पहले अभिनेता, निर्देशक और निर्माता मनोज कुमार का नाम लिया जाता है। अपनी दमदार अभिनय शैली और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत

फिल्मों के कारण उन्हें 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म 24 जुलाई 1937 को एबटाबाद (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। विभाजन के बाद उनका परिवार दिल्ली में बस गया। उनका वास्तविक नाम हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी था, लेकिन फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार से प्रेरित होकर उन्होंने अपना नाम मनोज कुमार रख लिया। मनोज कुमार ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 1957 में की, लेकिन उन्हें वास्तविक पहचान 1965 में आई फिल्म 'शहीद' से मिली, जिसमें उन्होंने महान क्रांतिकारी भगत सिंह की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने ऐसी कई फिल्में दीं, जिन्होंने देशभक्ति की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी कपड़ा और मकान' तथा 'क्रांति' जैसी फिल्मों ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक अलग और सम्मानित स्थान दिलाया। उनकी फिल्म 'उपकार' तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान, जय किसान' के नारे से प्रेरित थी। इस फिल्म ने किसानों और सैनिकों के जीवन को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया और आज भी इसे भारतीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ देशभक्ति फिल्मों में गिना जाता है। मनोज कुमार ने अपनी फिल्मों के माध्यम से केवल मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी दिए। भारत सरकार ने उन्हें अनेक सम्मान प्रदान किए। वर्ष 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया और वर्ष 2015 में भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

### मानसून में सेहत

# बारिश के दिनों में हमारा पाचन तंत्र

**डॉ. माजिद अलीम**

बारिश की पहली फुहारें जहां हमें गर्मी से राहत दिलाती हैं, प्रकृति में ताजगी भर देती हैं, वहीं यह मौसम हमारे पाचनतंत्र के लिए सबसे कठिन परीक्षा भी बन जाता है। क्योंकि मानसून का मौसम आते ही पेट में दर्द, अपच, गैस, एसिडिटी, उल्टी, दस्त और फूड प्वाइजनिंग के मामले अचानक बढ़ने लगते हैं। सवाल है आखिर बारिश का मौसम हमारे पेट को बार-बार परेशान क्यों करता है? दरअसल मानसून में बढ़ी हुई नमी, बैक्टीरिया वायरस और फफूंद जैसे सूक्ष्म जीवों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। दूसरी ओर दूषित पानी, खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थ, बार-बार बदलता तापमान और हमारी खानपान संबंधी लापरवाहियां पाचनतंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं।

इमेज

विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में शरीर की पाचन क्षमता भी कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है, जिसमें तला-भुना और लंबे समय तक रखा भोजन आसानी से नहीं पचता। लेकिन अच्छी बात ये है कि मानसून में होने वाली अधिकांश पाचन समस्याओं से अगर हम थोड़ी सी सावधानी बरतें तो इनसे बचा जा सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि बारिश के मौसम में हमारा पाचनतंत्र किन कारणों से बार-बार बिगड़ता है और इसे स्वस्थ रखने के लिए हमें अपनी दिनचर्या में कौन से छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव करने चाहिए। जैसा कि ऊपर भी हमने जिक्र किया है, बरसात के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। यह नमी बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद जैसे सूक्ष्म जीवों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। इस मौसम में यदि लंबे समय तक भोजन खुला रखा रहा, तो उसमें सूक्ष्मजीव तेजी से पनपने लगते हैं। ऐसा भोजन खाने से फूड प्वाइजनिंग और पेट के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। दूसरा बड़ा कारण होता है दूषित पानी। बारिश के दिनों में कई क्षेत्रों में पेय जल प्रदूषित हो जाता है। इससे यदि सही से शुद्ध न किया जाए, तो उसमें मौजूदा हानिकारक जीवाणु और परजीवी सीधे आंतों तक पहुंचकर संक्रमण कर सकते हैं। यही कारण है कि मानसून में दस्त, हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस ए जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। तीसरा एक बड़ा कारण है बारिश के मौसम में शरीर की मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया सामान्य

दिनों के मुकाबले कुछ धीमी पड़ जाती है। ऐसे में बहुत अधिक तला-भुना, मसालेदार या भारी भोजन आसानी से नहीं पचता और गैस, एसिडिटी तथा अपच जैसी समस्याएं शुरु हो जाती हैं। बरसात के दिनों में सड़क किनारे मिलने वाले चाट, गोलगप्पे, कटे हुए फल, खुले जूस और लंबे समय तक खुले रखे खाद्य पदार्थ आकर्षक तो लगते हैं, लेकिन इनमें संक्रमण का खतरा बहुत होता है। कई बार, बार-बार गर्म किया गया तेल भी हमारी सेहत के लिए समस्या बन जाता है। क्योंकि ऐसे तेल में पकाया गया खाद्य पदार्थ हमारे पाचनतंत्र पर अतिरिक्त बोझ डालता है। साथ ही फ्रिज में कई दिनों तक रखा खाना भी नुकसानदायक होता है। क्योंकि मानसून में भोजन जल्दी खराब होता है, इसलिए ताजा भोजन सबसे सुरक्षित माना जाता है। इसलिए इस मौसम में बच्चों को, बुजुर्गों को, गर्भवती महिलाओं को, मधुमेह से पीड़ित लोगों को तथा लिवर या किडनी के मरीजों को अतिरिक्त रूप से सावधान रहना चाहिए। क्योंकि इनका प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर होता है। इस कारण इन्हें इस मौसम में संक्रमण बहुत तेजी से पकड़ता है। यदि दस्त या उल्टी लंबे समय तक बनी रहे, तेज बुखार आए, मल में खून दिखायी दे, तो तुरंत चिकित्सीय सलाह लेना जरूरी है। इस मौसम में हल्का, ताजा और आसानी से पचने वाला खाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहता है। मूंगदाल, दलिया, खिचड़ी, अगर डॉक्टर ने न मना किया हो तो दही, ताजी सब्जियां, मौसमी फल और घर का बना भोजन पाचनतंत्र को आराम देते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों को इस मौसम में बहुत अच्छी तरह से धोकर और पकाकर ही खाना चाहिए। क्योंकि इसमें मिट्टी और सूक्ष्म जीव चिपके हो सकते हैं। फलों को भी अच्छी तरह से धोकर खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीना भी इस मौसम में बहुत जरूरी है ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। अधपका मांस, बिना उबला दूध और दूषित पानी से बनी बर्फ तो मानो इस मौसम के लिए जहर ही है। साथ ही स्वच्छता का भी इस मौसम में बहुत ध्यान रखना चाहिए। खाना बनाने के पहले साबुन से हाथ धोना जरूरी है। रसोई को साफ सुथरा रखें। बर्तनों को अच्छी तरह से धोना और धूप में रखकर सुखाना भी जरूरी है। बचे हुए भोजन को हमेशा ढककर रखना चाहिए। रोज थोड़ा बहुत शारीरिक व्यायाम, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण और समय पर भोजन करने की आदत पाचनतंत्र को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## वायरल

### उत्तर प्रदेश का अनोखा मामला, तीन बहनों ने एक ही दूल्हे से की शादी

उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से शादी-ब्याह से जुड़ा एक हैरान कर देने वाला मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हसनपुर क्षेत्र के धौरिया गांव की रहने वाली तीन सगी बहनों ने एक कैमरामैन के साथ चामुंडा माता मंदिर में शादी कर ली। तीनों की उम्र 18 से 20 साल के

बीच है। शादी का वीडियो बुधवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हिंदूवादी संगठनों ने इसे सनातन धर्म और सामाजिक मर्यादा का उल्लंघन बताते हुए कड़ा विरोध जताया। जानकारी के मुताबिक, धौरिया गांव की रहने वाली सरोज (20 वर्ष), सावित्री (19 वर्ष) और संतोष (18 वर्ष) ने 17 जुलाई को चामुंडा माता मंदिर में अग्नि को साक्षी मानकर श्यामपुरी गांव निवासी कैमरामैन विकास उर्फ विक्कू ने बारी-बारी से तीनों बहनों की मांग में सिंदूर भरा और तीनों ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। हालांकि, इस दौरान दोनों पक्षों के परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। मंदिर प्रबंधक डॉ. शिवचरण दास ने स्पष्ट किया कि घटना के समय मंदिर में जीर्णोद्धार का काम चल रहा था और वहां कोई पुजारी मौजूद नहीं था।

## X का एक्सरे

पिछले दिन से अब तक सरकार प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों को चार औपचारिक प्रस्ताव भेज चुकी है। यह देश के सभी युवा साथियों के लिए खुला निमंत्रण है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए किसी भी समय और किसी भी स्थान पर तैयार है। सरकार इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बना रही है।

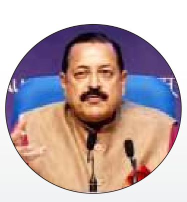

**डॉ. जितेंद्र सिंह**

सरकार ने पेपर लीक के मामलों में समय पर कार्रवाई की है। आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई, दोबारा परीक्षा समय पर कराई गई और उसके बाद समय पर परिणाम घोषित किए गए। कई छात्रों ने माना कि पेपर लीक की घटना से उन्हें शुरुआत में झटका लगा, लेकिन बाद में उन्होंने और मेहनत की।

**निर्मला सीतारमण**

अगर वे चर्चा के लिए तैयार होते, तो जिस दिन हमने इसकी मांग की थी, उसी दिन से शुरू हो जाती। वे तैयार क्यों नहीं थे? बाद में आपने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। हम सांसद हैं, लेकिन सत्ताधारी दल के लोगों ने खुद आज दरवाजा बंद कर दिया। उन्हें शर्म आनी चाहिए। प्रधानमंत्री अब तक चुप क्यों थे?

**मल्लिकार्जुन खरगे**

सम्मान मिलने से खुशी होती है, लेकिन सम्मान के बाद जो जिम्मेदारी बढ़ जाती है, वह अकल्पनीय है। यह सम्मान मुझे नेपाली भाषा और साहित्य के लिए और अधिक गंभीरता तथा प्रतिबद्धता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने की कोशिश करूंगा।

**पुष्पधर शर्मा**

## एक नजर

### आठ चिकित्सा अधिकारी बदले, विवेक गुप्ता को लोकबंधु की कमान

**लखनऊ।** यूपी में देर रात आठ चिकित्सा अधिकारियों का तबादला कर दिया गया। लखनऊ के लोकबंधु और बलरामपुर अस्तपाल को स्थाई निदेशक मिल गया है। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल और लोकबंधु राजनारायण चिकित्सालय को शुक्रवार को स्थाई निदेशक मिल गया है। बलरामपुर चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डा. विवेक गुप्ता को लोकबंधु राजनारायण चिकित्सालय का निदेशक और अपर निदेशक अयोध्या मंडल डा. ब्रजेश कुमार सिंह को बलरामपुर चिकित्सालय का निदेशक नियुक्त किया गया है। शासन की ओर से शुक्रवार शाम आठ डॉक्टरों को नई जिम्मेदारी दी गई है। इसमें बलरामपुर अस्पताल और लोकबंधु राजनारायण अस्पताल के निदेशकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा कानपुर नगर के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनमोहन आर्या को स्वास्थ्य महानिदेशालय में निदेशक बजट बनाया गया है।

# लखनऊ से देहरादून तक फैला नकली दवाओं का नेटवर्क ध्वस्त, एक करोड़ की फर्जी दवाएं जब्त

## एफएसडीए और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई, अमीनाबाद से डिजिटल साक्ष्यों ने खोला अंतरराज्यीय सिंडिकेट

जागरण मोर्चा कार्यालय

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ''जीरो टॉलरेंस'' नीति के तहत नकली दवाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ के अमीनाबाद में नकली दवाओं की बरामदगी से शुरू हुई जांच ने देहरादून में संचालित एक अवैध दवा निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दिया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और उत्तराखंड एफएसडीए के साथ संयुक्त कार्रवाई कर करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, पैकेजिंग सामग्री और आधुनिक मशीनरी बरामद की है। कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

मामले की शुरुआत 19 जुलाई को अमीनाबाद में दर्ज मुकदमे से हुई थी, जहां 43 प्रकार की संदिग्ध दवाएं बरामद हुई थीं। जांच में ''फ्लोजेन एए'' टैबलेट का नमूना नकली पाया गया। इसके बाद एफएसडीए ने विशेष प्रवर्तन टीम गठित कर मोबाइल डेटा, व्हाट्सएप चैट, पैकेजिंग पैटर्न और सप्लाई चेन की पड़ताल शुरू की। जांच में मुख्य सप्लायर के रूप में गाजियाबाद निवासी राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा का नाम सामने आया, जिसे 22 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया।

### क्या-क्या हुआ बरामद

- आधुनिक पैकिंग मशीन और स्ट्रिप मशीन।
- इंकजेट बेल्ट प्रिंटर, कंप्रेसर और अन्य उपकरण।
- बड़ी मात्रा में सेमी-फिनिश टैबलेट और कैप्सूल।
- नकली एल्युमिनियम फॉयल, रैपर और मास्टर कार्टन।
- कई नामी दवा कंपनियों के नाम से तैयार पैकेजिंग सामग्री।

गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल की डिजिटल फॉरेंसिक जांच में नकली दवाओं की पैकेजिंग, मशीनों और निर्माण से जुड़े दस्तावेज व चैट मिले। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड, ईस्ट होपटाउन स्थित फैक्ट्री का पता चला। संयुक्त टीम ने वहां छापा मारकर अलू-अलू पैकिंग मशीन, स्ट्रिप मशीन, इंकजेट प्रिंटर, कंप्रेसर, बड़ी मात्रा में सेमी-फिनिश टैबलेट, कैप्सूल, प्रिंटेड एल्युमिनियम फॉयल, रैपर और मास्टर कार्टन बरामद किए। जांच में सामने आया कि बिना लाइसेंस प्रसिद्ध कंपनियों के नाम से नकली दवाएं तैयार कर बाजार में भेजने की तैयारी की जा रही थी।

छापेमारी के दौरान क्लावैक्टम 625 और रेज़ो-डी समेत कई चर्चित दवा ब्रांडों की नकली पैकिंग सामग्री बरामद हुई। इसके अलावा सिप्ला, डॉ. रेड्डीज, इनटॉस, लूपिन और अन्य कंपनियों के नाम से छपे मास्टर कार्टन और पैकेजिंग सामग्री भी मिली। इस मामले में गौरव त्यागी, राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा, विपिन भटनागर और विनय चंद को नामजद किया गया है। राजेंद्र सिंह और विनय चंद को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं, जिनमें संगठित अपराध से संबंधित धारा 111 भी शामिल है, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने कहा कि प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ अभियान केवल जब्ती तक सीमित नहीं रहेगा। निर्माण, सप्लाई और बिक्री से जुड़े पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी और जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

## संक्षेप समाचार

### उत्तराखंड वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित चार माह के ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन

ग्राम दियां में 4 माह के ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के साथ लाभार्थी।

**खटीमा।** उत्तराखंड वित्त एवं विकास निगम उधम सिंह नगर की देखरेख में जनप्रिय सर्व समाज कल्याण समिति द्वारा 4 माह के ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को विधिवत्त समापन हुआ। ग्राम पंचायत दियां में चले इस प्रशिक्षण में 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभा कर लाभ लिया। ब्यूटी पार्लर एवं रूप सज्जा प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर के मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य शकुंतला देवी ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए लाभार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के क्षेत्र में क्षेत्र की 20 महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने वाले इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का महिलाओं से लाभ लेने की अपील की। संस्था सचिव ज्योति भट्ट ने यहां मौजूद लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर प्रशिक्षक चंद्र भट्ट, सोनी भट्ट, अंतरा, सोनी,लेकिन आरती सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थिति रही।

### एक दिन पूर्व हुई चोरी का कोतवाली पुलिस ने किया पर्दाफाश

**खटीमा।** कोतवाली पुलिस ने पुलिस अधीक्षक रुद्रपुर के निर्देश में 23 जुलाई को विगराबाग निवासी रामवती की दर्ज चोरी की रिपोर्ट के अनुसार अभियुक्त को चोरी के जेवरात सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त शेखर राणा को न्यायालय में पेश कर दिया। बिगराबाग निवासी रामवती पत्नी शेर सिंह राना ने तहरीर दी थी कि उसके घर की अलमारी के लॉकअप से आभूषण चोरी चले गए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच- पड़ताल शुरू कर दी। कोतवाली पुलिस ने उच्च अधिकारियों के निर्देशन में संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति शेखर राणा से भी पूछताछ की गई। पुलिस की सख्ती पर आरोपी टूट गया और अपना अपराध कबूल करते हुए चोरी के जेवरात की बात कबूल कर ली। अभियुक्ति ने पुलिस को बताया कि उसने बरुआ बाग सितारगंज में किराए के मकान में चोरी के जेवरात छिपा रखे हैं। पुलिस ने शेखर राणा पुत्र जगदीश राणा निवासी चांदपुर से चोरी के जेवरात बरामद कर लिए हैं। बरामद जेवरात में पौजी, कण करणफूल, मंगलसूत्र, लॉकेट सभी पीली धातु के सम्मिलित हैं। बरामद करने वाली टीम में ढ सिंह एसआई, किशोर कुमार, नवीन रजवार सहित उमेश जोशी आदि सम्मिलित थे।

### रिश्वत लेते उपनिदेशक और चकबंदी कानूनगो रंगे हाथों गिरफ्तार

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्थान मुरादाबाद के उपनिदेशक और जौनपुर के चकबंदी कानूनगो को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई सतर्कता अधिष्ठान की बरेली इकाई द्वारा की गई। यहां पर शिकायतकर्ता ने अंतग्रहीत किए गए बीज का सत्यापन एं टैग देने के एवज में 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग उत्तर प्रदेश बीज प्रमाणीकरण संस्था मुरादाबाद रूप सिंह द्वारा की गई थी। शिकायतकर्ता की शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान द्वारा ट्रैपिंग की गई और रिश्वत लेते रूप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई जौनपुर में शिकायतकर्ता मानसिंह की शिकायत पर की गई। यहां पर चकबंदी कानूनगो तहसील शाहगंज ने दाखिल आपत्ति पर रपोर्ट लगाने के एवज में 1 0 हजार रुपए की मांग की थी। इस दौरान ट्रैपिंग की गई और चकबंदी कानूनगो अनिल कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

## तीन अगस्त से शुरू होगा विधानमंडल का मानसून सत्र, आ सकता है अनुपूरक बजट

जागरण मोर्चा कार्यालय

**लखनऊ।** विधानमंडल का मानसून सत्र (तृतीय सत्र) आगामी 3 अगस्त से शुरू होने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे द्वारा जारी आदेश के मुताबिक विधानसभा का तृतीय सत्र आगामी 3 अगस्त को सुबह 11 बजे शुरू होगा। बता दें कि इससे पहले कैबिनेट ने विधानमंडल सत्र आहूत करने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी। विधानसभा सत्र के दौरान राज्य सरकार अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में है। साथ ही संभल हिंसा की न्यायिक जांच रिपोर्ट भी सदन के पटल पर रखी जाएगी। राज्य सरकार सत्र के दौरान कई प्रतिस्थानी विधेयक भी लेकर आएगी। सत्र के पहले दिन सपा विधायक आलम बदी के निधन की वजह से सदन में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी, जिसके बाद सदन की कार्यवाही 4 अगस्त तक स्थगित कर दी जाएगी।

## धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

**लखनऊ।** पुलिस ने धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन और दबाव बनाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बीमारी के इलाज, संतान प्राप्ति, आर्थिक सहायता और विवाह का लालच देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करते थे। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक भरसवा गांव निवासी अमित कुमार ने बृहस्पतिवार को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के चन्द्रभान, उसकी पत्नी आरती, सीमा, डेनियल, उसकी पत्नी सुबला, शीला और अजय रावत लगातार चर्च चलने का दबाव बनाते थे। उनका कहना था कि धर्म परिवर्तन करने पर संतान की प्राप्ति होगी।

## आबादी के करीब बाघ की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत, खेतों की ओर जाने से कतरा रहे किसान

जागरण मोर्चा कार्यालय

**खटीमा।** ग्राम बरी अंजनिया में एक बार फिर बाघ की मौजूदगी ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। आबादी के बेहद करीब बाघ की चहलकदमी की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। हालात ऐसे हैं कि किसान,मजदूर और पशुपालक खेतों और जंगल की ओर जाने से बच रहे हैं। लगातार हो रही बाघ की गतिविधियों ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है, वहीं शाम ढलते ही गांव में सन्नाटा पसर जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई दिनों से क्षेत्र में बाघ की आवाजाही बनी हुई है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। खेतों में काम करने जाने वाले लोग अब समूह में भी जाने से हिचक रहे हैं। पशुओं को चराने ले जाने वाले ग्रामीण भी सतर्कता बरत रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते बाघ की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।सूचना मिलते ही वन विभाग और रेस्क्यू टीम हरकत में आ गई। प्रभावित क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और वनकर्मी बाघ के पदचिह्नों की बारीकी से जांच कर उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाने में जुटे हैं। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है ताकि बाघ की हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।खटीमा वन क्षेत्राधिकारी हरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है और बाघ की लोकेशन ट्रेस करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे सतर्क रहें, अकेले खेतों या जंगल की ओर न जाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।इधर, ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ की गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने और क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जब तक बाघ को सुरक्षित तरीके से ट्रैक कर नियंत्रित नहीं किया जाता, तब तक गांव में भय का माहौल बना रहेगा।

ग्राम बरी अंजनिया में खेतों में मिले बाघ के पद चिन्ह। -जागरण मोर्चा

## पॉवर कॉरपोरेशन के अधिकारियों को सीएम योगी ने लगाई फटकार

जागरण मोर्चा कार्यालय

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ जिलों से कोटेदारों के उत्पीड़न की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने इस पर गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि सभी डीएम को निर्देश दिए कि जिला पूर्ति अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। यदि किसी अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की पुष्टि होती है तो तत्काल निलंबन के साथ खुली विजिलेंस जांच कराकर विधिक और विभागीय कार्रवाई की जाए।

उन्होंने शुक्रवार देर शाम शासन और फील्ड के वरिष्ठ अधिकरियों के साथ समीक्षा बैठक में पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों को ओवरबिलिंग पर जमकर फटकारा। उन्होंने सभी डिस्कॉम को ओवर बिलिंग की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश देते हुए कहा कि तकनीकी खामियों का बोझ आम उपभोक्ता पर नहीं पड़ना चाहिए।

प्रत्येक उपभोक्ता से उसके वास्तविक विद्युत उपभोग के अनुरूप ही बिजली का बिल लिया जाए और इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखें। अगले दो-तीन दिन में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समसामयिक विषयों और शासन के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा करें तथा उनके सुझावों के अनुरूप स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाएं। उन्होंने राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष बल देते हुए कहा कि चकबंदी से जुड़ी जनसमस्याओं का समाधान निष्पक्षता और मेरिट के आधार पर हो। ऐसे विवाद किसी भी स्थिति में सामाजिक सौहार्द प्रभावित करने का कारण नहीं बनने चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की कुछ नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। संभावित बाढ़ और कटान वाले क्षेत्रों में पहले से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रहें तथा स्थानीय प्रशासन लगातार निगरानी बनाए रखे। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल पर पहले की तरह नाम व पता दर्ज होगा। इसके लिए बिलिंग सॉफ्टवेयर में बदलाव किया जाएगा। पॉवर कॉर्पोरेशन के निदेशक (वाणिज्य) ने बदलाव का भरोसा दिया है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल पर उनका नाम हटाकर सिर्फ एक्स अंकित करके बिलिंग शुरू कर दी गई थी। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने इसके विरोध में विद्युत नियामक आयोग में विरोध प्रस्ताव भी दाखिल कर दिया।

## लखनऊ में आईजीआरएस शिकायतों पर बड़ा एक्शन: 60 प्रतिशत शिकायतकर्ता असंतुष्ट, डीएम ने 25 अधिकारियों का जून का वेतन रोका

जागरण मोर्चा कार्यालय

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री संदर्भ और आईजीआरएस (IGRS) शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी विशाख जी ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। समीक्षा में शिकायतों के समाधान को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतकर्ताओं ने असंतोष जताया, जिसके बाद विभिन्न विभागों के करीब 25 अधिकारियों का जून माह का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

जिलाधिकारी द्वारा जून माह में निस्तारित आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कुल 8237 शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लिया गया। इनमें से 4981 शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण को असंतोषजनक बताया, जो कुल फीडबैक का लगभग 60.47 प्रतिशत है। वहीं 3256 शिकायतकर्ताओं (करीब 39.53 प्रतिशत) ने समाधान पर संतोष जताया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि जिन 8237 मामलों का निस्तारण किया गया, उनमें संबंधित अधिकारियों ने केवल 4721 शिकायतकर्ताओं से ही संपर्क किया। जिलाधिकारी ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए। कार्रवाई की जद में कई महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारी आए हैं। इनमें जिला अल्पसंख्यक अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, सहायक प्रबंधक उद्योग, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, यूपी निदेशक कृषि अधिकारी, अधिशासी अभियंता (यांत्रिकी सिंचाई), अधिशासी अभियंता (जल निगम ग्रामीण), अधिशासी अभियंता (लेसा), अधिशासी अभियंता (सप्तम मंडल), उप जिलाधिकारी सदर, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज, बीकेटी, तहसीलदार मलिहाबाद, बीकेटी, सदर, मोहनलालगंज, सरोजनीनगर तथा नगर पंचायत काकोरी के अधिशासी अधिकारी शामिल हैं।

### शिकायत निस्तारण में गुणवत्ता पर रहेगा विशेष फोकस

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री संदर्भ और आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्णय | उत्तर प्रदेश रेरा का बड़ा फैसला

## 8 जिलों के घर खरीदारों को राहत, 15 नई रीयल स्टेट परियोजनाओं को मिली हरी झंडी

जागरण मोर्चा कार्यालय

**लखनऊ/गौतमबुद्ध नगर।** उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने राज्य के आठ जिलों की 15 नई रियत एस्टेट परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं में कुल अनुमानित निवेश 4826.31 करोड़ है। इन परियोजनाओ के माध्यम से लगभग 5303 आवासीय और व्यावसायिक इकाइयों का विकास किया जाएगा। इससे प्रदेश में नियोजित शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा व रियल एस्टेट क्षेत्र के विकास को मजबूती मिलेगी।

इन परियोजनाओं को यूपी रेरा मुख्यालय में आयोजित प्राधिकरण की 206वीं बैठक में मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में परियोजनाओं पर विचार किया गया। प्राधिकरण ने एक बार फिर पारदर्शी, नियमानुसार और समयबद्ध विकास सुनिश्चित करने के साथ-साथ घर खरीददारों के हितों की सुरक्षा और निवेशकों का विश्वास बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

मंजूर की गई परियोजनाओं में आवासीय, व्यावसायिक व मिश्रित श्रेणी की परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर आवास और आधुनिक व्यावसायिक सुविधाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होंगी। साथ ही यह भी सुनिष्ठित किया जाएगा कि सभी परियोजनाएं रेरा अधिनियम के प्रावधानों और निर्धारित समय सीमा के अनुसार पूरी हो। निवेश की संख्या और विकसित होने वाली इकाइयों के मामले में गौतमबुद्ध नगर पहले स्थान पर रहा। यहा 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनमें कुल 3275.70 करोड का अनुमानित निवेश होगा। इन परियोजनाओं के तहत 2565 इकाइयों का विकास किया जायेगा। इनमें एक एक आवासीय, व्यावसायिक और मिश्रित श्रेणी की परियोजना शामिल है, जिससे शहर में आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

## डायग्नोस्टिक सेंटर से 40 लाख के उपकरण ले जाने का आरोप

**लखनऊ।** जानकीपुरम सेक्टर सी, सीतापुर रोड योजना स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक ने साझेदारों पर दिनदहाड़े सेंटर में घुसकर करीब 40 लाख रुपये कीमत के चिकित्सा उपकरण और अन्य सामान ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाना विकासनगर में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकीपुरम सेक्टर-सी निवासी अनिकेत अनी के मुताबिक, उन्होंने एक अप्रैल 2026 को लिखित अनुबंध के तहत स्पेक्ट्रा डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन दो लोगों को किराये पर दिया था। अनुबंध के अनुसार हर महीने 1.50 लाख रुपये किराया तय था, लेकिन एक माह का अग्रिम किराया देने के बाद आरोपियों ने कोई भुगतान नहीं किया। साथ ही अनुबंध की अन्य शर्तों और वैधानिक दायित्वों का भी पालन नहीं किया गया।

## जंतर-मंतर प्रदर्शकारियों के बीच भाजपा भेज रही हैं अपने लोग, चढ़ावा चोरी के कृत्यों से देश है शर्मिंदा

जागरण मोर्चा कार्यालय

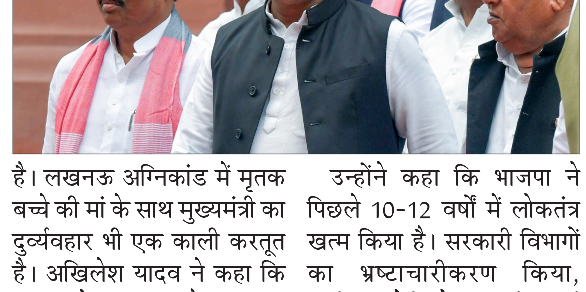

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को गलत साबित करती है। लेकिन जब उन्हें 'भाजपाई' कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के घरों, दुकानों व गाड़ियों से अब भाजपा के झंडे उतर गए हैं। वे भाजपा की अयोध्या में चढ़ावा-चंदा-दान चोरी जैसे कृत्यों से शर्मिंदा हैं। दिल्ली में बच्चियों पर प्रहार, मुंबई में आंदोलनकारियों को ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी भी शर्मिंदगी का कारण है। लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री का दुर्व्यवहार भी एक काली करतूत है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के सशुल्क और निशुल्क समर्थक अब किसी काम नहीं आ रहे हैं। वे जनाक्रोश देखकर ही घर से बाहर निकल रहे हैं, वह भी मजबूरी में। उनके व्हाट्सएप समूह भी ठंडे पड़े हैं। कट्टर समर्थक भी भाजपा की कारस्तानियों से समझ गए हैं कि वे खुद गलत थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 10-12 वर्षों में लोकतंत्र खत्म किया है। सरकारी विभागों का भ्रष्टाचारीकरण किया, कमीशनखोरी से महंगाई बढ़ाई और शिक्षा-परीक्षा में धांधली की। खरबपतियों के लिए श्रमिक पैदा किए, बलात्कारियों को बचाया और अमेरिकी कांड में मंत्री को नहीं हटाया। उत्तराखंड या उत्तर प्रदेश की बेटियों के बलात्कारियों को बचाया गया।

## एक नजर

### बरसात के बाद छप्परपोश घर गिरे, बाल-बाल बचा परिवार

**पूरनपुर।** क्षेत्र के सिंघाड़ा टाटरगंज गांव में लगातार हुई बरसात के बाद दो छप्परपोश घर गिर गए। हादसे के समय परिवार के लोग घर के आसपास मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग बाल–बाल बच गए। गांव निवासी सतनाम और बलजिंदर पिता पुत्र है। दोनों लोग छप्परपोश घर में रहकर भरण पोषण करते है। बताया कि बरसात के कारण उनके छप्परपोश घर काफी कमजोर हो गए थे। शुक्रवार को अचानक दोनों घर गिर गए। घर गिरने से परिवार में अफरा–तफरी मच गई। परिजनों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। पीड़ित परिवारों का कहना है कि मकान गिरने से अनाज, कपड़े, घरेलू सामान सहित अन्य जरूरी वस्तुएं क्षतिग्रस्त हो गईं। गरीब परिवारों के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कई कच्चे और छप्परपोश मकानों को नुकसान पहुंच रहा है।

# नन्हे गणितज्ञों ने दिखाया हुनर, लिटिल एंजल्स विद्यालय में मैथ्स क्विज प्रतियोगिता बनी प्रतिभा का मंच

## कक्षा 2 से 4 तक के विद्यार्थियों ने तर्कशक्ति और गणनात्मक क्षमता का किया शानदार प्रदर्शन

जागरण मोर्चा कार्यालय

लिटिल एंजल्स विद्यालय में आयोजित गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के साथ विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं प्रबंधन।। –जागरण मोर्चा

**पीलीभीत।** लिटिल एंजल्स विद्यालय में शुक्रवार को विद्यार्थियों की गणितीय क्षमता को निखारने और उनमें तार्किक सोच विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा 2 से कक्षा 4 तक के बच्चों के लिए कक्षा-स्तरीय गणित प्रश्नोत्तरी (मैथ्स क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों से गणित के विभिन्न रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने तेजी से उत्तर देकर न केवल अपनी गणनात्मक क्षमता का परिचय दिया, बल्कि तर्कशक्ति और एकाग्रता का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा। परिणाम घोषित होने पर कक्षा 2 (हूपूज) में वीरांश ने प्रथम, अभीर ने द्वितीय तथा वान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 2 (वुडपेकर) में अक्षत मौर्य प्रथम, अयांश कुमार द्वितीय और सौर्या वर्धन तृतीय स्थान पर रहे, जबकि अनय अग्रवाल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 2 (ओरियल्स) में रियांश गोयल, रियांश गुप्ता, सात्विक सरीन एवं वियान गुप्ता को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कक्षा 3 (हूपूज) में यथार्थ, सेफुल्ला एवं अथर कुलश्रेष्ठ ने सराहनीय प्रदर्शन किया। कक्षा 3 (वुडपेकर) में यल्माज, प्रत्यूष तथा रिद्धि अग्रवाल को सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा 3 (ओरियल्स) में सिवांशी ने प्रथम, दक्ष ने द्वितीय तथा ओजस्वित दीक्षित ने तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 4 (हूपूज) में बीबी आयशा प्रथम, आइज़ा द्वितीय और करीमा तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 4 (वुडपेकर) में प्रणय ने प्रथम, नक्ष ने द्वितीय तथा समर्थ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 4 (ओरियल्स) में राजवर्धन प्रथम, नुहा भुट्टो द्वितीय और आरब कटियार तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का सफल संचालन विद्यालय की शिक्षिकाओं गुरप्रीत, तय्यबा, साक्षी और प्रज्ञा ने किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ विषय के प्रति रुचि और तार्किक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

# आठ साल पुराने पॉक्सो मामले में दोषी को सजा अदालत ने सुनाया तीन वर्ष का कठोर कारावास

जागरण मोर्चा कार्यालय

**ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत जहानाबाद पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी रंग लाई, दोषी पर 18 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया**

**पीलीभीत।** पीलीभीत पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। वर्ष 2018 में दर्ज पॉक्सो और महिला उत्पीड़न के मामले में प्रभावी विवेचना और मजबूत पैरवी के चलते विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कठोर कारावास तथा 18 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के निर्देशन में अपराधियों को न्यायालय से दंडित कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना जहानाबाद पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन पक्ष ने न्यायालय में प्रभावी ढंग से पक्ष रखा। प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषसिद्ध माना। पुलिस के अनुसार, 7 अप्रैल 2018 को थाना जहानाबाद में मु.अ.सं. 124/2018 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 354, 504, 506 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7/8 में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर 25 मई 2018 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। मामले की सुनवाई एएसजे/पॉक्सो एक्ट-2 न्यायालय, पीलीभीत में हुई। न्यायालय ने पुलिस और अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए 24 जुलाई 2026 को आरोपी सम्मेरलाल पुत्र बुद्धसेन, निवासी ग्राम सकतपुर, थाना जहानाबाद, जनपद पीलीभीत को सभी आरोपों में दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी को तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाने के साथ कुल 18 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन कन्विक्शन का उद्देश्य गंभीर मामलों में त्वरित और प्रभावी पैरवी के माध्यम से अपराधियों को न्यायालय से शीघ्र दंडित कराना है, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके और अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

# राहुल गांधी-डॉ. उदित राज को बड़ी राहत, बदायूं सेशन कोर्ट ने रिवीजन याचिका की खारिज

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पीलीभीत।** कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा डॉ. उदित राज के खिलाफ दायर रिवीजन याचिका को बदायूं के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) प्रथम की अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा पूर्व में पारित आदेश विधिसम्मत था और उसमें किसी प्रकार की त्रुटि या अनियमितता नहीं पाई गई। इसलिए निगरानी (रिवीजन) याचिका में कोई दम नहीं है। मामला उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें अधिवक्ता जय सिंह सागर ने आरोप लगाया था कि डॉ. उदित राज ने बसपा प्रमुख मायावती के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और राहुल गांधी को भी मामले में पक्षकार बनाया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने क्षेत्राधिकार एवं प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध न पाए जाने के आधार पर याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद इस आदेश को सत्र न्यायालय में चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान पीलीभीत के वरिष्ठ अधिवक्ता हेमंत मिश्रा ने राहुल गांधी की ओर से पक्ष रखते हुए अदालत में दलील दी कि उनके मुवक्किल को बिना किसी ठोस साक्ष्य के केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से मुकदमे में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता यह भी स्पष्ट नहीं कर सका कि कथित बयान कब, कहां और किस माध्यम से सुना या देखा गया। ऐसे में मजिस्ट्रेट का आदेश पूरी तरह विधिसम्मत है और उसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। डॉ. उदित राज की ओर से अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने भी अदालत में अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों की विस्तृत बहस सुनने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा और बाद में रिवीजन याचिका को निरस्त कर दिया। फैसले के बाद पीलीभीत के अधिवक्ता हेमंत मिश्रा ने कहा कि न्यायालय ने उपलब्ध तथ्यों और विधिक प्रावधानों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय दिया है। यह फैसला न्यायपालिका की निष्पक्षता और विधि के शासन में जनता के विश्वास को और मजबूत करता है। उन्होंने इसे सत्य और न्याय की जीत बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका संविधान की सर्वोच्च संरक्षक है और प्रत्येक पक्ष को न्यायालय से निष्पक्ष न्याय मिलने का विश्वास कायम रहना चाहिए।

# भक्ति की राह पर बाबू, लेकिन सरकारी भुगतान जारी!

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पीलीभीत।** सरकारी सेवा में अर्जित अवकाश का अर्थ होता है कि कर्मचारी निर्धारित अवधि तक अपने सरकारी दायित्वों से पूरी तरह मुक्त रहेगा। लेकिन जिले के एक विकासखंड में तैनात एक लिपिक को लेकर सामने आई चर्चाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि संबंधित कर्मचारी अमरनाथ यात्रा पर 10 दिन के अर्जित अवकाश पर थे, बावजूद इसके उसी दौरान उनके सरकारी डोंगल के माध्यम से ऑनलाइन वित्तीय भुगतान स्वीकृत किए गए। मामला सामने आने के बाद विकासखंड कार्यालय से लेकर जिला मुख्यालय तक इसकी चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रशासनिक हलकों में इसे लेकर यह सवाल उठ रहा है कि जब कर्मचारी अवकाश पर था, तब सरकारी भुगतान प्रक्रिया में उसकी डिजिटल भागीदारी कैसे बनी रही। सूत्रों के अनुसार सरकारी वित्तीय भुगतान, डिजिटल प्रमाणीकरण और ऑनलाइन स्वीकृति जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के तहत संचालित होती हैं। सामान्य परिस्थितियों में अवकाश पर गए कर्मचारी से ऐसी प्रशासनिक कार्रवाई की अपेक्षा नहीं की जाती। ऐसे में यदि छुट्टी के दौरान सरकारी डोंगल का उपयोग कर भुगतान स्वीकृत किए गए हैं तो पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच जरूरी मानी जा रही है। इस घटनाक्रम के बाद कई तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसी कौन-सी आवश्यकता थी, जिसके चलते यात्रा के दौरान भी भुगतान प्रक्रिया पूरी करनी पड़ी। कुछ लोग यह भी जानना चाहते हैं कि जिन फाइलों के भुगतान में सामान्य दिनों में विलंब होता है, वे अवकाश अवधि में इतनी तेजी से कैसे निपटा दिए गए। प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि यदि कोई कर्मचारी अवकाश के दौरान सरकारी डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर वित्तीय कार्य करता है, तो यह जांच का विषय बन सकता है। जांच से यह स्पष्ट हो सकेगा कि कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ और यदि हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी बनती है।

अब पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका पर निगाहें टिकी हुई हैं। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मामला केवल सेवा अनुशासन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी भुगतान प्रणाली की पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा। वहीं यदि मामले की जांच नहीं कराई जाती है तो प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठना स्वाभाविक माना जा रहा है।

# ईटों का बोझ बना मौत का सबब, ट्रॉली पलटते ही राजमिस्त्री की थम गई सांसें

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पीलीभीत।** शहर कोतवाली क्षेत्र के देशनगर बाहर चुंगी में सड़क निर्माण कार्य के दौरान शुक्रवार को लापरवाही ने एक मजदूर की जिंदगी छीन ली। इंटरलॉकिंग के लिए लाई गई ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक असंतुलित होकर पलट गई, जिससे उसके पास काम कर रहा राजमिस्त्री नीचे दब गया। गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल में मचे कोहराम के दौरान एक शातिर युवक ने मृतक के भाई का पर्स उड़ाने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर ही उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक, इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली में बड़ी संख्या में ईंटें लाई गई थीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रॉली पहले से ही खराब हालत में थी। एक तरफ ईंटें उतारने के बाद जब दूसरी ओर से ईंटें खाली की जा रही थीं, तभी वजन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली अचानक पलट गई। हादसे के समय जंगरौली निवासी प्रेमचंद्र पुत्र गेंदनलाल ट्रॉली के पास राजमिस्त्री का काम कर रहे थे। पल भर में ट्रॉली उनके ऊपर आ गिरी। आसपास मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उधर, प्रेमचंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। रोते-बिलखते परिवार के बीच अफरा-तफरी का माहौल था। इसी भीड़ का फायदा उठाकर एक युवक ने मृतक के भाई प्रीतम राम की जेब से पर्स निकाल लिया। हालांकि अस्पताल में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उसकी हरकत देख ली और तत्काल पकड़कर शहर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने अस्पताल और दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शहर कोतवाल प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि दुर्घटना और चोरी, दोनों मामलों में अलग-अलग कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ट्रॉली पलटने के पीछे तकनीकी खामी, लापरवाही या अन्य कोई कारण तो जिम्मेदार नहीं था।

## संक्षेप समाचार

### जनपद में दूसरे दिन भी पुलिस का सख्त पहरा, विपक्षी नेताओं की गतिविधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर

पुलिस की ग्राफ्ट में सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर। –जागरण मोर्चा

**पीलीभीत।** जनपद में लगातार दूसरे दिन भी पुलिस प्रशासन की सख्ती देखने को मिली। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र मिश्रा 'कट्टर' को दूसरे दिन भी उनके आवास पर पुलिस निगरानी में रखा गया। इसके साथ ही जिले के कई अधिवक्ताओं और विभिन्न विपक्षी दलों से जुड़े नेताओं की गतिविधियों पर भी प्रशासन ने कड़ी नजर बनाए रखी। इस कार्रवाई ने जिले की राजनीतिक फिजा को गर्मा दिया है और विपक्षी दलों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश करार दिया है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि संभावित विरोध–प्रदर्शन और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाए गए हैं। हालांकि पुलिस ने औपचारिक रूप से "हाउस अरेस्ट" शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन संबंधित नेताओं के आवासों पर पुलिस बल की तैनाती और उनकी आवाजाही पर निगरानी ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। सपा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और इस प्रकार की कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। जानकारी के अनुसार, केवल सपा नेता ही नहीं बल्कि बार से जुड़े कुछ अधिवक्ता और अन्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी प्रशासन की निगरानी में हैं। माना जा रहा है कि किसी संभावित बड़े आंदोलन की आशंका को देखते हुए प्रशासन पहले से ही पूरी सतर्कता बरत रहा है।इस मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का कहना है कि जनपद में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी और आवश्यकतानुसार एहतियाती निगरानी की जा रही है। लगातार दूसरे दिन हुई इस कार्रवाई के बाद पीलीभीत की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए सरकार और प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन इसे पूरी तरह कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया एहतियाती कदम बता रहा है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन आगे क्या निर्णय लेता है और नजरबंद नेताओं पर लगी पाबंदियां कब हटाई जाती हैं।

### "विकास के दावों की खुली पोल! 10 साल से सड़क बदहाल, श्मशान तक जाने को रास्ता नहीं; ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार"

**पीलीभीत।** एक तरफ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और बेहतर आधारभूत सुविधाओं के दावे कर रही है, लेकिन दूसरी तरफ विकासखंड ललौरीखेड़ा का ग्राम नांदपसियापुर आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जिंदगी गुजारने को मजबूर है। गांव तक पहुंचने वाली सड़क पिछले करीब एक दशक से बदहाल पड़ी है, जबकि श्मशान घाट तक जाने के लिए भी कोई पक्का और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध नहीं है। वर्षों से चली आ रही इन समस्याओं से त्रस्त ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कुमुद गंगवार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेताया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।ज्ञापन में बताया गया कि खमरियापुल–कनकोर संपर्क मार्ग से ग्राम नांदपसियापुर तक जाने वाली सड़क करीब 10 वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी है। सड़क जगह–जगह से टूट चुकी है और बरसात में यह पूरी तरह कीचड़ और जलभराव में तब्दील हो जाती है। हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है, जबकि दोपहिया और चारपहिया वाहन अक्सर फंस जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस बदहाल सड़क का सबसे अधिक खामियाजा किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में भारी दिक्कत होती है। स्कूली बच्चों को रोज जोखिम उठाकर स्कूल जाना पड़ता है, जबकि गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी समय बर्बाद होता है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। वर्षों बीत जाने के बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ज्ञापन में गांव की दूसरी सबसे गंभीर समस्या श्मशान घाट तक जाने वाले मार्ग की भी उठाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि अंतिम संस्कार के लिए आज भी कोई समुचित रास्ता नहीं है। बरसात के दौरान शवयात्रा को कीचड़ और दुर्गम रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है, जो न केवल बेहद कष्टदायक है बल्कि मानवीय गरिमा के भी विपरीत है।उन्होंने कहा कि सड़क और श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई देगा। ज्ञापन देने वालों में छोटेलाल , रविंद्र, लव कुश, हेमंत, सुरजीत सहित तमाम ग्रामीण शामिल रहे।

**वाह** जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी ने कहा किसानों के हक की लड़ाई को गांव–गांव तक

# भाकियू (टिकैत) ने संगठन विस्तार को दी नई धार, फ़ैज़ान बने सदर तहसील उपाध्यक्ष

जागरण मोर्चा कार्यालय

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के संगठन विस्तार कार्यक्रम में नवनियुक्त सदर तहसील उपाध्यक्ष फ़ैज़ान का स्वागत करते जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी एवं अन्य पदाधिकारी। –जागरण मोर्चा

**पीलीभीत।** भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने जनपद में संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को संगठन विस्तार अभियान के तहत कई नए पदाधिकारियों की घोषणा की। इस दौरान किसान नेता फ़ैज़ान को सदर तहसील उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसानों की आवाज को और अधिक मजबूती देना तथा गांव-गांव तक संगठन की पहुंच बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि नए पदाधिकारियों के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और किसान हितों से जुड़े मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) हमेशा किसानों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी यह संघर्ष पूरी मजबूती से जारी रहेगा। कार्यक्रम में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और उन्हें संगठन की जिम्मेदारियां सौंपते हुए शुभकामनाएं दी गईं। जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह विर्क ने बताया कि संगठन विस्तार अभियान लगातार जारी रहेगा। आने वाले समय में जिले के अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़कर किसान हितों की लड़ाई को और मजबूत किया जाएगा, ताकि किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जा सके।

# 'किसने सजाया तुमको मोहन...' भजन पर झूम उठे श्रद्धालु

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पीलीभीत।** नगर के चौक बाजार स्थित श्री लक्ष्मी नारायण देवी प्रसाद धाम में विराजमान खाटू श्याम मंदिर में शुक्रवार रात आयोजित श्री श्याम मित्र मंडल की संकीर्तन संध्या भक्ति और आस्था का अनुपम संगम बन गई। देर रात तक चले भव्य श्याम संकीर्तन में सैकड़ों श्रद्धालु बाबा श्याम के भजनों पर झूमते रहे। पूरा मंदिर परिसर "जय श्री श्याम", "जय श्री राम" और "जय हनुमान" के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से खाटू श्याम बाबा के दिव्य दरबार की सजावट के साथ हुआ। बाबा के चित्र को आकर्षक सिंहासन पर विराजमान कर पुष्पों एवं मालाओं से भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद पूजन-अर्चन, अखंड ज्योति प्रज्ज्वलन और छप्पन भोग अर्पित कर भगवान गणेश का आवाहन किया गया।

भजन गायक अमित अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, गुड़िया सर्राफ ने जब "किसने सजाया तुमको मोहन, बड़ा प्यारा लागे, बड़ा नीका लागे..." भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु भाव-विभोर होकर तालियों की गूंज के साथ झूमने लगे। इसके बाद श्याम भक्त बबल (निखार प्रिंटर्स) ने "कीर्तन की है रात बाबा, आज थाणे आणो है, कौल निभाणो है..." भजन सुनाकर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अरुण भारद्वाज ने "लुट रहा रे... श्याम का खजाना लुट रहा रे..." भजन की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

संकीर्तन के दौरान बरेली से प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र के वितरक राकेश बंसलिया ने बाबा श्याम के दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं पर टॉफी, चॉकलेट, मेवा और फलों का प्रसाद वितरित किया। प्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अखंड ज्योति के समक्ष पहुंचे।

संकीर्तन संध्या में दिलीप अग्रवाल (गुड्डू), महेश अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, राजीव त्रिवेदी, विवेक त्रिवेदी, अजय किशोर शर्मा, सुनील शुक्ला, सुनील दीक्षित, संतोष भारद्वाज, अनीता वर्मा, सुनीता रस्तोगी, रितिका सहगल, शिवम सहगल, बिट्टू सहगल, प्रदीप अग्रवाल, पारस गुप्ता, श्री लक्ष्मी नारायण देवी प्रसाद धाम के सर्वराकार रविंद्र मोहन भटनागर तथा खाटू श्याम मंदिर के महंत आशीष त्रिपाठी सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। मध्यरात्रि तक चले इस धार्मिक आयोजन का समापन सामूहिक श्याम आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु भजनों पर नृत्य करते रहे और मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

## एक नजर

### करंट से किशोर झुलसा, हालत गंभीर

**बीसलपुर।** नगर के मोहल्ला हबीबुल्ला खां शुमाली में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घर पर चार्ज हो रहे ई-रिक्शा में प्रवाहित विद्युत करंट की चपेट में आने से एक 14 वर्षीय किशोर बुरी तरह झुलस गया। मोहल्ला हबीबुल्ला खां शुमाली निवासी हजारीलाल ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। रोजाना की तरह शुक्रवार को भी उन्होंने अपना ई-रिक्शा घर पर चार्जिंग पर लगा रखा था। इसी दौरान उनका 14 वर्षीय पुत्र प्रियांशु पास से गुजर रहा था, तभी अचानक वह चार्जर के तार में बह रहे तेज विद्युत करंट की चपेट में आ गया। करंट लगते ही प्रियांशु की हालत बिगड़ गई और वह झुलसकर मौके पर ही गिर पड़ा। परिजनों को जैसे ही घटना की भनक लगी, घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने आनन-फानन में किशोर को संभाला और तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

# वृद्ध की हत्या करने में परिजनों पर शक, जांच में जुटी पुलिस

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बीसलपुर।** कोतवाली क्षेत्र के ग्राम वैध खेड़ा में झोपड़ी में सो रहे वृद्ध की पिटाई कर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस के शक की हुई परिजनों की ओर घूम गई है। हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुट गई है। मालूम हो कि ग्राम वैद्य खेड़ा निवासी 70 वर्षीय नारायण लाल बुधवार को गांव के किनारे पड़ी अपनी झोपड़ी में लेटे हुए थे।

रात्रि 11:00 बजे के आसपास अज्ञात हमलावर उन्हें झोपड़ी से उठा ले गए थे और गांव के बाहर ले जाकर डंडों से बेरहमी से पिटाई की थी। उनके गुप्तांग पर भी हमला किया था। वृद्ध को मरणासन्न अवस्था में छोड़कर हमलावर भाग गए थे। घायल को अचेत अवस्था में लेकर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए थे। जिला अस्पताल ली जाते समय वृद्ध की मृत्यु हो गई थी। मृतक धर्मवीर ने गुरुवार को कोतवाली में अज्ञात हमलावर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि वृद्ध की हत्या करने में शक परिवार पर जा रहा है। वृद्ध अविवाहित था। उसके नाम जो सरकारी आवास बना था उस पर भतीजा धर्मवीर रह रहा है। मृतक गांव के किनारे झोपड़ी डालकर उसमे गुटका बिक्री कर अपना गुजारा करता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आते ही इस मामले में हत्या की धारा को बड़ा दी जाएगी।

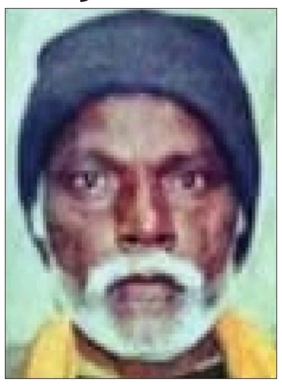

मृतक वृद्ध का फाइल फोटो।

वृद्ध की खाली पड़ी झोपड़ी।

### एक सप्ताह पहले भी हुआ लाखों की जमीन को लेकर झगड़ा

मृतक नारायण लाल कि गांव में सड़क के किनारे ढाई बीघा कीमती खेत है। इस खेत के पास ही झोपड़ी डालकर रह रहा था उसमें अपनी छोटी सी दुकान चलाता था। अविवाहित होने के कारण अकेला रहता था। उसके नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ था जिसे उसने रहने के लिए अपने भतीजे धर्मवीर को दे दिया था। उसकी कीमती जमीन को उसके दूसरे भाई के बेटे लेना चाहते थे इसी को लेकर एक सप्ताह पूर्व झगड़ा भी हुआ था। परंतु दोनों पक्ष में मामला रफा दफा हो जाने पर कोतवाली तक विवाद नहीं आ पाया था। उसे अपने तहेरे भाइयों पर ताऊ पर हमला करने का शक है। पुलिस क्षेत्राधिकार राहुल पांडे का कहना है कि पुलिस ममले में जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद असली अपराधियों के नाम मुकदमे में अंकित कर दिए जाएंगे।

# सात वर्षीय बच्ची लापता, वन विभाग के खिलाफ हंगामा

## तेंदुए के उठा ले जाने की आशंका, मौके पर विधायक पहुंचे

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पूरनपुर।** तहसील क्षेत्र के हरीपुर जगंल से सटे जटपुरा गांव में गुरुवार देर रात सात वर्षीय मासूम बच्ची के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। जिससे खलवली मच गई। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बच्ची को तेंदुआ उठा ले गया है। इसको लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। कोतवाली क्षेत्र के गांव जटपुरा गांव हरीपुर जंगल से सटा हुआ है। गांव निवासी गोधन लाल की सात बर्ष की पुत्री अंशिका गुरुबार को अपनी मां मीरा देवी के पास जा रही थी। उसकी मां गांव के बाहर एक धार्मिक स्थल पर बकरी चरा रही थी। गुरुबार की देर शाम आंशिका घर से निकली जिसको लोगों ने भी जाते देखा। लेकिन वह मीरा देवी के पास नही पहुंच पाई और संदिग्ध परिस्थितियों में मासूम लापता हो गई। कुछ देर बाद जब वह दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने पहले घर और आसपास के लोगों से पूछताछ की। काफी देर तक कोई जानकारी न मिलने पर परिजनों ने गांव के लोगों को सूचना दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण डंडे व टार्च लेकर मौके पर पहुंच गए और चारों ओर खोजबीन शुरू कर दी। ग्रामीणों ने खेतों, पगडंडियों, बागों और गन्ने के खेतों में घंटों तक बच्ची की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियां देखी जा रही हैं। कई लोगों ने रात के समय खेतों के आसपास तेंदुए को घूमते हुए देखने का दावा किया है। लोगों को आशंका है कि बच्ची को तेंदुआ उठा ले गया होगा, घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग व सामाजिक वानिकी की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के कर्मचारी रात के अंधेरे और गन्ने के घने खेतों में प्रवेश करने से हिचकिचा रहे थे। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई।

सूचना पर पहुंचे विधायक वावूराम पासबान। -जागरण मोर्चा

> मामले की जानकारी लगने पर सामाजिक वानिकी व हरीपुर रेंज की टीम मौके पर गई थी। तेंदुए की चहलकदमी नही मिली है। टीम को निगरानी के लिए मौके पर है।
>
> -सोबरन लाल, रेंजर, सामाजिक वानिकी, पूरनपुर

# जिला संयुक्त बार एसोसिएशन का न्यायिक अधिकारी पर गंभीर आरोप, तबादले की उठाई मांग

- व्यवहार को बताया अधिवक्ताओं के सम्मान के खिलाफ, प्रशासनिक न्यायाधीश को भेजा शिकायत पत्र

**पीलीभीत।** जिला संयुक्त बार एसोसिएशन ने अपर जनपद विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) कोर्ट संख्या-5 की पीठासीन अधिकारी अनु सक्सेना के कार्य व्यवहार पर गंभीर आपत्ति जताते हुए उनके स्थानांतरण की मांग की है। इस संबंध में बार एसोसिएशन की ओर से प्रशासनिक न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय को एक औपचारिक शिकायत पत्र भेजा गया है।बार एसोसिएशन के पत्र में आरोप लगाया गया है कि न्यायिक अधिकारी का अधिवक्ताओं के प्रति व्यवहार शुरुआत से ही असम्मानजनक और असहयोगात्मक रहा है। पत्र के अनुसार, उनके पीलीभीत में कार्यभार ग्रहण करने के बाद से ही अधिवक्ताओं को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है...

संबंध में पूर्व में जनपद न्यायाधीश के समक्ष भी कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन केवल न्यायालय परिवर्तन जैसी औपचारिक कार्रवाई के अलावा कोई ठोस समाधान नहीं निकला।बार एसोसिएशन का कहना है कि वर्तमान न्यायालय में लंबित वादों की संख्या अधिक होने के बावजूद पीठासीन अधिकारी का रवैया अधिवक्ताओं के प्रति उपेक्षापूर्ण बना हुआ है। आरोप है कि सुनवाई के दौरान भी उनका व्यवहार अधिवक्ताओं के सम्मान के अनुरूप नहीं रहता, जिससे न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहा है।शिकायत पत्र में यह भी कहा गया है कि जब बार एसोसिएशन के महासचिव विद्याराम वर्मा ने तो उन्हें अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, लेकिन उसके बाद भी किसी प्रकार की सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। इससे अधिवक्ताओं में गहरा असंतोष और रोष व्याप्त है। बार एसोसिएशन ने प्रशासनिक न्यायाधीश से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए पीठासीन अधिकारी के विरुद्ध उचित कार्रवाई तथा उनका किसी अन्य जनपद में स्थानांतरण किए जाने की मांग की है। इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव अवस्थी, सिविल वार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक नगायच, महासचिव विद्याराम वर्मा, उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार वर्मा, सिविल बार के पूर्व महासचिव मोहन गिरी एडवोकेट, रोहित सिंह एडवोकेट, सज्जाद अली एडवोकेट सहित समस्त अधिवक्तागण मौजूद रहे।

# मारपीट के मामले में दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**पूरनपुर।** घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव झुरकुरिया निवासी मैकूलाल ने बताया कि पडोस के रहने वाले कालीचरन व उसकी पत्नी मीरा देवी जब से काम करके वापस घर आए तब से लगातार गाली गलौज कर परेशान कर रहे है।

23 जुलाई को विना किसी बात के गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी लेकर उसके घर पर आ गए और मारपीट की। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस ने बताया कि दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिसकी विवेचना शुरु कर दी गई।

# ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसला, बीसलपुर के युवक की दर्दनाक मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बीसलपुर।** कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अखौला निवासी एक युवक की सीतापुर में ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अखौला निवासी कृष्ण कुमार का 25 वर्षीय पुत्र प्रशांत कुमार मेलों में झूले लगाने का धंधा करता था। वर्तमान में वह सीतापुर में चल रहे मेले में अपने झूले लगाने गया हुआ था। शुक्रवार को मेला समाप्त होने के बाद वह अपने घर लौटने के लिए निकला था। सीतापुर के खजुरिया हाल्ट पर चलती ट्रेन के डिब्बे में चढ़ते समय अचानक उसका पैर फिसल गया। पैर फिसलने से वह नीचे पटरियों पर आ गिरा और ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतक प्रशांत तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अविवाहित था। वह अपने काम से परिवार का हाथ बंटाता था। जैसे ही घटना की खबर बीसलपुर स्थित उसके गांव पहुंची, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के रोते-बिलखते परिजन सीतापुर के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक प्रशांत कुमार।

## संक्षेप समाचार

### सास और पति पर उत्पीड़न और ननदोई पर छेड़खानी का आरोप, मामला दर्ज

**बीसलपुर।** तहसील के ग्राम भीकमपुर उर्फ परानपुर निवासी एक महिला ने अपनी सास, पति और ननदोई के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी सास संतोषी आए दिन उनके पति मानवेंद्र कुमार को उनके खिलाफ भड़काती हैं और मारपीट के लिए उकसाती हैं। पीड़िता का आरोप है कि उनकी सास, पति को पीड़िता और उनकी 4 वर्षीय बेटी के भरण-पोषण के लिए पैसे देने से रोकती हैं तथा जायदाद से बेदखल करने की धमकी देती हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बात का विरोध किया, तो वहां मौजूद उनके ननदोई विकास ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। जान बचाकर बाहर भागने पर आरोपी ननदोई ने उनका पीछा किया और छेड़खानी की। पीड़िता ने पास के सरकारी स्कूल में छिपकर किसी तरह अपनी जान बचाई। बीसलपुर थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया है कि पीड़ित महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है।

### डीसीएम की टक्कर से बिजली का पोल क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, पुलिस मौके पर पहुंची

**पूरनपुर।** एक डीसीएम चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तेज रफ्तार डीसीएम अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। पुलिस मौके पर पहुंची। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव कैशोपुर में शुक्रवार डीसीएम गांव से होकर गुजर रही थी। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल में जा भिड़ा। जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने डीसीएम चालक को रोक लिया और उससे हादसे को लेकर जवाब-तलब किया। इस दौरान चालक और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक तीखी नोकझोंक होती रही। ग्रामीणों का आरोप था कि चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जबकि चालक अपनी सफाई देता रहा। बढ़ते विवाद के कारण मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मामले की सूचना किसी ग्रामीण ने डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिस ने डीसीएम चालक को हिरासत में ले लिया तथा वाहन को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। उधर, बिजली विभाग के कर्मचारी भी सूचना मिलने पर पहुंच गए। कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त पोल को देखा। पुलिस ने बताया कि दोनो पक्षों का समझौता हो गया है।

### प्रेमजाल में फंसाकर किशोरी को बहलाकर ले गया युवक, शिकायत पर पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

**पूरनपुर।** क्षेत्र की एक महिला ने अपनी 15 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि घुंघचाई थाना क्षेत्र के मटेहना कॉलोनी नंबर तीन निवासी अनिकेत की उसके गांव में ननिहाल है। ननिहाल होने के कारण उसका गांव में अक्सर आना-जाना रहता था। इसी दौरान उसकी पहचान महिला की 15 वर्षीय पुत्री से हो गई। आरोप है कि अनिकेत ने किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और दोनों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत शुरू हो गई। महिला का आरोप है कि 22 जुलाई को अनिकेत उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। दस हजार की नगदी सहित काफी मालजेवर भी ले गई। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पीड़िता की मां ने पुलिस से शिकायत कर बेटी की बरामदगी और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर अनिकेत सहित पांच लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

### लालपुरिया साहिब सिंह को मिली पक्की सड़क की सौगात, राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने किया लोकार्पण

ग्राम लालपुरिया साहिब सिंह में नवनिर्मित संपर्क मार्ग का लोकार्पण करते राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार।। -जागरण मोर्चा

**पीलीभीत।** ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में शुक्रवार को ग्राम लालपुरिया साहिब सिंह को नई संपर्क सड़क की सौगात मिली। प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने मरौरी विकासखंड के ग्राम लालपुरिया साहिब सिंह में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत निर्मित संपर्क मार्ग का विधिवत लोकार्पण किया। सड़क बनने से गांव के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, खासकर बरसात के दिनों में जब कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। करीब 9 .90 लाख रुपये की लागत से तैयार यह संपर्क मार्ग नन्हे लाल के मकान से फहीम के खेत तक बनाया गया है। लोकार्पण के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने कहा कि ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, पेयजल, बिजली सहित सभी मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है

# सर्पदंश से महिला की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बीसलपुर।** कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कर्रखेड़ा में शुक्रवार सुबह घर में झाड़ू लगा रही एक महिला को विषैले सर्प ने डस लिया। सर्प के काटने से महिला की हालत बिगड़ गई। परिजनों ने आनन-फानन में महिला को उपचार के लिए बीसलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ग्राम कर्रखेड़ा निवासी सोनी पत्नी नंदकिशोर शुक्रवार सुबह लगभग 10:00 बजे अपने घर में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान अचानक बक्से के नीचे छिपे बैठे एक सर्प ने उन्हें काट लिया। सर्प डसते ही महिला की चीख निकल गई और देखते ही देखते उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन तत्काल महिला को बीसलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत में सुधार न होने और स्थिति चिंताजनक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल महिला का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

सर्प के काटने के बाद अस्पताल में भर्ती महिला। -जागरण मोर्चा

# झोपड़ी में लगी आग से सामान जला

**पूरनपुर।** थाना क्षेत्र के गांव चंदोखा निवासी गेंदन लाल की खेत पर बनी झोपड़ी में शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसमें रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घटना से किसान को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, गेंदन लाल का सिमरा घाट के पास खेत है, जहां वह फसल की रखवाली के लिए झोपड़ी बनाकर रहता है। शुक्रवार को वह घर चले गए थे। इसी दौरान झोपड़ी में अचानक आग लग गई। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने झोपड़ी से धुआं और लपटें उठती देखीं तो मौके की ओर दौड़े और आग बुझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक झोपड़ी में रखा अधिकांश सामान जल चुका था।

# महिला पर डीजल छिड़ककर आग लगाने और फांसी देने का प्रयास, एसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

**बीसलपुर।** थाना क्षेत्र के मोहल्ला ग्यासपुर निकट सितारा धर्मकांटा में ससुराल पक्ष द्वारा एक महिला के साथ बर्बरता और जानलेवा हमले का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने पति, सास और देवरों पर डंडों से पिटाई करने, जेवर छीनकर घर से निकालने तथा डीजल डालकर आग लगाने व फांसी पर लटकाने की कोशिश का आरोप लगाया है। पीड़िता ने शिकायत पुलिस अधीक्षक से करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। पीड़िता फरीन बेगम द्वारा एसपी पीलीभीत को सौंपे गए प्रार्थना पत्र के अनुसार, उनका विवाह लगभग 3 वर्ष पूर्व मुकीम पुत्र नईम खां के साथ हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद मुकीम की अचानक मृत्यु हो गई। इसके बाद पीड़िता करीब एक साल मायके में रही। बाद में परिजनों और दोनों पक्षों की सहमति से फरीन का निकाह छोटे देवर कल्लू के साथ करा दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि दूसरे विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल जन छोटी-छोटी बातों पर प्रताड़ित करने लगे। 3-4 माह पूर्व सास चन्दा बेगम, पति कल्लू और देवर सादाव, तहसीम व लकी ने मिलकर उनके साथ मारपीट की थी। शिकायत के बाद मामला पारिवारिक परामर्श केंद्र भेजा गया, जहाँ 15 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों में समझौता कराकर घर भेज दिया गया था। इसके अगले ही दिन 16 जुलाई 2026 को ससुराल वालों ने फिर से एकराय होकर हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। जान से मारने की नीयत से शरीर पर डीजल छिड़ककर आग लगाने और फांसी के फंदे पर लटकाने की कोशिश की गई। जान बचाकर भागने के दौरान सोने की अंगूठी और 1.5 तोले के झाले छीन लिए गए और धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया गया। घटना के बाद पीड़िता रात लगभग 11 बजे रोते-बिलखते पास में ही रहने वाले पड़ोसी रईस खां के घर पहुंची और किसी तरह अपनी जान बचाकर रात बिताई। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी पति, सास और तीनों देवरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। इस मामले में थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया है कि पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पीड़िता की तहरीर पर महिला के ससुरालियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

**श्रद्धा** हजारों श्रद्धालुओं ने परिक्रमा कर की पूजा-अर्चना

# भगौतीपुर के जातों के मेले में उमड़ी भक्तों की आस्था

जागरण मोर्चा कार्यालय

**पूरनपुर।** घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में पारंपरिक जातों के मेले में शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर और मेले में भक्तों का आना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पवित्र स्थल की परिक्रमा की और इसके बाद मंदिर में दर्शन कर प्रसाद अर्पित किया। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते पूरे दिन मंदिर परिसर जयकारों और भक्ति गीतों से गूंजता रहा। लोगों ने मनौती मांगी और पूरी होने पर प्रसाद भी चढ़ाया। बच्चों ने खिलौने, गुब्बारे और अन्य आकर्षक सामान खरीदे, जबकि महिलाओं ने श्रृंगार सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी की। खाने-पीने की दुकानों पर भी पूरे दिन रौनक बनी रही। झूले और मनोरंजन के अन्य साधन बच्चों और युवाओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस कर्मी मुस्तैद रहे। ग्रामीणों ने बताया कि भगौतीपुर का यह पारंपरिक जातों का मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना यहां पूरी होती है, जिसके कारण हर वर्ष मेले में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मेले में परिक्रमा करते भक्त। -जागरण मोर्चा

# बिना परमीशन खेत से निकाली गई मिट्टी की जांच शुरू

जागरण मोर्चा कार्यालय

- पीडित ने जिलाधिकारी से की थी खनन की शिकायत

**पूरनपुर।** विना परमीशन के अवैध खनन का उल्लंघन कर खेत से मिट्टी निकाल ली। शिकायत करने पर जिला खनन अधिकारी व राजस्व टीम ने मौके पर पहुंच कर खनन को देखा।

घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया मझरा निवासी रंजीत सिंह ने बताया कि उसकी व भाई रजविन्दर सिंह की भूमि खतौनी में दर्ज है। 15 और 16 जुलाई को दिन रात में गांव निवासी एक युवक ने जेसीबी मालिक कारज सिंह व एक अज्ञात ने मिलकर दो जेसीबी मशीनों के द्वारा उसकी तीन बीघा भूमि से बिना किसी परमिशन के अवैध रूप से तीन चार फिट गहरी मिट्टी का खनन कर दर्जनों डंपरों में मिट्टी भरवा कर बिक्री कर दी। जिससे उसका खेत खराब हो गया। जिससे पीडित का काफी आर्थिक नुकसान हो गया।

आरोप है कि खनन विभाग के नियमों का उल्लंघन किया गया। मामले की शिकायत पीड़ित ने 21 जुलाई को जिलाधिकारी से की। जिलाधिकारी ने खनन अधिकारी को जांच के निर्देश दिए थे।

शुक्रवार को जिला खनन अधिकारी प्रांजल कुमार, चकबंदी अधिकारी ओमकार सिंह व हल्का लेखपाल पहुंचे, अधिकारियों ने खेत पर पहुंच कर मौका मुआयना कर खनन के मानको को देखा। पीडित से पूछताछ कर आश्वासन दिया। जिला खनन अधिकारी प्रांजल कुमार ने बताया मामले की शिकायत पर मौके पर जाकर जांच पड़ताल कर पूछताछ की है।

# भारत का पहला पदक पक्का

## लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

**कॉमनवेल्थ गेम्स 2026**

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी।

यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था। इस पदक का मतलब यह भी है कि लवलीना ने उन सभी बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स में पदक जीत लिए हैं जिनमें वह हिस्सा लेने की पात्र थीं। इसमें ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। गुरुवार को ओपनिंग सेरेमनी के लिए जब भारतीय दल शानदार कपड़ों में मैदान पर उतरेगा, तो लवलीना और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू फ्लैग और बैटन बियरर लेकर चलेंगी। लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके अलावा, उन्होंने चीन के हांगझोउ में हुए 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक जीता।

# पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान पर लाखों ठगी का आरोप

## नवीन जिंदल से पहचान बताकर काम में पार्टनर बनाने ठेकेदार को फंसाया

**दुर्ग-भिलाई।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान पर 17.52 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा है। जिंदल इस्पात लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम दिलाने का झांसा देकर ठेकेदार से फ्रॉड किया गया। अब कोर्ट ने उन पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र का कहना है कि, राजेश चौहान ने खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बताते हुए उद्योगपति नवीन जिंदल से करीबी संबंध होने का दावा किया था। भरोसा दिलाने के लिए जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर भी दिखाया और ट्रांसपोर्ट के काम में पार्टनर बनाने की बात कही। बाद में पता चला कि पूरा दस्तावेज फर्जी था। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) कोर्ट ने मोहन नगर पुलिस को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है।

### कौन हैं राजेश चौहान?

राजेश चौहान भारत के पूर्व ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने 1993 से 1998 के बीच भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। 90 के दशक में वे अनिल कुंबले और वेंकटपति राजू के साथ भारत की स्पिन तिकड़ी का अहम हिस्सा रहे।

- **दोस्त के जरिए हुई पहचान, करोड़ों के काम का दिया लालच**- पीड़ित दिनकर विश्वमित्र ने कोर्ट में बताया कि, उसकी मुलाकात दोस्त सरोज कुमार के जरिए राजेश चौहान से हुई थी। बातचीत के दौरान राजेश ने कहा कि उसकी गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी को ओडिशा के क्योंझर स्थित जिंदल इस्पात लिमिटेड में आयरन और अन्य सामग्री के ट्रांसपोर्ट का बड़ा ठेका मिला है। अगर वह ट्रक लगाकर इस काम में पार्टनर बनता है, तो उसे अच्छा मुनाफा मिलेगा। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपी ने जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर और दूसरे दस्तावेज भी दिखाए। इन्हें देखकर दिनकर ने साझेदारी के लिए हामी भर दी।

- **इकरारनामा हुआ, फिर अलग-अलग किस्तों में लिए 17.52 लाख रुपए**- शिकायत के अनुसार, 30 जुलाई 2021 को दोनों पक्षों के बीच इकरारनामा हुआ। उसी दौरान दिनकर ने 2.51 लाख रुपए का पहला भुगतान किया। इसके बाद आरोपी के कहने पर गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी के खाते में दो किस्तों में 15.01 लाख रुपए और ट्रांसफर कर दिए। इस तरह आरोपी ने कुल 17.52 लाख रुपए ले लिए। पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही ट्रांसपोर्ट का काम शुरू होगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी न तो काम मिला और न ही किसी तरह का फायदा।

# पॉजिटिव सेल्फ टॉक ने हालैंड को बनाया सुपर स्टार

## अर्लिंग हालेंड ने बताया- थकान सिर्फ दिमाग में होती है; विज्ञान भी यही कहता है

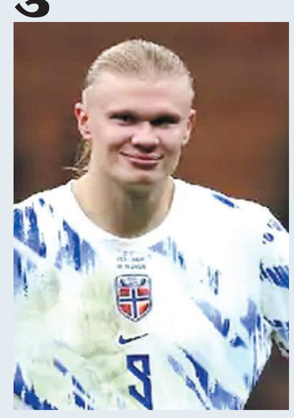

**न्यूयॉर्क।** फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।- फुटबाल वर्ल्ड कप में 6 फुट 5 इंच लंबे अर्लिंग हालेंड की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है।

हालिया फुटबॉल वर्ल्ड कप में नॉर्वे के अर्लिंग हालेंड 7 गोल दागकर टूर्नामेंट के चौथे सबसे सफल खिलाड़ी रहे। 6 फुट 5 इंच लंबे इस खिलाड़ी की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। पिछले साल की एक घटना है, जब मैनचेस्टर सिटी की ट्रेनिंग फैसिलिटी में हालेंड एक 'हाइपोक्सिक चैंबर' में एक्सरसाइज बाइक चला रहे थे। यह एक ऐसा कमरा होता है, जहां पहाड़ों जैसी ऊंचाई और तेज गर्मी का माहौल बनाकर हवा में ऑक्सीजन काफी कम कर दी जाती है। हालेंड को पूरी ताकत लगाकर अपना हार्ट रेट 150 बीट्स प्रति मिनट तक ले जाना था।

उन्होंने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा था कि वह यह बिल्कुल नहीं करना चाहते, लेकिन फिर भी करेंगे क्योंकि यह उनके शरीर और दिमाग दोनों के लिए अच्छा है।

# भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में जोरदार उछाल, 676.237 अरब डॉलर पर पहुंचा आंकड़ा

**एजेंसी समाचार**

**नई दिल्ली.** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.237 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले के रिपोर्टिंग सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 964 मिलियन डॉलर बढ़कर 675.157 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। यह वृद्धि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

विदेशी मुद्रा भंडार इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मध्य पूर्व संघर्ष की शुरूआत के बाद इसमें कई सप्ताह तक गिरावट देखी गई थी। उस दौरान रुपया दबाव में आ गया था और आरबीआई को डॉलर की बिक्री के माध्यम से विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 मई से देशवासियों से विदेशी यात्रा कम करने, ईंधन का उपयोग सीमित करने और एक वर्ष तक सोने की खरीद से बचने की अपील की है। यह अपील विदेशी मुद्रा को संरक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 4.549 अरब डॉलर बढ़कर 551.057 अरब डॉलर हो गईं। यह भंडार का एक प्रमुख घटक है। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में गैर-अमेरिकी इकाइयों जैसे यूरो, पाउंड और येन के मूल्य में वृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। इस वृद्धि ने कुल भंडार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह वृद्धि देश की बाहरी भुगतान क्षमता को मजबूत करती है। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
क्लासीफाइड
विज्ञापन दर
रू. 500/*- Size 40 Sqcm (Colour)
*नियम एवं शर्तें लागू
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
7579849555, 9627739857, 9997745413

# 'आपके आंसू हमारे आंसू हैं'

## मैदान पर भावुक हुए मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने लिखा खास पोस्ट

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है। स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।' लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने।

उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। स्पेन के खिलाफ मेसी 39 साल और 25 दिन की उम्र में मैदान पर उतरे। मेसी ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप ( छह) खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

# दिल्ली में सोने-चांदी के दाम धड़ाम, निवेशकों को लगा बड़ा झटका

**एजेंसी न्यूज**

**नई दिल्ली.** दिल्ली में सोने के दाम 2,000 रुपये गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हुए, जबकि चांदी 5,000 रुपये सस्ती होकर 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। घरेलू बाजार में मुनाफावसूली और कमजोर खरीद भावना के कारण यह गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालांकि सोने-चांदी में मामूली बढ़त दिखी। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

राष्ट्रीय राजधानी के सरार्फा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों द्वारा मुनाफावसूली के कारण सोने के दाम 2,000 रुपये कम हो गए। चांदी की कीमतों में भी भारी बिकवाली के चलते 5,000 रुपये की गिरावट आई। घरेलू बाजार में कमजोर खरीद भावना के कारण सरार्फा कीमतें दबाव में रहीं।

99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये गिरकर 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। यह लगातार दूसरे दिन सोने की कीमतों में आई गिरावट है। गुरुवार, 23 जुलाई 2026 को सोना 1,49,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि यह गिरावट मुनाफावसूली के कारण हुई। चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह 5,000 रुपये सस्ती होकर 2,24,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। सफेद धातु पिछले सत्र में 2,29,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में यह गिरावट भारी बिकवाली के कारण हुई।

घरेलू बाजार में क्यों आई गिरावट?

घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण मुनाफावसूली रहा। व्यापारियों ने ऊंचे दामों पर अपना सोना बेचा, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ा। चांदी में भी भारी बिकवाली देखने को मिली, जिसके चलते इसके दाम कम हुए। बाजार में खरीददारों की रुचि कम होने से भी सरार्फा कीमतों में नरमी बनी रही। यह स्थिति कमजोर खरीद भावना को दशार्ती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोने में मामूली बढ़त देखी गई। यह 4,063.70 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमतों में भी करीब 2 फीसदी की वृद्धि हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 58.59 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। मीरा एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि ब्रेंट तेल में करीब 4 फीसदी की गिरावट आई। यह पांच दिन में 12 फीसदी की तेजी के बाद हुआ है। प्रवीण सिंह ने बताया कि अमेरिका ने ईरान पर लगातार 14वीं रात हमले जारी रखे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तेहरान पर बड़े हमले पर विचार कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत सहित 60 देशों पर शुल्क भी लगाए हैं। कोटक सिक्योरिटीज की कमोडिटी रिसर्च की सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि चांदी में यह बढ़त कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का अनुसरण कर रही थी। ब्याज दर की उम्मीदों में कोई खास बदलाव नहीं आया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कच्चे तेल की कीमतें स्थिर होती हैं और अमेरिकी ट्रेजरी आय कम होती है, तो सोना 4,100 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस और चांदी 60 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती है।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।